{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 28 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 243
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,009.70
निफ्टी	-	23,913.70
सोना	-	1,58,890
चांदी	-	2,85,000
डॉलर	-	95.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

आंध्र प्रदेश में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू!

अमरावती। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण पर आंध्र प्रदेश सीएम चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी ने बड़ा फैसला लिया है। टीडीपी ने पार्टी के अंदर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू कर दिया है। इसके तहत आगामी चुनावों में महिलाओं को 33 फीसदी सीटों पर आरक्षण दिया जाएगा। आंध्र प्रदेश में बीजेपी की सहयोगी और एनडीए अलायंस की पार्टी टीडीपी ने कहा कि भले ही महिला आरक्षण बिल देश में लागू नहीं हो पाया। पार्टी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को राज्य में लागू कर दिया है। टीडीपी के कार्यकारी अध्यक्ष नारा लोकेश ने महिला आरक्षम पर कहा कि विपक्षी दलों ने संसद सत्रों के दौरान महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया था। इसके कारण महिलाओं की महत्वाकांक्षी मांग पूरी नहीं हो पाई। हालांकि बावजूद इसके तेलुगु देशम पार्टी ने विधेयक के बावजूद महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें 'गंदा धर्म' जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस मामले पर ममता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह शिकायत वकील रिंकी चटर्जी सिंह ने की है। उनका कहना है कि बयान से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। रिंकी ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेता पहले भी हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। रिंकी के मुताबिक उन्होंने 2025 में भी शिकायत करने की कोशिश की थी लेकिन तब उनकी नहीं सुनी गई और उन्हें प्रताड़ित भी किया गया था।

भारत में इबोला का कोई केस नहीं

बेंगलुरु। भारत सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में इबोला वायरस से जुड़ा एक भी मामला नहीं है। सरकार को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला जैसे लक्षण देखे गए थे। हालांकि बाद में महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई। महिला 23 मई को बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंची थी। जिसके बाद उसे एहतियातन सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया। महिला के शरीर में हल्का दर्द था हालांकि अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। अधिकारियों के मुताबिक

कुछ ना कहना

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम । तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया।

बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है।

सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है।

ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे। सीएमआरएल में सरकारी संस्था केएसआईडीसी की 13.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एसएफआईओ की जांच और आयकर विभाग की रिपोर्ट को आधार बनाकर ईडी ने मार्च 2024 में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था, जिसके तहत ये छापेमारी की गई है।

नीट मामले में सीबीआई ने दो और अरेस्ट किए

इनमें एक डॉक्टर, बेटे समेत 3 छात्रों को पेपर दिलवाया; अब तक 13 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहले आरोपी की पहचान डॉक्टर मनोज शिरूरे के रूप में हुई है। वह लातूर के रहने वाले हैं। डॉ. मनोज ने एक कोचिंग सेंटर के मालिक (जो खुद भी आरोपी है) के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पीवी कुलकर्णी से केमिस्ट्री के क्वेश्चन पेपर दिलाए थे।

वहीं पकड़ा गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी में फिजिक्स पढ़ाता है। उसे नीट परीक्षा के लीक हुए फिजिक्स के क्वेश्चन गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिले थे। इस मामले में पूरी कड़ी और साजिश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। सीबीआई ने अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए। इस मामले में अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका

सीबीआई जांच में खुलासा हुआ कि नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका था। सबसे ज्यादा बिक्री महाराष्ट्र में हुई। दूसरा नंबर राजस्थान का है। सीबीआई का कहना है कि बाद पेपर लीक का मामला और बड़ा निकल सकता है। एजेंसी अभी यह तय नहीं कर पा रही कि कितने छात्रों ने पेपर खरीदा था। सीबीआई को महाराष्ट्र और राजस्थान में पेपर के प्रिंट निकालकर बेचने के सबूत मिले हैं। पेपर लीक का सबसे बड़ा केंद्र महाराष्ट्र था। यहीं से राजस्थान और दूसरे राज्यों के छात्रों तक 'क्वेश्चन बैंक' पहुंचा।

सीबीआई पैसे देने वालों की लिस्ट बना रही

जांच एजेंसी अब उन सभी पेरेंट्स की लिस्ट तैयार कर रही है, जिनके बैंक खातों से शिवराज मोटेगांवकर, पी.वी. कुलकर्णी या उनकी सहयोगी मनीषा वाघमारे (पुणे) के खातों में पैसे ट्रांसफर हुए थे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अलावा बाहर के कुछ किरदार अभी शक के दायरे में हैं। सीबीआई जल्द ही दूसरे राज्यों में छापेमारी करेगी।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला- राशन व्यवस्था होगी हाईटेक

-80 करोड़ लोगों को सीधा लाभ पहुंचाने की तैयारी

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बधुवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को लेकर बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत देश के करीब 80 करोड़ राशन लाभार्थियों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना पर लगभग 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि सरकार राशन वितरण प्रणाली को अधिक मजबूत, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत तीन बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनसे राज्यों, राशन डीलरों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

राज्यों को आर्थिक सहायता

कैबिनेट का पहला बड़ा फैसला राज्यों को आर्थिक सहायता देने से जुड़ा है। मंत्री ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बड़े गोदामों से अनाज को जिलों, ब्लॉकों और अंततः राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब केंद्र सरकार इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय मदद उपलब्ध कराएगी, जिससे राशन आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुचारु हो सकेगी।

राशन डीलरों का बढ़ेगा कमीशन

कैबिनेट का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय राशन डीलरों के कमीशन को बढ़ाने का है। लंबे समय से राशन दुकानदार अपने कमीशन में वृद्धि की मांग कर रहे थे। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे देशभर के लाखों राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

लाभार्थियों का पंजीकरण

कैबिनेट का तीसरा और सबसे अहम फैसला जो राशन व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का है। सरकार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों की मदद से लाभार्थियों का पंजीकरण करेगी। इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सही व्यक्ति तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि डिजिटल और तकनीक आधारित व्यवस्था से पूरे पीडीएस नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

भीषण गर्मी पर हुई चर्चा

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के दौरान देश में जारी भीषण लू की स्थिति पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों और विभागों को 卐पूरे राष्ट्र की भावना卐 के साथ काम करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य, जल संसाधन और अन्य विभागों द्वारा नागरिकों को राहत और सुरक्षा प्रदान करने के उपायों पर विशेष चर्चा की गई।

बायजूस के फाउंडर रविंद्रन को 6 महीने जेल की सजा

सिंगापुर कोर्ट ने प्रॉपर्टी और पेपर छिपाने का दोषी पाया, 67 लाख का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली। देश की पहली बड़ी एजुकेशन टेक कंपनी 'बायजूस' के मालिक बायजू रविंद्रन को सिंगापुर की एक अदालत ने 6 महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पाया कि रविंद्रन ने अपनी प्रॉपर्टी से जुड़े जरूरी कागजात छिपाए और अदालत के आदेशों को नहीं माना, जिसे कोर्ट की अवमानना माना गया है।

सिंगापुर कोर्ट के मुताबिक, रविंद्रन अप्रैल 2024 से लगातार अपनी संपत्तियों से जुड़ी जानकारी देने के आदेशों को नजरअंदाज कर रहे थे। जब उन्होंने बार-बार अदालत की बात नहीं मानी, तो कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया और जेल भेजने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने रविंद्रन को तुरंत अधिकारियों के सामने सरेंडर करने को कहा है।

67 लाख रुपए का जुर्माना भी देना होगा

सजा के साथ-साथ रवींद्रन पर 90,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 67 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्हें यह राशि कानूनी खर्च (लीगल कॉस्ट) के तौर पर देनी होगी। इसके अलावा, रवींद्रन को बीआर इन्वेस्टको पीटीई की कानूनी मिल्कियत साबित करने वाले दस्तावेज भी कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया गया है। यह एक कॉरपोरेट एंटिटी है, जिसके पास संबंधित कंपनी के शेयर्स हैं।

कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने किया था केस

रवींद्रन के खिलाफ सिंगापुर की अदालत में यह मामला कतर के सॉवरेन वेल्थ फंड कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की एक सहायक कंपनी ने दर्ज कराया था। कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने बायजू के उस फंडिंग राउंड में निवेश किया था, जब कंपनी भारी संकट से गुजर रही थी और अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही थी। इस मामले में कोर्ट में कतर होल्डिंग्स का पक्ष ड्रू एंड नेपियर ने रखा। वहीं बायजू इन्वेस्टमेंट्स की ओर से फर्वेंट चैंबर्स ने पैरवी की। फिलहाल रवींद्रन की ओर से इस सजा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह भी अभी स्पष्ट नहीं है कि वे वर्तमान में सिंगापुर में मौजूद हैं या किसी अन्य देश में।

आसाराम को हाई कोर्ट से झटका

आजीवन कारावास की सजा रहेगी बरकार, सरेंडर करने का आदेश

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने बुधवार को नाबालिग से बलात्कार के मामले में आसाराम बापू को दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। इसी के साथ ही कोर्ट ने 2018 में निचली अदालत द्वारा पारित दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, बेंच ने उन्हें सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश के आरोपों से बरी करके कुछ राहत जरूर दी है। अदालत ने आसाराम को आत्मसमर्पण करने का निर्देश भी दिया। आसाराम फिलहाल चिकित्सा कारणों से अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। यह फैसला जस्टिस अरुण कुमार मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने आसाराम और उनके सह-आरोपी शरतचंद्र और शिल्पी द्वारा दायर अपीलों पर सुनाया।

आसाराम की आजीवन कारावास की सजा रद्द करने की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने माना कि भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार, पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन उत्पीडन् और किशोर न्याय अधिनियम के तहत अपराधों के आरोप सिद्ध हो चुके हैं। हालांकि, पीठ ने कहा कि सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश से संबंधित आरोपों को साबित करने के लिए रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत पर्याप्त नहीं हैं। वहीं, हाई कोर्ट ने शरतचंद्र और शिल्पी को सभी आरोपों से बरी कर दिया। इससे पहले निचली अदालत ने दोनों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम को लेकर शिक्षा मंत्री की हाई लेवल बैठक, सुरक्षा और पारदर्शिता पर जोर

नई दिल्ली । नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम को लेकर केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक कर परीक्षा की सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सरकार का कहना है कि इस बार परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से कराई जाएगी। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रश्नपत्र की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। इसके साथ ही फर्जी टेलीग्राम चैनलों और पेपर लीक गिरोहों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 14 जून से जारी किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि छात्रों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महंगाई की मार... 1 जून से रेलवे स्टेशनों पर महंगा मिलेगा खाना

- सेंट्रल रेलवे ने दी चीजों के रेट बढ़ाने को मंजूरी, नए टैरिफ लागू होने के 6 महीने बाद होगा मूल्यांकन

नई दिल्ली। ट्रेन से सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए एक बड़ा झटका है, जहां रेलवे स्टेशनों पर मिलने वाला खान-पान अब और महंगा होने जा रहा है। सेंट्रल रेलवे ने 1 जून 2026 से खान-पान की विभिन्न वस्तुओं की दरों में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह बढ़ोतरी तेल और गैस की कीमतों में लगातार हो रहे इजाफे के कारण की गई है।

नई दरों के मुताबिक, सबसे लोकप्रिय स्नैक वड़ा पाव की कीमत में लगभग 54 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। पहले 13 रुपये में मिलने वाला वड़ा पाव अब 20 रुपये में मिलेगा, जिसमें 50 ग्राम आलू वड़ा 15 रुपये और पाव 5 रुपये प्रति पीस तय किया गया है। इसके अलावा वेज समोसा, वेज पफ और साबूदाना वड़ा भी अब 20 रुपये प्रति पीस की दर से मिलेंगे। वहीं, पाव भाजी और वेज पिज्जा के शौकीनों को अब 50 रुपये प्रति पीस चुकाने होंगे।

गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

मूल्य वृद्धि को मंजूरी देने के साथ ही रेलवे ने सभी लाइसेंसधारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि दरों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुधार के रूप में दिखना चाहिए। इसके अलावा, नए टैरिफ लागू होने के 6 महीने बाद बिक्री का मूल्यांकन किया जाएगा, जिसके आधार पर लाइसेंस शुल्क की समीक्षा होगी। राहत की बात यह है कि कचौड़ी, गुलाब जामुन, ताजे जूस, मिसल पाव और वेज नूडल्स समेत 16 लोकप्रिय खाद्य पदार्थों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। साथ ही, जूस और सोडा उत्पादों के दाम भी पहले की तरह ही बने रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी संवैधानिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के खिलाफ रेट्रोस्पेक्टिव वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाए जाने के सरकार के कदम को बरकरार रखा है. यह विवाद इस बात पर था कि क्या उनके प्लेटफॉर्म के जरिए से लगाए गए दांवों के पूरे मूल्य पर 28 फीसद जीएसटी लगाया जा सकता है या नहीं. न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने फैसला सुनाया कि इस तरह का जीएसटी संवैधानिक रूप से वैध है और जीएसटी को नियंत्रित करने वाली संवैधानिक योजना का उल्लंघन नहीं करता है.

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि जीएसटी अधिनियम के तहत वैधानिक अधिकार द्वारा इस कर को समर्थन प्राप्त है. सर्वोच्च अदालत ने आगे कहा कि अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों का हवाला देकर जीएसटी कर को अमान्य नहीं किया जा सकता है. सर्वोच्च अदालत ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग ऑपरेटर केवल सुविधा प्रदाता या मध्यस्थ नहीं हैं, बल्कि जीएसटी के दायरे में आने वाले कार्रवाई योग्य दावों के आपूर्तिकर्ता हैं.

बरकरार रहेंगे जीएसटी नियम

सर्वोच्च अदालत ने सीजीएसटी नियमों को बरकरार रखा, जो ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म और कैसीनो के माध्यम से लगाए गए दावों के पूरे मूल्य पर जीएसटी लगाने का अधिकार देते हैं. इस विवाद के उद्योग पर काफी वित्तीय प्रभाव पड़ सकते हैं. त्रस्त्र इंटेलिजेंस महानिदेशालय ने 71 ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के खिलाफ लगभग 1.12 लाख करोड़ की टैक्स मांग उठाई थी. कानूनी विशेषज्ञों का अनुमान है कि जुर्माना और ब्याज सहित कुल देनदारी बढ़कर लगभग 2.3 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है।

5 माह से नहीं मिला पूर्ण मानदेय, घर कैसे चलाएं?

आधा अधूरा मानदेय से नही चलेगा काम, एकमुश्त किया जाए पूर्ण भुगतान, आशा-ऊषा सहयोगिनी संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाली आशा कार्यकर्ता व सहयोगिनी को पिछले 05 माह से पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,जब आशा कार्यकर्ता अपने इसी लंबित भुगतान के लिए शिकायत करती हैं, तो फिर तो उन्हें काम से निकलने की धमकियां दी जाती है। ऐसा आरोप लगाते हुए मप्र शासन आशा उषा सहयोगिनी कार्यकर्ता संगठन ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में ,उन्होंने उनकी वर्षो से लंबित मांगों को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने 5 माह का बकाया एकमुश्त मानदेय देने सहित अन्य मांगे पूरी न होने पर बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में संगठन के बैनर तले काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

ब्याज पर कर्ज उठाकर चलाना पड़ रहा काम

सौपे गए इस ज्ञापन के दौरान आशा कार्यकर्ता संघ से जुड़े पदाधिकारियो ने बताया कि बालाघाट जिले में आशा कार्यकर्ता शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।लेकिन मानदेय सहित अन्य मामलों में उन्हें तरह-तरह से परेशान व प्रताडि़त किया जा रहा है। उनकी मांगे भी पूरी नहीं की जा रही है।यहां तक कोई इमरजेंसी पड़ने पर भी उन्हें भुगतान नही किया गया। वही दबाव बनाकर काम लिया जा रहा है,जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हो चुकी है।उन्होंने बताया कि समय पर पूर्ण मानदेय न मिलने के चलते उन्हें भारी ब्याज पर कर्ज उठाना पड़ रहा है लेकिन उस कर्ज को चुकाने के लिए भी उन्हें परेशानी हो रही है।अब तो कर्ज देने वालों ने भी उन्हें कर्ज देना बंद कर दिया है। बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च सहित अन्य आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए वे पाई पाई को मोहताज हो गई है। बावजूद इसके भी उन्हें पिछले 5 माह से पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।

नवंबर- दिसंबर से नहीं मिला पूर्ण मानदेय, घर कैसे चलाएं

आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्हें नवंबर- दिसंबर से अब तक के पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, हर माह आधा अधूरा भुगतान किया जा रहा है।हर माह किए जा रहे कार्यों की आंशिक राशि ही उनके खातों में जमा की जाती है, जबकि बची हुई राशि का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा है।आशा बहनों ने इस बचत राशि की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए हैं। आशा कार्यकर्ताओं ने बकाया भुगतान कराने की प्रमुख मांग को लेकर सौपे गए इस ज्ञापन में विभिन्न कार्यो का भुगतान करने सहित अन्य लंबित मांगो को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।आशा कार्यकर्ताओं के अनुसार उनसे गर्भवती महिला का कार्य या अन्य सभी कार्य किए गए है लेकिन उनका भुगतान सरकार के द्वारा नहीं किया गया। इसके अलावा ऐसे अन्य कार्य हैं जिनका भुगतान शासन द्वारा नहीं किया गया है। इसके अलावा आशा बहनों से शासन प्रशासन के सभी प्रकार के काम जैसे टीवी कास्ट, हेड काउंटर सर्वे, घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड जैसे कार्य कराए जा रहे हैं लेकिन उनका पैसा नहीं दिया जा रहा है। भुगतान न मिलने के चलते उन्हें अपने परिवार का पालन पोषण करने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने जल्द से जल्द संपूर्ण राशि का एकमुश्त तत्काल भुगतान किए जाने की मांग की है।

कड़ी धूप में कराया जा रहा सर्वे,जारी हो रहे नोटिस

ज्ञापन में आशा बहनों ने बताया कि कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार और आयुष कार्ड बनाने का कार्य किया गया, इसके अलावा कोई भी काम हो आशा बहनों को सर्वे के लिव कड़ी धूप में भेजा जा रहा है। लेकिन कई मामलों में निर्धारित प्रोत्साहन राशि अब तक नहीं मिली है। निजी अस्पतालों में प्रसव कराने वाले मामलों में कार्यकर्ताओं को मिलने वाली राशि का भुगतान भी लंबित है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वर्ष 2025 में कई मामलों में भुगतान नहीं किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।संगठन पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि आशा, ऊषा एवं आशा सहयोगिनी कार्यकर्ताओं की सभी लंबित समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए तथा मानदेय और प्रोत्साहन राशि का नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में आशा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि एक तो पूर्ण मानदेय नहीं मिल रहा है ऊपर से अधिकारी लोग नोटिस जारी करके काम से निकालने की धमकी दे रहे हैं। जिससे बहने काफी परेशान हो चुकी हैं।

अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल ही अंतिम विकल्प- अनीता जमुनपाने

आशा बहनों ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए, मानदेय सहित अन्य मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने मांग पूरी ना होने पर काम बंद हड़ताल की चेतावनी दी है। चर्चा के दौरान आशा-ऊषा सहयोगिनी संगठन जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता जामुनपाने, और आशा पर्यवेक्षक एंव कटंगी ब्लाक अध्यक्ष श्रीमती रेखांजली ठाकुर, ने संयुक्त रूप से बताया कि लगातार चार-पांच महीने से पूर्ण मानदेय न मिलने के कारण आशा,उषा व, पर्यवेक्षक बहनें कर्ज लेकर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं, लेकिन अब लोग उधार देने में भी हिचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर माह उन्हें पूरा मानदेय समय पर मिलना चाहिए, लेकिन कई बार आधा ही भुगतान किया जाता है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द हमारी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, और मानदेय सहित अन्य मांगे जल्द से जल्द पूरी नहीं की गई तो बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में काम बंद कर,संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्शन में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बालाघाट श्री ईशान डेंगुला ने छात्र-छात्राओं को न्यायिक प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनका संरक्षण योजना-2015 के विभिन्न प्रावधानों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता योजना तथा भारतीय संविधान में वर्णित मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्यों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने जागृति योजना 2025 अंतर्गत संचालित सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य अभियान के बारे में जानकारी देते हुए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट), दहेज प्रतिषेध अधिनियम तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजना के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की सलाह दी। शिविर में महाविद्यालय के अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता बढ़ाना एवं उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाना रहा।

जबलपुर में 18 जून को होगी पूर्व सैनिकों की राज्य स्तरीय रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूर्व सैनिकों की राज्य स्तरीय रैली 18 जून को जबलपुर में आयोजित की जायेगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवा सेवा निवृत्त ग्रुप कैप्टन अमिताभ रावत से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व सैनिकों, सैनिकों की विधवा एवं वीर नारियों के हित में आयोजित की जा रही यह रैली 1 एसटीसी के पास बत्रा ऑडिटोरियम में सुबह 9.45 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा सभी पूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं वीर नारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने पहचान पत्र के साथ रैली में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं।

कार्यालय,कृषि उपज मण्डी समिति लालबर्रा जिला–बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक / मंडी / निर्माण / 2026–27 / 138 — लालबर्रा दिनांक 27 / 05 / 2026

सर्व संबंधितो को सूचित किया जाता है कि म0 प्र0 कृषि उपज मंडी (मंडी समिति/बोर्ड की भूमि एवं संरचना का आवंटन) नियम 2009 के तहत निर्धारित शर्तो के अधीन कृषि उपज मण्डी समिति **लालबर्रा** के **शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मुख्य मंडी प्रांगण , लालबर्रा** में निम्नलिखित विवरण अनुसार विद्यमान संरचनाओं को 30 वर्ष की कालावधि हेतु अनुज्ञप्ति पर आवंटन हेतु मोहर बंद लिफाफे में प्रस्थापनायें (ऑफर) **केवल रजिस्टर्ड डाक/स्पीडपोस्ट** से **दिनांक 23/06/2026 समय सायंकाल 5:30 बजे तक कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा, अतिरिक्त मंडी प्रांगण बकोडा, लालबर्रा जिला बालाघाट** में आमंत्रित की जाती हैं।

- निर्धारित आवेदन (प्रस्थापना प्रपत्र) एवं विस्तृत शर्ते दिनांक **19/ 06/2026** तक कार्य दिवसों में **समय प्रातः 11:00 बजे से सायंकाल 05:00 बजे** तक कृषि उपज मण्डी समिति **लालबर्रा** , बालाघाट के अस्थाई कार्यालय **पता:– दुकान क्रमांक 06, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मुख्य मंडी प्रांगण , लालबर्रा जिला–बालाघाट** मे रूपये 5000/–(पांच हजार रूपये) जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।
- धरोहर (अग्रिम राशि) दिनांक **20/ 06/2026** तक जमा की जा सकेगी।
- प्राप्त प्रस्थापनायें (ऑफर) दिनांक **24/06/2026** को **कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति लालबर्रा , अतिरिक्त मंडी प्रांगण बकोडा लालबर्रा जिला बालाघाट** मे गठित समिति के समक्ष **समय 12:00 बजे** दोपहर मे खोली जावेगी।

क्र.	दुकान/ संरचना का प्रकार	साईज (वर्ग मीटर)	कुल संख्या	कमांक	अजा/अजजा हेतु आरक्षित		निर्धारित अपसेट कीमत प्रति नग	अग्रिम धन (धरोहर) की राशि अपसेट कीमत का 10%
					संख्या	क्रमांक		
01	02	03		04	05	06	07	08
				भू–तल				
1	ग्रुप A	15.18	18	1,7,8,9,10,12,13,14, 15,16,17,18,19,22, 23,24,36,37	02	15,12	535505.00	53600.00
2	ग्रुप B	17.82	5	3,4,5,20,21	01	3	628636.00	62900.00
3	ग्रुप C	13.80	3	28,29,30		-	486823.00	48700.00
4	ग्रुप D	14.26	11	2,6,11,25,26,27, 31,32,33, 34,35	01	2	503050.00	50300.00
				प्रथम तल				
1	ग्रुप A	15.18	18	1,7,8,9,10,12,13,14, 15,16,17, 18,19,22, 23,24,34,35	02	16,13	508730.00	50900.00
2	ग्रुप B	17.82	5	3,4,5,20,21	01	5	597204.00	59700.00
3	ग्रुप C	13.80	3	27,28,29		-	462481.00	46200.00
4	ग्रुप D	14.26	9	2,6,11,25,26,30, 31,32,33	01	33	477898.00	47800.00

प्रमुख शर्तेः –

1. अग्रिम धन(धरोहर राशि) बैंक ड्राफट या बैंकर्स चैक के रूप मे **सचिव, कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा** के नाम जमा किया जा सकेगा। जिसके लिये भुगतान कर्ता को मंडी समिति की ओर से एक रसीदजारी की जावेगी।
2. बिना धरोहर राशि (अग्रिम राशि) जमा की गई प्रस्थापनायें (ऑफर) मान्य नही होगी।
3. ओव्हर राईटिंग एवं सशर्त प्रस्थापनायें (आफर) स्वीकार नही की जावेगी।
4. **मोहर बंद प्रस्थापनाये (आफर) केवल रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही जमा की जा सकेगी।**
5. विस्तृत नियम एवं शर्ते दिनांक **19/06/2026** तक कार्य दिवसों में कृषि उपज मण्डी समिति **लालबर्रा** बालाघाट के अस्थाई कार्यालय **पता:– दुकान क्रमांक 06, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मुख्य मंडी प्रांगण , लालबर्रा जिला– बालाघाट** से ज्ञात की जा सकती है।
6. देय वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस पर शासन द्वारा निर्धारित जी0एस0टी0 पृथक से देय होगा।
7. प्रत्येक दुकान के कालम न. 08 में दर्शित अपसेट कीमत के उपर के ही प्रस्थापना (ऑफर) स्वीकार की जावेगी।
8. दुकानो की वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस 20 रूपये प्रतिवर्ग मीटर होगा, जिसे प्रतिवर्ष अग्रिम धनराशि के रूप में जमा करना होगा।
9. आरक्षित **दुकानों** हेतु अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
10. यदि आरक्षित दुकानों के आवंटन के लिए अनुसुचित जाति या अनुसुचित जनजाति से संबंधित कोई व्यक्ति भाग नही लेता है तो ऐसी संरचनाओं को अनारक्षित माना जाकर नीलामी की जावेगी।
11. **अग्रिम धन (धरोहर राशि)** जमा करने वाले व्यक्ति को प्रस्थापनायें (आफर) खोले जाने के दिनांक को समक्ष में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा
जिला–बालाघाट म0प्र0

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा
जिला–बालाघाट म0प्र0

In The Court Of ManishKumar Singh, I Civil Judge
Senior Division, District Court, Balaghat
Presiding Officer : मनीष कुमार सिंह
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा ३७२ भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000018/2026)
श्रीमती चनइबाइ जामरे .... आवेदक
Vs
महेश जारमे .... अनावेदक

Process Id - / 2026
पेशी दिनांक:- १५/०६/२०२६

प्रेषिती-
(१) सर्व साधारण आम जनता पता-आम जनता
(२) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती चनइबाइ जामरे पता निवासी वार्ड नंबर ४ सुरवाही पोस्ट धनसुआ जिला बालाघाट ने मृतक स्व. मानकलाल जामरे निवासी वार्ड नंबर ४ सुरवाही पोस्ट धनसुआ जिला बालाघाट की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा के खाता क्रमांक १९२००१२३४३५५ में राशि २३४३९/- राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक १५ जून २०२६ को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक १५ जून २०२६ को न्यायालय में स्वयं अथव अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तरीख ११ मई २०२६ को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश
मनीष कुमार सिंह
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश,
वरिष्ठ खण्ड बालाघाट (म.प्र)

कृपया ध्यान दें:-
१. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

आवश्यकता है
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवक-02 पद, वेतन-10,000+
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवती-02 पद, वेतन-7,000+
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

1 जून से खुलेंगे जिले के स्कूल, पहले चरण में शिक्षकों की रहेगी उपस्थिति

16 जून से शुरू होगा छात्रों का नया शैक्षणिक सत्र, विभाग ने जारी किया आदेश

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बीच शिक्षा विभाग ने जिले में स्कूल खोले जाने को लेकर आदेश जारी कर दिया है। विभागीय आदेश के अनुसार जिले के शासकीय स्कूल 1 जून से खोल दिए जाएंगे। हालांकि शुरुआती 15 दिनों तक केवल शिक्षकों की उपस्थिति रहेगी, जबकि छात्र-छात्राओं के लिए नया शैक्षणिक सत्र 16 जून से प्रारंभ होगा। विभाग द्वारा जारी आदेश में शिक्षकों के लिए सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक स्कूल में उपस्थित रहना अनिवार्य किया गया है। इस दौरान शिक्षकों को स्कूलों में लंबित प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों को पूरा करना होगा। बताया जा रहा है कि नए शिक्षा सत्र की तैयारी, रिकॉर्ड संधारण, विद्यार्थियों की नामांकन प्रक्रिया, पुस्तक वितरण, विद्यालय की साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर यह निर्णय लिया गया है।

सोशल मीडिया पर भी शिक्षा विभाग का यह आदेश तेजी से वायरल हो रहा है। आदेश सामने आने के बाद शिक्षक वर्ग और अभिभावकों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। कई लोग विभाग के निर्णय को नए सत्र की तैयारियों के लिए आवश्यक बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग भीषण गर्मी के बीच स्कूल खोले जाने को लेकर चिंता भी जता रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वर्तमान में जिले सहित पूरे प्रदेश में तेज गर्मी का दौर जारी है। दोपहर के समय तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षकों को नियमित रूप से स्कूल पहुंचने के निर्देश दिए जाने को लेकर भी चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि विभाग का कहना है कि फिलहाल केवल शिक्षकों की उपस्थिति रहेगी और विद्यार्थियों को 16 जून से स्कूल बुलाया जाएगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि नए शिक्षा सत्र के पहले स्कूलों में कई आवश्यक कार्य लंबित रहते हैं, जिन्हें समय रहते पूरा करना जरूरी होता है। इसी उद्देश्य से शिक्षकों को पहले बुलाया गया है ताकि विद्यार्थियों के आने तक स्कूलों की सभी व्यवस्थाएं पूरी की जा सकें। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इस अवधि में स्कूलों में साफ-सफाई, फर्नीचर व्यवस्था, पेयजल, मध्यान्ह भोजन, पाठ्यपुस्तक वितरण और नामांकन जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही शिक्षकों को नए सत्र की शैक्षणिक योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि भीषण गर्मी के बीच विभागीय व्यवस्था किस प्रकार संचालित होगी और 16 जून से विद्यार्थियों की उपस्थिति के साथ स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र किस तरह शुरू किया जाएगा।

शासकीय जमीन खाली कराने पहुंचा प्रशासन, आकाशवाणी क्षेत्र में वार्डवासियों का विरोध

जेसीबी और भारी पुलिस बल के साथ पहुंची टीम, लोगों ने मांगा मुआवजा और जमीन के बदले जमी, एसडीएम ने दी अंतिम मोहलत, अगली कार्रवाई में बुलडोजर चलाने की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के आकाशवाणी और वेटरिनरी कॉलोनी क्षेत्र में शासकीय भूमि पर बने मकानों को खाली कराने पहुंची जिला प्रशासन की टीम को बुधवार को विरोध का सामना करना पड़ा। प्रशासन जेसीबी मशीन और भारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचा था, लेकिन वार्डवासी अपने-अपने घरों के सामने खड़े हो गए और मकान खाली करने से साफ इनकार कर दिया। इस दौरान क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। कुछ लोगों का कहना था कि प्रशासन पहले उन्हें जमीन के बदले जमीन और टूटने वाले मकानों का उचित मुआवजा दे, उसके बाद ही वे मकान खाली करेंगे। वहीं कई परिवारों ने यहां से हटने से ही मना कर दिया। प्रशासन और वार्डवासियों के बीच काफी देर तक समझाइश और बहस का दौर चलता रहा। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने लोगों को बताया कि शासकीय भूमि खाली कराने को लेकर पहले भी कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल कार्रवाई रोकते हुए वार्डवासियों को मकान खाली करने के लिए कुछ दिनों की अंतिम मोहलत दी। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया कि अगली बार टीम सीधे बुलडोजर कार्रवाई के लिए पहुंचेगी और यदि किसी ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई या विवाद किया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई की सूचना मिलते ही क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे, जिससे आकाशवाणी इलाके में काफी देर तक भीड़भाड़ और तनाव का माहौल बना रहा।

शहर के आकाशवाणी वार्ड क्रमांक 23 में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम को बुधवार सुबह भारी विरोध का सामना करना पड़ा। तहसील कार्यालय निर्माण और अन्य शासकीय उपयोग के लिए चिन्हित भूमि को खाली कराने प्रशासनिक अमला पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंचा, लेकिन वार्डवासियों ने मकान खाली करने से साफ इनकार कर दिया। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ लोगों ने अपने घरों के सामने बुजुर्ग महिलाओं को लिटाकर कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, आकाशवाणी वार्ड क्रमांक 23 और वेटरिनरी कॉलोनी क्षेत्र में बीते कई वर्षों से कुछ परिवार शासकीय भूमि पर कच्चे और पक्के मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा इस भूमि पर तहसील कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद यहां निवासरत लगभग 62 परिवारों को नोटिस जारी कर भूमि खाली करने के निर्देश दिए गए थे। बुधवार सुबह लगभग 10 बजे एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी, तहसीलदार सुनील वर्मा, राजस्व विभाग की टीम, नगर पालिका अमला और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। प्रशासनिक टीम के साथ जेसीबी मशीनें भी मौजूद थीं, जिन्हें देखकर वार्डवासियों में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि यदि शासन उन्हें यहां से हटाना चाहता है तो पहले उन्हें जमीन के बदले जमीन उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिनके मकान तोड़े जाएंगे, उन्हें उचित मुआवजा भी दिया जाए। वार्डवासियों का कहना था कि वे कई दिनों से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्या बता रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कार्रवाई के दौरान जैसे ही जेसीबी आगे बढ़ी, कुछ महिलाओं और परिजनों ने अपने घरों के सामने बुजुर्ग महिलाओं को लिटा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। भीषण गर्मी के बीच महिलाएं अपने मकानों को बचाने की मांग पर अड़ी रहीं। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वार्डवासी अपनी मांगों पर डटे रहे। इस दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने सख्त लहजे में वार्डवासियों से कहा कि शासकीय भूमि को हर हाल में खाली कराया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी ने सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग आर्थिक रूप से संपन्न होने के बावजूद भी शासकीय भूमि पर कब्जा किए हुए हैं। प्रशासन जल्द ही पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराएगा और इसके बाद भी यदि कोई अवैध कब्जा करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कुछ घंटों तक चली बहस और विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने फिलहाल वार्डवासियों को मकान खाली करने के लिए कुछ और समय दे दिया। इसके बाद प्रशासनिक टीम वापस लौट गई, लेकिन क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। वार्डवासियों का कहना है कि वे यहां से हटने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर वे जाएंगे कहां। कई परिवारों ने बताया कि उनके पास रहने के लिए कोई दूसरा स्थान नहीं है और वे वर्षों से यहां रह रहे हैं। लोगों ने जनप्रतिनिधियों पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि चुनाव के समय सभी नेता क्षेत्र में आते हैं, लेकिन आज उनकी समस्या सुनने कोई सामने नहीं आ रहा। कुछ परिवारों ने स्वेच्छा से पहले ही अपने मकान खाली कर सामान हटा लिया है, लेकिन जिन लोगों के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, वे अब भी अपने घरों में रह रहे हैं। कई लोगों ने साफ शब्दों में कहा कि चाहे प्रशासन उनके मकान तोड़ दे, लेकिन वे अपना घर छोड़कर नहीं जाएंगे।

कीटनाशक के सेवन से युवक की उपचार के दौरान मौत

परिजनों ने चिकित्सक पर लगाया उपचार में लापरवाही का आरोप ,सिविल सर्जन ने नकारा, पीएम के बाद सौपा गया शव, जाच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक का सेवन करने से अस्वस्थ हुए एक युवक की लंबे समय तक चले उपचार के दौरान मौत हो गई,मृतक का नाम ग्रामीण थाना नवेगांव ग्राम पंचायत धापेवाडा विश्रामपुर निवासी 21 वर्षीय प्रिंस पिता नरेंद्र लिल्हारे बताया गया है। जिनके शव का बुधवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है, तो वही मार्ग डायरी के आधार पर संबंधित थाना पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि युवक ने कीटनाशक का सेवन क्यों किया था फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है।लेकिन युवक द्वारा चूहामार का सेवन करना बताया गया है।

16 मई को अज्ञात कारणों के चलते कीटनाशक का किया था सेवन

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रिंस लिल्हारे, पढ़ाई छोड़कर घर के ट्रैक्टर जेसीबी का मैनेजमेंट संभाल रहा था, बताया गया की 16 मई को अज्ञात कारणों के चलते प्रिंस ने कीटनाशक का सेवन कर लिया जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर उसने अपनी माँ देवकी बाई को कीटनाशक का सेवन करने की बात बताई और उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए कहा,प्रिंस की सूचना पर उनके परिजनों द्वारा उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। जहा 2 दिन चले उपचार के बाद स्वास्थ हुए बिना ही, प्रिंस के आग्रह पर 18 मई को ही उसे

चिकित्सकों ने डिस्चार्ज कर दिया।जिस पर परिजन, प्रिंस को लेकर वापस अपने घर चले गए। जिसकी 19 मई को पुनः तबीयत खराब हो गई। जिनके परिजनों ने उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां तीन दिनों तक चले उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए 22 मई को निजी अस्पताल नागपुर रेफर कर दिया।जहां 2 दिनों युवक का एम्स अस्पताल में उपचार चला। वहां भी उसकी हालत में सुधार न आने पर उनके परिजनों ने नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां 2 दिनों तक उनका उपचार चला।अंत मे वहां के चिकित्सकों ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए, जहां के चिकित्सकों ने शरीर में इंफेक्शन फैलने की बात कहते हुए युवक को वापस घर ले जाकर सेवा करने की बात कहीं, जिस पर परिजनों ने 25 मई को उसे पुन: जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां 26 मई की रात उपचार के दौरान युवक दम तोड़ दिया।

परिजनों ने चिकित्सक पर लगाया उपचार में लापरवाही का आरोप

इस पूरे मामले में मृतक के परिजनों ने जिला अस्पताल के चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया है,आमगांव निवासी मृतक के परिजन अजय लिल्हारे ने बताया कि, ऐसे केस में अक्सर 72 से 76 घंटे वेट एंड वॉच की स्थिति रहती है लेकिन जिला अस्पताल के चिकित्सक ने महज 30-40 घंटे में ही परिजनों से पूछे बिना ही प्रिंस को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया।परिजनों का आरोप है कि प्रिंस की तबियत नही सुधरी थी,उन्होंने डिस्चार्ज करने से मना किया था, लेकिन चिकित्सक ने प्रिंस के कहने पर आकर उसे डिस्चार्ज कर दिया।यदि समय पर जिला अस्पताल में ही सही उपचार मिल जाता तो उन्हें प्रिंस को लेकर उपचार के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता और उसकी मृत्यु भी हुई नहीं होती।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर मंगलवार रात चिकित्सकों से मार्ग जानकारी मिलने पर,अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया, जहां रात अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिसे पीएम के लिए अस्पताल मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। बुधवार की सुबह अस्पताल चौकी पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले कि आगामी कार्यवाही के लिए डायरी संबंधित थाना पहुंचाई है, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मना करने के बाद भी परिजन अपनी मर्जी प्रिंस को लेकर घर गए थे- जैन

इस पूरे मामले में सिविल सर्जन ने परिजनों के आरोपो का खंडन किया है।दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सिविल सर्जन निलय जैन ने बताया कि दो दिन के उपचार के बाद परिजन, प्रिंस लिल्हारे को अपनी मर्जी से घर ले गए थे। डॉक्टरों ने परिजनों को उसकी हालत गंभीर होने की जानकारी दी थी।लेकिन वे नही माने, नागपुर से वापस लाए जाने पर पता चला कि उसके शरीर में रेड किलिंग पाउडर का जहर काफी फैल चुका था, जिससे उसकी मौत हो गई।उन्होंने आगे बताया कि, यह कोई पहला मामला नहीं है। ऐसे कई प्रकरण सामने आते हैं, जब मरीज या उनके परिजन बिना बताए या अपनी मर्जी से अस्पताल से छुट्टी कराकर चले जाते हैं।बाद में कुछ होने पर आरोप प्रत्यारोप लगाते है।

ईद उल अजहा का पर्व आज, ईदगाह में अदा की जाएगी विशेष नमाज

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने जारी किये दिशा निर्देश

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। अल्लाह के पैगंबर हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाला ईद उल अजहा का पर्व गुरुवार को देश सहित सम्पूर्ण बालाघाट जिले में पूर्ण अकीदत के साथ मनाया जायेगा।कुर्बानी के इस खास पर्व ईद उल अजहा को लेकर नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले में मुस्लिम धर्मालंबियों द्वारा पर्व विशेष की तैयारिया पुर्ण कर ली गई है।जहा इस पर्व पर घर- घर बकरों की कुर्बानी की जायेगी।जिसके गोश्त को गरीबो रिश्तेदारो में बाटा जाएगा। इस पर्व पर अदा की जाने वाली विशेष नमाज, पुलिस लाइन स्थित ईदगाह में सुबह 7 बजे अदा होगी, जबकि दूसरी नमाज मस्जिद आला हजरत जामेआ नूरिया में सुबह 7:45 बजे आयोजित होगी। अंजुमन कमेटी ने समाजजनों से तय समय पर नमाज स्थल पहुंचने की अपील की है।

मुस्लिम बहुल इलाकों की बढ़ी रौनके

ईद उल अजहा के इस प्रमुख पर्व को लेकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में खासी रौनक देखी जा रही है। जहां घरो-घर कुर्बानी को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जहां घरों की साफ-सफाई कर रंग रोगन लगाकर विशेष रुप से घरों को सजाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।इस पर्व को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों में देखा जा रहा है जो ईद उल अजहा के खास मौके पर फर्ज और वाजिब नमाज अदा करने, कुर्बानी का गोश्त गरीबों में तक्सीम करने, नए कपड़े पहनने और तरह-तरह के पकवानों का सेवन कर विभिन्न धार्मिक व मनोरंजक जगहों में जाकर सैर सपाटा करने को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं।जिसकी योजना भी बच्चों ने अपने परिवार के साथ मिलकर बना ली है। अब पूरे मुस्लिम समाज को गुरुवार की सुबह का इंतजार है। क्योंकि सुबह होते ही ईद उल अजहा का पर्व शुरू हो जाएगा जो तीन दिनों तक जारी रहेगा।

सोशल मीडिया पर बधाई का दौर जारी

ईद उल अजहा के इस पर्व को लेकर पिछले चार-पांच दिनों से सोशल मीडिया पर बधाई देने का दौर बदस्तूर जारी है जहां लोग अपने रिश्तेदार सगे संबंधी दोस्तों सहित जान पहचान वालों को ईद उल अजहा की मुबारकबाद प्रेषित कर रहे हैं। इस पर्व विशेष को लेकर सोशल मीडिया के व्हाट्सएप प्लेटफार्म का सबसे ज्यादा उपयोग किया जा रहा है वही व्हाट्सएप के अलावा फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, जीमेल, ईमेल, टेक्स्ट मैसेज सहित अन्य प्रकार के प्लेटफार्म का उपयोग कर लोग ईद उल अजहा से जुड़े फोटो, वीडियो, हदीस ,टैक्स मैसेज सहित पर्व से जुड़ी विभिन्न जानकारियां एक दूसरे के साथ साझा कर रहे हैं।वहीं इस पर्व कि एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक मैसेज फोटो वीडियो टैक्स आदि ना भेजने की जानकारी भी जमकर फारवर्ड की जा रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सामाजिक सद्भाव के साथ मनाए पर्व, गरीबों का रखे विशेष ध्यान- फारुख

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने कुर्बानी को लेकर विशेष सावधानी और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया है।सदर मो फारुख ने पर्व विशेष को लेकर दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कुर्बानी अपने बंद आंगन में की जाए तथा गैर मुस्लिम क्षेत्रों की सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी से बचा जाए। इसके अलावा कुर्बानी के वीडियो, फोटो और ऑडियो सोशल मीडिया पर साझा न करने की भी अपील की है, ताकि किसी प्रकार की सामाजिक असहजता उत्पन्न न हो।कमेटी ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए कुर्बानी के बाद पशु अवशेषों का उचित निस्तारण करने, अनुपयोगी वस्तुओं को सुरक्षित दफनाने की व्यवस्था अपनाने को कहा गया है।उन्होंने पुलिस व नपा प्रशासन से पर्व विशेष पर उचित व्यवस्था बनाने और सहयोग की अपील करते हुए सभी नागरिकों से आपसी भाईचारे, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव के साथ पर्व मनाने की बात कही है।

कुएं की जर्जर घिरनी टूटी, पानी भरते समय किशोरी कुएं में गिरने से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के ग्राम चरेगांव में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। कुएं से पानी खींचते समय एक किशोरी रस्सा बाल्टी सहित कुएं में गिरने से घायल हो गई। घायल किशोरी स्वाति पिता निगम धुर्वे 17 वर्ष ग्राम चरेगाव निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चरेगांव निवासी निगम धुर्वे अपने परिवार के साथ मजदूरी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी और एक बेटा है। बड़ी बेटी स्वाति धुर्वे इसी वर्ष कक्षा दसवीं उत्तीर्ण होकर 11वीं में पहुंची है। यह भी बताया गया है कि निगम धुर्वे के घर के कुछ दूरी पर शासकीय कुआं है। गांव के लोग निस्तार के लिए पानी लेते हैं। यह भी बताया गया है कि इस कुएं में पानी निकालने के लिए लगाई गई घिरनी के दोनों साइड के एंगल जंग लगने के कारण काफी खराब हो चुके थे। इसके बावजूद भी गांव के लोग पानी यहीं से निकलते थे। रोज की तरह 27 मई को सुबह 9:30 स्वाति धुर्वे रस्सी बाल्टी लेकर इस शासकीय कुएं में पानी लेने के लिए गई थी जैसे ही स्वाति धुर्वे ने घिरनी से कुएं के अंदर रस्सा बाल्टी डाली और पानी से भरी बाल्टी घिरनी से ऊपर खींच रही थी। तभी अचानक लोहे के एंगल टूट गए। जिससे स्वाति धुर्वे का संतुलन बिगड़ गया और वह रस्सा बाल्टी सहित कुएं के अंदर जा गिरी। उस समय कुछ लोग पास में ही थे जिनके चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के अलावा स्वाति के परिवार के लोग दौड़े और खटिया रस्सी से बांधकर कुएं में डालें और स्वाति को बाहर निकले और उसे चरेगाव ही अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

खिलाड़ियों ने खेल स्टेडियम की साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

देखरेख के अभाव में खंडहर हो रहा लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लाखों रूपये की लागत से खेल को बढ़ावा देने और स्थानीय खिलाड़ियों को सर्वसुविधा युक्त मैदान उपलब्ध करवाने की मंशा से बनाया गया खेल स्टेडियम आज खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। नगर मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत पनबिहरी के आगे चिचगांव मार्ग पर स्थित खेल स्टेडियम देखरेख के अभाव में पूरी तरह खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। प्रशासनिक उदासीनता के कारण जिस मैदान से खेल प्रतिभाएं निखरनी थीं। वह अब असामाजिक तत्वों और झाड़ियों का अड्डा बन चुका है। इस तरह से विगत वर्ष करीब ५० लाख रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम देख-रेख के अभाव में खंडहर होने की कगार पर है और जिस मंशा से बनाया गया है उसका लाभ क्षेत्र के खिलाड़ियों को नही मिल पा रहा है। जिसके कारण यह लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम औचित्यहीन साबित हो रहा है। खिलाड़ी एवं ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से पनबिहरी में बने खेल स्टेडियम में उगी झाडियों व गंदगी की सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम सुरक्षित रह सके और खिलाडियों को उसका लाभ मिल सके।

मैदान में गड्ढे और झाड़ियां, टूटीं हुई है टाइल्स

आपकों बता दे कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए विगत वर्ष पूर्व नगर मुख्यालय से करीब २ किमी दूर सर्राटी नदी के समीप पनबिहरी के आगे चिचगांव पहुंच पर करीब ५० लाख रूपयों की लागत

से खेल स्टेडियम का निर्माण किया गया है। लेकिन नगर मुख्यालय से काफी दुर होने के कारण इस खेल मैदान का खिलाड़ियों को लाभ नही मिल पा रहा है। किन्तु नगर में सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान नही होने के कारण कुछ खिलाड़ी क्रिकेट खेलने जाते है। लेकिन वर्तमान में देख-रेख के अभाव में लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम खंडहर में तब्दील होने लगा है। यानि की स्टेडियम की जमीनी हकीकत बेहद दयनीय है। रख-रखाव न होने के कारण पूरे परिसर में बड़ी-बड़ी कटीली झाड़ियां उग आई हैं। मैदान में जगह-जगह गड्ढे हो चुके हैं, जिससे खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा हर समय बना रहता है। स्टेडियम के भवन की हालत भी जर्जर है, वहां लगी टाइल्स टूट-फूट चुकी हैं और खिड़की-दरवाजे भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। लाखों रूपये का यह सरकारी प्रोजेक्ट सरकारी तंत्र की लापरवाही की वजह से कबाड़ में तब्दील होने की कगार पर है। वहीं कुछ खिलाड़ियों का कहना है कि यहां अभ्यास करने आते हैं, लेकिन मैदान की हालत देखकर निराशा होती है। न तो यहां दौड़ने के लिए ट्रैक सही है और न ही बैठने की व्यवस्था भी नही है जिससे खिलाड़ियों को खेल का अभ्यास करने में परेशानी हो रही है।

खेल प्रतिभाओं के भविष्य पर संकट

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के बड़े-बड़े दावे तो किये जाते हैं, लेकिन पनबिहरी का यह स्टेडियम उन दावों की पोल खोल रहा है। स्थानीय युवाओं और खिलाड़ियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत करवाया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र के युवा अब खेल के अभ्यास से भी वंचित हो रहे हैं। खिलाड़ी एवं जागरूक नागरिकों ने पनबिहरी में बने खेल स्टेडियम की देख-रेख कर झाडियों की साफ- सफाई, मरम्मत कार्य, स्टेडियम की सुरक्षा के लिए चौकीदार या देखरेख की उचित व्यवस्था करवाने की मांग प्रशासन से की है।

खंडहर में तब्दील हो रहा खेल स्टेडियम - अंकित

युथ कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि शासन के द्वारा जिस उद्देश्य से खेल स्टेडियम का निर्माण नगर मुख्यालय से करीब २ किमी दूर पनबिहरी में किया गया था उसका उपयोग नही हो पा रहा है। जगह-जगह से टूट-फुट हो चुकी है, अव्यवस्था फैली हुई है और लाखों रूपयों की लागत से बना यह खेल स्टेडियम देख-रेख के अभाव में खंडहर में तब्दील होने लगा है। श्री पिपलोद ने बताया कि यही खेल स्टेडियम अगर नगर मुख्यालय में बनता तो खिलाड़ियों को खेल का अभ्यास करने में सुविधा होती, लेकिन नगर मुख्यालय से करीब दो किमी दूर निर्माण किया गया है और उसकी देख-रेख भी नही की जा रही है। जिसके कारण खिड़की, दरवाजे, टाईल्स क्षतिग्रस्त हो चुकी है, झाडिया उग आई है और जिस मंशा से बनाया गया है उसका लाभ भी खिलाड़ियों को नही मिल पा रहा है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शासन की राशियों का दुरूपयोग किया गया है। प्रशासन से मांग है कि खेल स्टेडियम की साफ-सफाई, मरम्मत एवं देख-रेख के लिए एक कर्मचारी नियुक्त करें ताकि लाखों रूपयों की लागत से बना यह स्टेडियम व्यवस्थित रहे और लोगों को उसका लाभ मिल सके।

जामा मस्जिद में ८ बजे अदा होगी ईद-उल-अजहा की नमाज आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हजरत इब्राहिम के त्याग व कुर्बानी की याद में मनाया जाने वाला पर्व ईदुल-अजहा (बकरीद) का पर्व नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा २८ मई को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर २८ मई को प्रातः ८ बजे जामा मस्जिद लालबर्रा में बकरीद की विशेष नमाज अदा की जायेगी।

तत्संबंध में जानकारी देते हुए वक्फ अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर अफसर कुरैशी ने बताया कि २८ मई को ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर २८ मई को प्रातः ८ बजे जामा मस्जिद लालबर्रा में ईद उल अजहा की नमाज अदा करवाई जायेगी। इस अवसर पर सभी मुसलमान भाईयों से समय पर पहुंचने की अपील वक्फ अंजुमन इस्लामिया कमेटी लालबर्रा के सदर अफसर कुरैशी ने की है।

रजा मस्जिद में भी प्रातः ८ बजे अदा की जायेगी नमाज

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में २८ मई को प्रातः ८ बजे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की जायेगी। तत्संबंध में जानकारी देते हुए रजा मस्जिद कमेटी अमोली के हाफिज इरशाद अहमद अशरफी ने बताया कि हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाला ईद उल अजहा का पर्व २८ मई को मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा अकीदत के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रातः ८ बजे रजा मस्जिद अमोली में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की जायेगी। इस अवसर पर मुसलमान भाईयों से समय पर पहुंचने की अपील रजा मस्जिद के हाफिज एवं अन्य पदाधिकारियों ने की है।

फलों के राजा आम की बाजार में बढ़ी आवक

जगह-जगह पर लगने लगी आम की दुकानें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। फलों के राजा आम ने बाजार में दस्तक दे दी है। आम का नाम जुबान पर आते ही लोगों के मुंह में पानी आ ही जाता है। बहुत से लोग पूरे साल आम का सीजन आने का इंतजार करते हैं और बाजार में पके आम आने के बाद उसकी खरीदी कर बड़े शौक से उसका सेवन करते है। वहीं तेज धूप व उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान होते नजर आ रहे है एवं तेज धूप के चलते कूलर, पंखे भी गर्म हवा दे रहे है। साथ ही गर्मी में पानी प्यास अधिक लगती है और शरीर में पानी की मात्रा

कम होने पर उसकी पूर्ति करने के लिए तरबूज खाना जरूरी है क्योंकि तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है। जिसके सेवन से पानी की कमी दूर हो जाती है। वहीं इस भीषण गर्मी के बीच में गर्मी के शुरूआत से ही नगर मुख्यालय के हृद्य स्थल बस स्टैण्ड, मजार के पास, मानपुर सोसायटी के पास, पांगा तालाब मोड़ाई व सब्जी मार्केट सहित अन्य स्थानों पर तरबूज की दुकानें लग रही है। वहीं आम का सीजन आते ही बाजार क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर आम की दुकानें लगने लगी है एवं बस स्टैण्ड सहित चौक-चौराहों के आसपास आम के ठेले नजर आने लगे है। जिसे देखते ही लोक आकर्षित हो रहे हैं। लेकिन महंगा होने की वजह से दाम पूछकर कुछ लोग लौट जा रहे तो कुछ खरीद भी रहे है। लेकिन वर्तमान समय में आम की बिक्री कम हो रही है। जिसका मुख्य कारण महंगा दाम को माना जा रहा है। साथ ही फलों के राजा के नाम से जाना जाने वाला फल आम की आवक धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। साथ ही एक माह तक आम फल की सीजन अच्छा रहेगा एवं व्यापारी के द्वारा बाहर से कमली, तोताफली सहित अन्य नाम के आमों की खरीदी कर लालबर्रा में विक्रय कर रहे है।

डोंकरबंदी में हवन-पूजन के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोकरबंदी में गत दिवस से जारी ९ दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का रविवार को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। इस नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्

भागवत कथा में मुख्य वाचक एवं प्रखर कथाव्यास पं. घनश्याम शुक्ला के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया गया। जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बही है और क्षेत्रीय श्रध्दालुओं ने कथा श्रवण कर पुण्यलाभ अर्जित किये। नौ दिनों तक चले इस संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में व्यास पूजन, कपिल देव व सुखदेव आगमन, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, प्रहलाद चरित्र, भगवान नरसिंह अवतार, वामन अवतार, राम अवतार तथा भगवान श्री कृष्ण का दिव्य जन्मोत्सव, भगवान श्री कृष्ण की अलौकिक बाल लीलाओं, माखन चोरी के नटखट प्रसंगों और गोवर्धन पूजा का अत्यंत मनोहारी व जीवंत वर्णन, उध्दव संवाद, रासलीला, कृष्ण विवाह, सुदामा चरित्र, द्वारिका लीला, यदोवंशीय उध्दार, गवलोक गमन, परिक्षित मोक्ष पर कथावाचक के द्वारा प्रवचन दिया गया और क्षेत्रीयजनों ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं अंतिम दिन यज्ञ पूर्णाहुति एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का समापन किया गया। इस अवसर पर कथावाचक के द्वारा सभी श्रध्दालुओं से कहा कि कथा से जो ज्ञान प्राप्त हुआ है उसे अपने जीवन में आत्मसात कर आध्यामिकता से जुड़कर एवं सत्य के बारे में चलकर बेहतर जीवन जीने एवं भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मी पर हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

घायल प्रधान आरक्षक राजेश्वर की हालत गंभीर, नागपुर में इलाज जारी, आरक्षक को आई मामूली चोटे

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम कामथी में मंगलवार शाम पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने वाले रेत माफिया के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने बेहद सख्त और त्वरित कार्यवाही की है। कर्तव्य पर तैनात प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले पर ट्रैक्टर चढ़ाकर फरार होने की कोशिश कर रहे मुख्य आरोपी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दो अन्य लोगों को भी अभिरक्षा में लेकर पुछताछ कर रही है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही कर रही है।

चालक ने पुलिसकर्मी पर चढ़ाया टैक्टर

प्राप्त जानकारी के मंगलवार शाम लालबर्रा थाने में पदस्थ आरक्षक सुशील विश्वकर्मा और प्रधान आरक्षक राजेश्वर रहांगडाले को कामथी क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की मुखबिर से सूचना मिली थी। जब पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर अवैध रेत से लदे ट्रैक्टर को रोका और साक्ष्य के तौर पर वीडियो बनाना शुरू किया। तभी पकड़े जाने के डर से आक्रोशित ट्रैक्टर चालक ने दुस्साहस दिखाते हुए प्रधान आरक्षक राजेश्वर पर सीधे ट्रैक्टर चढ़ा दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया एवं आरक्षक सुशील को मामूली चोटे आने की जानकारी सामने आई है जो बाल-बाल बच गया। वहीं पुलिसकर्मी पर रेत माफिया के द्वारा हत्या करने के प्रयास से ट्रैक्टर चढ़ा देने की जानकारी पुलिस के अधिकारियों को लगी तो पुलिसकर्मी घटना स्थल पर पहुंचे और इस जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हुए प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले

को जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हे गोंदिया रिफर किया था किन्तु वह उनकी स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हे नागपुर (महाराष्ट्र) रिफर कर दिया है। जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार जारी है। पुलिस के आला अधिकारी लगातार उनके स्वास्थ्य अपडेट पर नजर बनाये हुए हैं।

पुलिस महकमा हुआ सख्त

मंगलवार देर शाम हुई इस दुस्साहसिक वारदात को पुलिस प्रशासन ने अत्यंत गंभीरता से लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जबलपुर रेंज के आईजी ललित शाक्यवार और बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा रात में ही मोर्चा संभालते हुए जिला अस्पताल पहुंचे। आईजी और एसपी के कड़े निर्देश पर पुलिस की विशेष टीमों ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए कामथी और आसपास के इलाकों में रात भर ताबड़तोड़ दबिश दी। पुलिस के इस कड़े रूख के आगे घुटने टेकते हुए मुख्य आरोपी आकाश टेकाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही अन्य दो लोगों को भी अभिरक्षा में ले लिया गया है। जिनसे पुछताछ की जा रही है। पुलिस अब इस अवैध कारोबार के पीछे जुड़े अन्य चेहरों की तलाश में जुट गई है।

मामले की जांच कर की जायेगी वैधानिक कार्यवाही - सुनिल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि मंगलवार की शाम में दो पुलिसकर्मी ग्राम कामथी गये हुए थे तभी ट्रैक्टर में रेत भर कर ला रहे चालक ने प्रधान आरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसका नागपुर में उपचार जारी है। वहीं घटना के बाद ट्रैक्टर चालक आकाश टेकाम को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं अन्य दो लोगों को भी अभिरक्षा में लेकर पुछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच की जा रही है।

विहिप-बजरंगदल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, गौवंश तस्करी व हत्या के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व हिन्दू परिषद-गोरक्षा विभाग और बजरंगदल द्वारा बकरीद के त्योहार के मद्देनजर जिले में अवैध गौवंश तस्करी और गौहत्या की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की गई है। इस संबंध में संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि देश में गौवंश केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं, बल्कि सात्विक ऊर्जा, आर्थिक समृद्धि और आरोग्य का सबसे श्रेष्ठ स्रोत है। इसके बावजूद कुछ राज्यों में बकरीद के मौके पर गौवंश की अवैध तस्करी और हत्या की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जो कि बेहद चिंताजनक हैं।संगठन ने पत्र के माध्यम से रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कई राज्यों में गौवंश हत्या रोधी कड़े कानून होने के बावजूद पुलिस-प्रशासन के ढुलमुल रवैये, लापरवाही या मिलीभगत के कारण गौवंश के हत्यारे और तस्कर सक्रिय हैं। इसी वजह से मजबूरन गौरक्षकों को अपने प्राण संकट में डालकर सड़कों पर उतरना पड़ता है।ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि मुस्लिम उलेमाओं के गौकशी विरोधी बयानों के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में बकरीद से पहले ऐसी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इसलिए मुस्लिम समुदाय के विद्वानों, नेताओं और वरिष्ठ लोगों को भी अपने समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दू समाज गौवंश रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिज्ञाबद्ध है और किसी भी कीमत पर गौवंश की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने बकरीद पर्व से पूर्व गौवंश हत्यारों व तस्करों के विरुद्ध कठोरता से कार्रवाई करने,और पर्व के अवसर पर कुछ राज्यों में वाहनों में गौवंश को लाने-ले जाने के नियमों में दी जाने वाली छूट को पूरी तरह से बंद किए जाने की मांग की।इस दौरान मुख्य रूप से युगल किशोर भगत (जिला गोरक्षा प्रमुख, विहिप), शुभम श्रीवास (जिला संयोजक, बजरंगदल), निलेश चौधरी (जिला सहसंयोजक, बजरंगदल), विजय ठाकरे (जिला मिलन प्रमुख, बजरंगदल), बॉबी मिश्रा (नगर संयोजक, बजरंगदल), रजत श्रीवास्तव (नगर उपाध्यक्ष, विहिप) एवं धीरज द्विवेदी (नगर सहमंत्री, विहिप) सहित संगठन के अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. ०००३/ड-१५४/२०२६-२७
मौजा मोहगांव, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हुकुमचंद देशकर पिता होल्याश्रीराम देशकर जाति माली, निवासी ग्राम मोहगांव ध० , तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मोहगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता होल्याश्रीराम पिता ओखाजी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९६९ की धारा १२ (२), म.प्र. मृत्यु पंजीयन १९९९ नियम १२ (२) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक १४.०९.२००८ मृत्यु की घटना स्थल ग्राम मोहगांव ध० के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक ०५.०६.२०२६ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक २६.०५.२०२६ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - २८.०५.२०२६

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

४४ डिग्री की भीषण गर्मी में सूखे कंठ, बूंद बूंद पानी को तरस रहे राहगीर

नगर में नहीं खुले प्याऊ शो.पीस बने वाटर कूलर लोग होटलों और दुकानों में पानी के लिए मजबूर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मई के महीने में सूर्य देव के तीखे तेवरों ने समूचे क्षेत्र को भट्टी की तरह तपा दिया है। तापमान न्यूनतम २९ डिग्री से बढ़कर अधिकतम ४४ डिग्री सेल्सियस तक पहुँच चुका है। जिससे आसमान से आग बरसने का अहसास हो रहा है दोपहर १ बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और लोग उमस व इस चिलचिलाती धूप में हलाकान हो रहे हैं। इस भीषण गर्मी में जहाँ हर राहगीर को अपने सूखे कंठ तर करने के लिए ठंडे पानी की दरकार है ,वहीं स्थानीय नगर पालिका परिषद की उदासीनता के कारण लोग बूंद.बूंद पानी के लिए इधर उधर भटकने को मजबूर हैं। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अब तक मुख्य सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल प्याऊ की व्यवस्था नहीं की गई है जिससे जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जिला मुख्यालय के बाद सबसे बड़ा केंद्र फिर भी बदइंतजामी

बालाघाट जिले के बाद यदि कोई सबसे बड़ा व्यापारिक और प्रशासनिक मुख्यालय है तो वह वारासिवनी है। यहाँ प्रतिदिन आस पास के ग्रामीण अंचलों से लोग ५ से लेकर २५ किलोमीटर तक की दूरी साइकिल और मोटरसाइकिल से तय कर अपने जरूरी कार्यों के लिए पहुँचते हैं। इतनी लंबी दूरी तय कर जब ग्रामीण नगर में प्रवेश करते हैं तो उन्हें भीषण गर्मी में पीने का साफ और ठंडा पानी तक मयस्सर नहीं हो रहा है। चौराहों पर प्याऊ नही होने से राहगीर और ग्रामीण पानी की तलाश में निजी होटलों या दुकानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। कई बार दुकानदार अपनी सीमित व्यवस्थाओं के चलते पानी पिलाने से इनकार भी कर देते हैं। जिससे प्रखर धूप में लोगों को भारी शर्मिंदगी और परेशानी का सामना करना पड़ता है।

शीतल जल के बोर्ड पर आ रहा गर्म पानी वाटर कूलर पड़े बंद

नगर पालिका परिषद के दावों की पोल नगर के प्रमुख स्थलों पर साफ खुलती नजर आ रही है। नगर के बस स्टैंड , दीनदयाल चौक और चावड़ी जैसे व्यस्ततम स्थानों पर नगर पालिका के द्वारा लाखों रुपये खर्च कर स्थाई वाटर कूलर तो स्थापित किए गए हैं लेकिन वर्तमान में ये सभी बंद पड़े हुए हैं। इन वाटर कूलरों पर बड़े.बड़े अक्षरों में शीतल जल तो लिखा है लेकिन नलों से केवल गर्म या सामान्य पानी ही निकल रहा है। भीषण गर्मी में यह गर्म पानी पीने योग्य नहीं है जिसके कारण राहगीरों को जेब ढीली कर ठंडी बोतलों का सहारा लेना पड़ रहा है। मई का महीना बीतने को है और जून की और अधिक तपाने वाली गर्मी प्रारंभ होने वाली है। सूर्य की तेज किरणों के कारण लोगों के शरीरों में जलन होने लगी है और इस मौसम का सीधा असर आम जनजीवन व लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन ने अब तक नगर के प्रमुख चौकों पर सार्वजनिक प्याऊ खोलने की सुध नहीं ली है।

नगर में सार्वजनिक प्याऊ की कोई व्यवस्था नहीं है-पंकज बिसेन

राहगीर पंकज बिसेन ने बताया कि नगर में सार्वजनिक प्याऊ की कोई व्यवस्था नहीं है। शीतल पेयजल कुछ स्थानों पर लिखा हुआ है परंतु वहां गर्म पानी निकल रहा है ठंडा पानी नहीं है। दुकान होटल में हम जा रहे हैं क्योंकि कुछ स्थानों पर मशीन चालू नहीं है बस स्टैंड में भी यही स्थिति बनी हुई है दिक्कत तो हो रही है पर क्या करें। नगर पालिका को इस पर ध्यान देना चाहिए था।

दीनदयाल चौक का वाटर कूलर बंद है गर्म पानी निकलता है-अजय

बस एजेंट अजय ने बताया कि दीनदयाल चौक का वाटर कूलर बहुत दिनों से बंद पड़ा हुआ है गर्म पानी निकलता है। ठंडा पानी नहीं निकलता है यहां पर मशीन लगी हुई है यात्रियों को नल के पास आने के बाद निराशा होकर लौटना पड़ता है इधर उधर वह भटकते हैं। जैसे हम लोगों को पानी पीना होता है तो हम आसपास की दुकानों में जो मटके रखे हैं वहां जाकर पानी पीते हैं। इस मशीन को चालू करना चाहिए बस स्टैंड में भी जो मशीन लगी है वह भी बंद है बड़े अक्षर में शीतल जल लिखा है पर पानी गर्म है। हम चाहते हैं कि ठंडा पानी मिले भीषण गर्मी चल रही है।

नगर पालिका ने एक ही स्थान पर सिर्फ प्याऊ की व्यवस्था की है-तुलसीदास व्यास

पूर्व पार्षद तुलसीदास व्यास ने बताया की नगर पालिका ने एक प्याऊ तहसील कार्यालय में खोला है वहीं शिव मंदिर समिति ने दीनदयाल चौक पर प्याऊ खोला है। इसके अलावा नगर पालिका ने कहीं कोई व्यवस्था नहीं की है अभी अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि पार्षद का काम होता है प्याऊ खुलवाना हमारे समय पक्ष विपक्ष दोनों मांग करते थे और ध्यान देते थे अब कोई ध्यान नहीं दे रहा है। शहर में पानी पीने की बहुत दिक्कत है बोतल लेकर लोग इधर.उधर भटकते हैं कुछ स्थानों में मशीन बंद है गर्म पानी निकलता है। प्रशासन ध्यान नहीं देता इसका सीधा प्रमाण है अभी भी नगर पालिका ध्यान देती है तो जून का एक महीना बचा है भीषण गर्मी में लोगों को थोड़ी सुविधा तो हो जाएगी।

इनका कहना हैं

मौखिक सूचना में बताया कि नगर के कुछ स्थानों पर हमारे द्वारा मटके और वॉटर कैन के माध्यम से प्याऊ की व्यवस्था बनाई गई है। वाटर कूलर जो बंद पड़े हैं उन्हें सुधार करने का कार्य किया जा रहा है और संभावित स्थानों पर प्याऊ खोल दिया जायेगा।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

मानसून को देखते हुए विद्युत विभाग अलर्ट, बालाघाट वृत्त में बनाए गए कॉल सेंटर

उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जारी किए गए कॉल सेंटर एवं अधिकारियों के नंबर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी मानसून एवं वर्षा ऋतु के दौरान संभावित विद्युत व्यवधानों को देखते हुए म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, बालाघाट वृत्त द्वारा जिलेभर में विशेष कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं। विभाग का उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को बिना व्यवधान विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उइके ने बताया कि प्रत्येक वितरण केंद्र स्तर पर उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए कॉल सेंटर बनाये गए है और इनमें संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है। बालाघाट शहर वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807682 है तथा इसका दायित्व सहायक अभियंता श्री अंकित मार्को 9425806285 को सौपा गया है। वहीं बालाघाट शहर के दूसरे वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425820310 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता अवितार देशमुख 9425806287 को दिया गया है। इसी तरह सरेखा-1 वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648820761 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता आर.एल. बिहोने (मो. 9425806288) तथा वितरण केंद्र सरेखा-2 के कॉल सेंटर का नंबर 9525806284 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री मिथलेश उइके (मो. 9425806284) को दिया गया है। भरवेली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425820078 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता कुमारी सुभाष नाग (मो. 9425820078), हट्टा केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9406550054 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता बिरजू उइके (मो. 9425820230), रजेगांव वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9525807686 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री जॉर्ज वर्गीस (मो. 9425806293) तथा किरनापुर वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425806254 है तथा अभियंता संदीप सहारे (मो. 9425806254) को प्रभारी बनाया गया है। भानेगांव वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9584694068 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता दामेंद्र कुचे (मो. 9425806292), लांजी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807697 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री ललित मार्को (मो. 9425806291), कारंजा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9511286460 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री विजयजीत शर्मा (मो. 9425806244) को सौपा गया है। अमोली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 6269846358 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री विनीत कुमार टेकाम (मो. 9425806297), बोनकट्टा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री विनीत कुमार बिसेन (मो. 9425806361) तथा कंटगी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री शरीफवाला (मो. 9425806296) को सौपा गया है। खैरलांजी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648820743 है तथा इसका प्रभार श्री प्रमोद लिल्हारे (मो. 9425806301), लालबर्रा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807915 है इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री सरफराज कुरैशी (मो. 9425805472), रामपायली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 8305607487 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री निखिल मुखदेव (मो. 9425807870), सांवगी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807855 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री मयूर बिसेन (मो. 9425805466), तिरोड़ी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार परमेश्वर लिल्हारे (मो. 9425808071) तथा उमरी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री प्रेरणा हरिनखेडे (मो. 9425806357) को सौपा गया है। वारासिवनी शहर क्षेत्र में वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807855 है तथा इसका प्रभार सहायक अभियंता राहुल तुरकर (मो. 9425806299), डोंगरमाली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425806303 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार ठाकरे (मो. 9425806303), कोचेवाही वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता बबीता उइके (मो. 9425806157) , बैहर वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808074 है तथा इसका प्रभार सहायक अभियंता ए.के. पटले (मो. 9425806306), मोहगांव वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648821018 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता कोपसिंह मेरावी (मो. 9425806308) तथा लामता वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648820996 है तथा इसका प्रभारी कनिष्ठ अभियंता ए.के. गुप्ता (मो. 9425806307) को बनाया गया है। इसी प्रकार दमोह वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425806227 है तथा इसका प्रभार नरेन्द्र कुर्राम (मो. 9425806227), परसवाड़ा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9589497907 है तथा इसका प्रभार सहायक अभियंता ए.के. पटले (मो. 9302670472) तथा उकवा वितरण केंद्र वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9644046199 है तथा इसका प्रभारी विरेन्द्र उइके (मो. 9425806222) को सौपा गया है। विद्युत विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान यदि कहीं विद्युत तार टूटे हों, खंभे क्षतिग्रस्त हों अथवा बिजली संबंधी कोई समस्या हो तो तत्काल संबंधित अधिकारी या कंट्रोल सेंटर को सूचना दें। विभाग ने कहा है कि मानसून के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे ताकि उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। यह आदेश अधीक्षण अभियंता, म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, बालाघाट वृत्त द्वारा जारी किया गया है।

खापा में नल जल योजना ठप, नौतपे की भीषण गर्मी में पानी के लिए मची त्राहि.त्राहि

पिछले चार दिनों से खराब है मोटर पारंपरिक जल स्त्रोत भी दे रहे जवाब, कुएं और हैंडपंपों पर उमड़ रही भारी भीड़

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खापा में इन दिनों पेयजल संकट गहरा गया है। विकासखंड में जारी नौतपे और भीषण गर्मी के बीच पिछले चार दिनों से तकनिकी खराबी से ग्राम की नल जल योजना पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। योजना की मोटर खराब हो जाने के कारण पूरे गांव में पानी की किल्लत उत्पन्न हो गई है। हालत यह है कि ग्रामीणों को बूंद.बूंद पानी के लिए सुबह से देर रात तक जद्दोजहद करनी पड़ रही है। जिससे ग्रामीणों में स्थानीय प्रशासन और पंचायत के खिलाफभारी आक्रोश व्याप्त है।

जल स्त्रोत उगल रहे गंदा और जंग युक्त पानी

गांव के पारंपरिक जल स्रोत भी अब जवाब दे रहे हैं कई हैंडपंप ऐसे हैं जो जंग युक्त और दूषित पानी उगल रहे हैं। इस पानी का उपयोग ग्रामीण कपडे.बर्तन और निस्तार के लिए तो जैसे.तैसे कर रहे हैं लेकिन यह पानी पीने योग्य बिल्कुल नहीं है। पेयजल के लिए ग्रामीणों को तपती धूप में आधा से एक किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर खंडवा रोड स्थित टोले में महज एक हैंडपंप के भरोसे करीब आधा सैकड़ा परिवार निर्भर हैं। अत्यधिक दोहन के कारण इस हैंडपंप का जलस्तर भी लगातार नीचे जा रहा है जिससे कुछ देर चलने के बाद यह हैंडपंप भी गंदा और मटमैला पानी उगलने लगता है।

कुएं पर लग रही भीड़ पानी के लिए आपस में भिड़ रहे लोग

गांव में पानी की विकरालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ग्राम के धरम नागोसे के घर के सामने स्थित कुएं पर सुबह और शाम दोनों वक्त दर्जनों ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ रही है। पानी भरने की होड़ में ग्रामीणों के बीच कई बार विवाद और तीखी नोकझोंक की स्थिति भी निर्मित हो रही है। तड़के सुबह से लेकर देर रात तक लोग सिर पर बर्तन और हाथ में बाल्टियां थामे लाइनों में खड़े नजर आ रहे हैं। वर्तमान में नौतपे के कारण पारा आसमान छू रहा है। इस भीषण गर्मी में पानी की मांग दोगुनी हो जाती है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और पंचायत प्रबंधन की उदासीनता के कारण ग्रामीण बूंद.बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। चार दिन बीत जाने के बाद भी मोटर सुधार नहीं किया गया है। ग्राम पंचायत खापा के आक्रोशित ग्रामीणों ने आला अधिकारियों से मांग की है कि नल.जल योजना की खराब मोटर को तत्काल सुधारा जाए और गांव में जलापूर्ति बहाल की जाये।

चार दिन से नल जल योजना बंद पड़ी है पानी के लिये ग्रामीण परेशान है-धनवंता नेवारे

ग्रामीण श्रीमती धनवंता नेवारे ने बताया कि चार दिन से नल जल योजना बंद पड़ी है। हैंडपंप कुएं से पानी लेते हैं पूरा टोला इस इकलौते हेंडपम्प से पानी ले जाता है। बस्ती में जिन्हें पीने का पानी नहीं मिलता वह भी यहां आकर पानी ले जाते हैं। थोड़ी देर पानी निकलता है फि र ज्यादा उपयोग करो तो मटमैला पानी निकलता है। गर्मी का समय है हर घर में मवेशी है जरूरत के आधार पर लोग पानी ले जा रहे। यहां १५० से अधिक परिवार है जो यह इस हैंडपंप पर आते हैं नल जल का पानी कब मिलेगा कोई गारंटी नहीं है। हमारे हिसाब से पानी मिलना चाहिए परंतु अभी पानी नहीं मिल रहा है तो क्या करें कोई साधन तो ढूंढना पड़ेगा।

पानी की मोटर खराब हो गई मोटर का सुधार कार्य चल रहा है-देवीप्रसाद गौतम

सरपंच देवी प्रसाद गौतम ने बताया कि पानी की मोटर खराब हो गई है तीन दिन हो गए हैं मोटर का सुधार कार्य चल रहा है। नई मोटर भी पंचायत द्वारा क्रय की गई है हमारे यहां सभी हितग्राही नल जल योजना पर निर्भर है जिस कारण से पारंपरिक जल स्रोत खत्म होने की कगार पर है। क्योंकि उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है जिससे वह खराब हो रहे हैं अभी हमारे द्वारा ग्राम के हैंड पंप का सुधार कार्य करवाया गया है कुएँ की सफाई भी करवाई गई है। करीब डेढ़ वर्ष बाद यह पहली समस्या आई है जिसका सुधार कार्य चल रहा है और जल्द ग्रामीणों को योजना का पानी उपलब्ध हो जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

10 जून 2026 तक जमा किए जा सकेंगे आवेदन, अधिक आवेदन होने पर होगी लॉटरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सीएम राइज शासकीय वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (संदीपनि विद्यालय) बालाघाट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हिंदी माध्यम की विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों से 10 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी एवं अभिभावक विद्यालय कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डॉ युवराज रहांगडाले ने बताया कि पहली कक्षा में 25, दूसरी में 5, तीसरी में 15, चौथी में 2, आठवीं में 3, नवमीं में 15 तथा ग्यारहवीं कृषि संकाय में 25 रिक्त सीटें उपलब्ध हैं। सभी कक्षाओं में प्रवेश हिंदी माध्यम में दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि रिक्त सीटों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो चयन प्रक्रिया लॉटरी प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। प्रवेश संबंधी नियम एवं शर्तें विद्यालय द्वारा पृथक से जारी की जाएंगी। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने अभिभावकों से समय सीमा के भीतर आवेदन जमा करने की अपील की है।

मार्को रुबियो की भारत यात्रा

ऐसा समझा जाता है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत की चार-दिवसीय यात्रा का मकसद उस द्विपक्षीय रिश्ते को सुचारू बनाना था जो पिछले एक साल में बुरी तरह बिखर गए थे। जनवरी 2025 में पदभार संभालने के बाद, रुबियो की यह पहली यात्रा थी। अमेरिका के उच्च टैरिफ और वीजा, आप्रवासन एवं आउटसोर्सिंग में कटौती से लेकर भारत की ऊर्जा संबंधी खरीद एवं निवेश पर प्रतिबंध, चीन तथा पाकिस्तान के साथ उसके कदम और भारत के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एवं उनके कैबिनेट के सहयोगियों द्वारा अपमानजनक टिप्पणी समेत कई समस्याएं हैं। भले ही मोदी सरकार ने अमेरिका की हरकतों को लेकर उसकी कोई आलोचना नहीं की है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका का हमला, व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी ने भारत के लिए भी भारी आर्थिक चिंताएं पैदा की हैं। लिहाजा यह उम्मीद की गई कि रूबियो की यह यात्रा वाशिंगटन के एकतरफा कदमों के चलते द्विपक्षीय रिश्तों में आए सबसे खराब दौर में से एक को ठीक करने में मदद करेगी। रूबियो की इस यात्रा ने क्वाड के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ द्विपक्षीय एजेंडे को भी जोड़ा। भारत को 卐नरक के द्वार卐 के रूप में संदर्भित करने वाली आप्रवासी विरोधी भावनाओं को बढ़ाने वाले ट्रम्प के पोस्ट के बारे में बार-बार पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, रुबियो ने लगातार कहा कि द्विपक्षीय रिश्ते अच्छे हैं और 卐राष्ट्रपति ट्रम्प भारत से प्यार करते हैं卐। इसमें कोई शक नहीं कि नई दिल्ली ने रूबियो के लिए लाल कालीन बिछाया था। प्रोटोकॉल से परे जाकर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके आगमन पर उनका स्वागत किया और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ससाहांत का अधिकांश समय रूबियो के साथ बैठकों में बिताया। इनमें अमेरिकी दूतावास में दो स्वागत-समारोह भी शामिल थे। रविवार को, जयशंकर ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस और रूबियो के जन्मदिन को मनाने वाले एक समारोह में भाग लिया। रूबियो ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी का दौरा किया और दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए आगरा तथा जयपुर गए। द्विपक्षीय वार्ता में दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार, ऊर्जा, असैन्य परमाणु प्रौद्योगिकी एवं रक्षा सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और भू-राजनीतिक संघर्षों सहित आपसी रिश्तों के संपूर्ण आयामों पर चर्चा की।

हालांकि, क्वाड और 15-राष्ट्रों की पैक्स सिलिका के भीतर सदस्य देशों की साझेदारी को दोहराने वाले महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर एक समझौते के अलावा, इस यात्रा का द्विपक्षीय वाला हिस्सा चंद उल्लेखनीय नतीजों के साथ समाप्त हुआ। रिश्तों में एक समस्या को स्वीकार करने से रूबियो के इनकार करने से यह संकेत मिलता है कि अमेरिका, जिसे कभी भारत की सबसे विश्वसनीय साझेदार माना जाता था, नई दिल्ली की चिंताओं को पहचानने में विफल रहा है। हालांकि, यह उम्मीद की जाती है कि रूबियो को उन चिंताओं के बारे में सूचित किया गया है क्योंकि दोनों पक्ष जून के मध्य में फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी और ट्रम्प के बीच संभावित बैठक की तैयारी कर रहे हैं। भारत इस शिखर सम्मेलन में एक विशेष आमंत्रित देश है। यह पहला मौक़ा होगा जब मोदी की फरवरी 2025 की वाशिंगटन यात्रा और उसके बाद की सभी बातों के बाद दोनों नेता आमने-सामने आयेंगे और यह विशेष रूप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए क्षेत्रों - आर्थिक, ऊर्जा और क्षेत्रीय सुरक्षा - में रिश्तों को सुधारने का अच्छा मौका होगा।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत ज़हरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

ग़ौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अख़लाक़ और पहलू ख़ान जैसे अनेक लोगों की हत्या की ख़बरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फ़र्ज़ी हैं, जो रात में ग़ैर-क़ानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोज़ियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी क़ानून अपने हाथ में लेने का हक़ नहीं है। उन्होंने

असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज़्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फ़तवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज़ आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफ़रत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैग़ंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफ़ा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी ज़रूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान क़ाबिल -ए -ग़ौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन क़ानूनन और सामाजिक भावनाओं के ख़िलाफ़ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनज़र यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। इसी तरह अप्रैल 2017 में केरल के मल्लापुरम लोकसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार एन. श्रीप्रकाश ने मतदाताओं से वादा किया था कि यदि वे चुनाव जीतते हैं तो क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता वाले बीफ़ की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे और साफ़-सुथरे बूचड़ख़ाने खुलवाएंगे। जबकि अभी पिछले दिनों बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में क़ानूनन केवल उसी गोवंश (गाय) का वध नहीं किया जा सकता जिसकी उम्र 14 वर्ष से कम हो। इस कुतर्क के अनुसार क्या 14 वर्ष से ऊपर की गाय गौ माता की श्रेणी से बाहर हो जाती है?

भारत सरकार में संसदीय कार्य व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का 2015 में दिया गया वह बयान पूरे देश को याद ही होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं अरुणाचल प्रदेश से हूँ और गोमांस खाता हूँ। क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है? उनका तर्क था कि भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है। पूर्वोत्तर के राज्यों में बहुत से लोग बीफ़ खाते हैं और किसी के खान-पान की आदतों या जीवनशैली को उन पर थोपा नहीं जा सकता। साथ ही उसी समय उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि भारत विविधताओं का देश है। जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, वहां उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। गोरक्षा पर राजनीति करने वाली सरकार किरेन रिजिजू जैसे गौ मांस भक्षक को मंत्री बनाकर किस आधार पर गोरक्षा की बात कर सकती है ? उधर यही भारतीय जनता पार्टी इलेक्टोरल बांड के ज़रिए भारत की सबसे बड़ी बीफ़ निर्यातक कंपनियों से लगभग प्रत्येक चुनावों में करोड़ों का चंदा वसूलती है। इसी सत्ता संरक्षण की वजह से 2014 के बाद यानी भाजपा के शासनकाल में भारत का कुल बीफ़ निर्यात काफ़ी बढ़ चुका है। परन्तु स्वयंभू गोरक्षकों को गोहत्या को बढ़ावा देने व इसके पक्ष में तर्क देने वालों से कोई शिकायत नहीं है बल्कि आश्चर्य है कि इनकी सारी दुश्मनी व शिकायत केवल मुसलमानों से ही है ? समझा जा सकता है कि गोवंश की सुरक्षा किसी धर्म जाति से जुड़ा विषय नहीं बल्कि वास्तव में गोवंश शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार है।

-निर्मल रानी

कहो तो कह दूं- काकरोचों ने सोचा भी नहीं होगा कि वे रातों रात इतने फेमस हो जायेंगे....

कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी आजकल चर्चा में है। अमेरिका में बनी इस भारतीय पार्टी के रातों रात लगभग दो लाख फॉलोअर्स हो गये। नौबत यहां तक पहुंची कि सीजेपी के ट्विटर हैंडल पर बैन लगाना पड़ा। वास्तव में सीजेपी एक व्यंग्यात्मक आंदोलन है जिसे 16 मई 2026 को आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशंस रणनीतिकार अभिजीत दीपके द्वारा सोशल मीडिया पर शुरू किया गया था। भारत में जन्मे और फिलहाल बोस्टन यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत दीपके को दाद देना पड़ेगी कि उन्होंने दुनिया के सबसे मजबूत कीड़े को एक राजनीतिक संकेत में बदल दिया। उन्होंने अमेरिका से इस अभियान की शुरुआत की जिसमें यूरोप के कुछ साथी भी जुड़ गये। दूर देशों की इस शुरुआत ने भारत के राजनीतिक खेमों में हलचल मचा दी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बुलबुला है जो जल्द ही फुस्स हो जायेगा लेकिन कुछ का विश्वास है कि सीजेपी अगले चुनावों में जनमानस पर असर डालने में कामयाब होगी। चूंकि भारत में बेरोजगारों की संख्या करोड़ों में है और यह वर्ग सक्रिय वोटर होने के साथ सोशल मीडिया से भी जुड़ा रहता है इसीलिये इसके चुनावी असर से इंकार नहीं किया जा सकता। सीजेपी की जादुई शोहरत का ये आलम है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इसी तर्ज पर कॉकरोच अवामी लीग

सीएएल बना ली गई है जिसके हजारों फॉलोअर्स भी बन गये हैं। एक तरफ अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं दूसरी तरफ उनके फॉलोअर्स बढ़ते ही जा रहे हैं।

मालूम हो कि कॉकरोच की महिमा केवल महिलाओं को डराने और रसोईघर में धमा चौकड़ी करने तक सीमित नहीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि कॉकरोच दरअसल दुनिया के सबसे ताकतवर प्राणियों में से एक है और परमाणु युद्ध होने के बाद भी पृथ्वी पर सिर्फ इसी का बच पाना सम्भव है। छोटे अंधेरे कोनों और दरारों में छिपे रहने से इस पर विस्फोट का असर होना असंभव है। साथ ही परमाणु युद्ध से होने वाले रेडिएशन का इस पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि इसकी रेडीएशन सहने की क्षमता इन्सान से लगभग 15 गुना ज्यादा है। इसके अलावा कॉकरोच की जीवित रहने की क्षमता भी अद्वितीय है क्योंकि यह खीरा यानी ककड़ी के अलावा दुनिया का कोई भी पदार्थ खा कर मजे से जिन्दा रह सकता है।

इसी तरह भारत का बेरोजगार भी बेख़ौफ़ है। बीमारी, बेरोजगारी, पैसों की तंगी, परिवार के ताने और महबूबा की नाराज़गी से भी इसे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये अपनी बेफिक्री और मटरगश्ती में मशगूल रहता है। बीच बीच में टाइम मिलने पर ये किसी सरकारी नौकरी का फॉर्म भी भरता है जिनमें से अधिकांश या तो पेपर लीक होने से निरस्त हो जाती हैं या फिर जुगाड़ वालों के हिस्से में चली जाती हैं। दशहरा, गणेशोत्सव, होली इसके प्रिय त्यौहार हैं जिनमें चंदा वसूली से लेकर साज सज्जा और डांस वगैरह की गतिविधियों में इसका काफी मनोरंजन होता है। लेकिन बेरोजगार का सबसे प्रिय त्यौहार है चुनाव। इस मौके पर डेढ़ दो महीने का खाना पीना और धन लाभ बड़ी राहत भरा होता है। यही वो समय है जिसमें बेरोजगार खुद को उपयोगी और ताकतवर समझने लगता है। अक्सर नेता इन्हें नौकरी का लालच देकर बेगार भी करवाते हैं और चुनाव खत्म होते ही बाकी वायदों की तरह इस वायदे को भी भूल जाते हैं। देश आगे बढ़ता जा रहा है, विकास का गुणगान हो रहा है, लेकिन बेरोजगार है कि बस बेरोजगार ही है। अब जब इसे कॉकरोच का खिताब दे दिया गया है तब सरकार को सावधान हो जाना चाहिये। जिसे परमाणु युद्ध भी नहीं मार सकता वो भला सरकार से क्या डरेगा। नेता खुशकिस्मत हैं कि बेरोज़गार अभी संगठित नहीं हैं। अगर सीजेपी के बैनर तले सब इकट्ठे हो गए तो क्या होगा कोई नहीं जानता

गधा सबसे समझदार

अभी तक तो अपने को ये मालूम था कि यदि किसी व्यक्ति को गधा कह दिया जाए इसका मतलब है कि वो बहुत ही बेवकूफ होता है लेकिन अब पता लगा है कि गधा तो घोड़े से भी ज्यादा समझदार होता है न केवल घोड़े बल्कि सभी जानवरों की तुलना में गधा सबसे ज्यादा समझदार होता है और ये पता कैसे लगा है जनरल ऑफ वेटरनरी बिहेवियर का एक अध्ययन जो स्पेनिश वैज्ञानिकों ने 300 गधों पर किया था उसके आधार पर ये निष्कर्ष निकला कि आइक्यू में गधों का स्कोर मानव पैटर्न से बिल्कुल मिलता जुलता है यानी अब किसी को यदि गधा कहा जाएगा तो इसका मतलब है कि वह बुद्धिमान और समझदार व्यक्ति है । सारी परिभाषाएं इस अध्ययन ने बदल कर रख दीं । गधे भी भारी खुश है कि अभी तक हमको बतौर गाली संबोधित किया जाता था लेकिन अब पता लगा कि हम लोग कितने बुद्धिमान और समझदार हैं हम लोग सीधे-साधे हैं ज्यादा बोलते नहीं कभी-कभी रेंकने लगते हैं तो इसका ये मतलब थोड़ी है कि हम सबसे ज्यादा मूर्ख और बेवकूफ हैं। सारे गधे मिलकर स्पेनिश वैज्ञानिकों का सम्मान करना चाह रहे हैं जिन्होंने बता दिया कि गधा एक बुद्धिमान और समझदार प्राणी होता है अपने को तो लगता है अब कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा पालने की बजाय घर में एक गधा पाल लिया जाए कम से कम कहने को तो रहेगा कि घर में एक समझदार व्यक्ति है भले ही वह जानवर क्यों ना हो।

मंगल से पंगा मत लो

मशहूर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के आईपीओ फाइलिंग में लिखा है कि मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने का इरादा है और वो भी थोड़े बहुत नहीं बल्कि दस लाख के आसपास इंसान वहां बसाये जाएंगे । ज्योतिष के आधार पर तो मंगल काफी क्रोधी ग्रह माना जाता है जिन लड़के लड़कियों की कुंडली में मंगल होता है वे मांगलिक मानी जाती हैं उनकी शादी ब्याह में बड़ी दिक्कतें आती हैं बताया जाता है कि जिनकी कुंडली में मंगल होता है उनकी पहले किसी पेड़ या भगवान से शादी करवा दी जाती है ताकि मंगल का दोष खत्म हो जाए, मंगल का दोष खत्म करने के लिए हनुमान जी की प्रार्थना की जाती है, लोग मंगलवार का उपवास भी रखते हैं, ज्योतिषियों की सलाह पर उंगली में मूंगा भी धारण कर लेते हैं ताकि मंगल ग्रह शांत रहे ,अब ऐसे खतरनाक और गुस्सैल ग्रह पर दस लाख लोगों को बसाने की जो स्कीम मस्क साहब चला रहे हैं शायद वे जानते नहीं हैं कि मंगल से पंगा लेना ठीक नहीं है यदि मंगल नाराज हो गया तो सारा धंधा ठप्प हो जाएगा । अभी तक तो चांद पर लोगों को बसाने की बात चल रही थी अब यह चांद को छोड़कर मंगल तक पहुंच गए ।अरे भैया वहां लोगों को बसा दोगे तो वहां होटल खुल जाएंगे ,चाय के टपरे लग जाएंगे, चाट फुलकी के ठेले स्थापित हो जायेंगे फुटपाथों पर अतिक्रमण हो जाएगा, मंगल की सड़कों पर जाम लगने लगेगा, लोग बाग पान गुटखा खाकर इधर-उधर थूकने लगेंगे, कोई कहीं भी खड़ा होकर लघु शंका कर देगा इन सबसे मंगल महाराज नाराज नहीं होंगे तो क्या खुश होंगे? अभी भी वक्त है मस्क साहब दस बार सोचो और किसी शांत ग्रह में जाने की बात करो तो चल भी जाएगा मंगल से पंगा लेना बहुत महंगा पड़ेगा ये हम अभी से बता देते हैं फिर ना कहना कि पहले क्यों नहीं बताया था

सुपर हिट ऑफ द वीक

श्रीमान जी ने अपने बॉस से कहा सर कुछ दिनों की छुट्टी चाहिए.

छुट्टी एक शर्त पर मिलेगी. ये बताओ कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा?

सर हो सकता है बाहुबली ने कटप्पा को छुट्टी नहीं दी हो.श्रीमान जी ने उत्तर दिया

बताओ कितने दिन की छुट्टी चाहिए? बॉस ने घबरा कर कहा

-चैतन्य भट्ट

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्राय: दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्राय: देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

- योगेश कुमार गोयल

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.63 पर बंद हुआ इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर खुला। वहीं महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में कुछ गिरावट से निवेशकों को कुछ राहत मिली है। कारोबारियों के अनुसार आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी बाजार में गिरावट का माहौल है जिससे भी रुपया दबाव में रहा।

बाजार में बढ़ा नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार, नहीं पहचान पा रहे ग्राहक

नई दिल्ली। देश में चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों और निवेशकों की मजबूत मांग के बीच नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार तेजी से बढ़ा है। बाजार में बिक रही कई सिल्वर बार, सिक्के, आभूषण और पूजा सामग्री तय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतर रही है। इससे ग्राहकों को आर्थिक नुकसान का खतरा है, वहीं चांदी बाजार की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के महीनों में निवेशकों का रुझान सोने के साथ-साथ चांदी की ओर भी बढ़ा है। सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में लोग बड़ी मात्रा में सिल्वर बार, सिक्के और चांदी के बर्तन खरीद रहे हैं। इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी और अवैध निर्माता बाजार में कम गुणवत्ता वाली चांदी बेच रहे हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसी चांदी मौजूद है, जो 999 शुद्धता के मानक को पूरा नहीं करती है। विशेष चिंता की बात यह है कि कई उत्पादों में निकेल, कैडमियम और लेड जैसे हानिकारक तत्व भी पाए जा रहे हैं। ये धातुएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रैप सिल्वर से बने आभूषणों और अन्य वस्तुओं में इस तरह की मिलावट ज्यादा देखने को मिल रही है। इससे ग्राहकों की सुरक्षा और निवेश दोनों प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने सितंबर 2025 से चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया है, लेकिन उद्योग जगत का कहना है कि अभी भी बड़ी संख्या में ज्वेलर्स इसका पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों के लिए असली और नकली चांदी की पहचान करना कठिन है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह सोने के लिए सख्त हॉलमार्किंग और लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू है, उसी प्रकार चांदी के क्षेत्र में भी मजबूत निगरानी तंत्र जरूरी है। जानकारी के मुताबिक भारत में हर साल करीब 7,000 टन चांदी की खपत होती है, जबकि इसके लिए केवल 286 अस्सेइंग और हॉलमार्किंग सेंटर उपलब्ध हैं। इसके विपरीत सोने की खपत कम होने के बावजूद उसके लिए 1,500 से ज्यादा सेंटर मौजूद हैं। यही असंतुलन चांदी बाजार की सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है। जयपुर, आगरा, राजकोट, कोल्हापुर, सलेम और कटक जैसे शहर चांदी के आभूषण और धार्मिक वस्तुओं के बड़े उत्पादन केंद्र हैं। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि यहां बनने वाले कई उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली चांदी की गुणवत्ता संदिग्ध है। इस बीच रिफाइनरी कंपनियां सरकार से चांदी रिफाइनिंग यूनिट्स के लिए भी लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू करने की मांग कर रही हैं ताकि बाजार में पारदर्शिता बढ़ सके और ग्राहकों को प्रमाणित शुद्ध चांदी मिल सके।

ब्रिटानिया 'गुड डे' अब होगा महंगा! कंपनी फैमिली पैक्स के बढ़ा रही दाम

नई दिल्ली,। अगर आप भी सुबह या शाम की चाय के साथ ब्रिटानिया का 'गुड डे' बिस्किट खाते हैं तो अब इस शौक के लिए आपको ज्यादा पैसे चुकाना होगा। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 'गुड डे' बिस्किट के फैमिली पैक्स के दाम बढ़ा रही है। डिस्ट्रीब्यूटर सूत्रों के मुताबिक कंपनी इसके प्रमुख वैरिएंट्स की कीमतों में 10 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटानिया 5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में कोई बदलाव तो नहीं होगा लेकिन इसका वजन कंपनी कम कर सकती है यानी आपको पैसे तो उतने ही देने होंगे, लेकिन पैकेट में बिस्किट कम मिलेंगे। कंपनी ने अपनी अर्निंग्स कॉल में भी साफ कहा है कि 10 रुपए से महंगे पैक्स पर दाम बढ़ाए जाएंगे और छोटे पैक्स में वजन कम किया जाएगा। कंपनी कच्चे माल की कीमतों और पैकेजिंग मैटेरियल की बढ़ती कॉस्ट से परेशान है। इसी वजह से कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला लिया है।

बता दें ब्रिटानिया की कुल कमाई में बिस्किट कारोबार की हिस्सेदारी 70-75 फीसदी है, और अकेले 'गुड डे' ब्रांड से कंपनी को करीब 3,500 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलता है। कीमतें बढ़ाने का यह फैसला कंपनी के चौथी तिमाही के मिले-जुले नतीजों के बाद आया है। मार्च तिमाही में ब्रिटानिया का कुल रेवेन्यू 6.5फीसदी बढ़कर 4,719 करोड़ रुपए रहा। वहीं, कंपनी का शुद्ध लाभ भी उम्मीद से ज्यादा अच्दा प्रदर्शन करते हुए 21.1फीसदी की बढ़त के साथ 678 करोड़ पर पहुंच गया। हालांकि, विज्ञापनों और अन्य खर्चों में 17.5फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने के कारण कंपनी के ऑपरेटिंग मार्जिन पर दबाव देखा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2026 के शुरुआती महीनों में कंपनी का बिजनेस करीब 9फीसदी की रफ्तार से बढ़ा था, लेकिन मार्च आते-आते इस पर ब्रेक लग गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हुई। इसके कारण समुद्री मालभाड़ा और ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया, जिसने कंपनी की लागत को बढ़ा दिया। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने ब्रिटानिया के शेयर पर अपनी 'बाय' रेटिंग तो बरकरार रखी है, लेकिन टारगेट प्राइस 7,170 रुपए से घटाकर 6,360 रुपए कर दिया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 141, निफ्टी 7 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। इससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 141.90 अंकों की गिरावट के साथ ही 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 6.55 अंक फिसलकर 23,907.15 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बाजार में सबसे ज्यादा गिरावट वित्तीय और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में रही। निफ्टी के जिन शेयरों में गिरावट रही उनमें ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के शेयर रहे जबकि उर्जा और धातु क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन,और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही। टाटा स्टील, इंडिगो, मारुति सुजुकी, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर भी उछले हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों के बाद दोने में तनाव बढ़ा है जससे भी निवेशकों में घबराहट है और वह सतर्कता बरत रहे हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव बना हुआ है।

आज निफ्टी बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स क्षेत्र में शेयर गिरे जबकि .मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में तेज रही। छोटे और मझोले शेयरों में खरीदारी देखी!

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 136.38 अंक फिसलकर 75,873.32 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 29.95 अंक टूटकर 23,887.15 पर था।

गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव से भी बाजार गिरा है। इसका कारण ये है कि निवेशक अभी बाजार से दूरी बनाये हुए हैं।

8वें वेतन आयोग से रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में होगा इजाफा

आईआरटीएसए ने सरकार के सामने रखा 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला

नई दिल्ली। 8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों के बीच उत्सुकता है। खासतौर पर रेलवे कर्मचारियों की निगाहें इस पर टिकी हैं कि नए वेतन आयोग में उनकी सैलरी में कितना इजाफा होगा। इसी बीच रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के संगठन ने सरकार के सामने एक नया और अलग प्रस्ताव रखा है, जिससे रेलवे कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन ने 8वें वेतन आयोग के सामने रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के लिए अलग 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला लागू करने की मांग की है। अब तक सभी वेतन आयोगों में कर्मचारियों के लिए एक समान फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता रहा है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर कर्मचारियों की बेसिक सैलरी तय थी। हालांकि, संगठन का कहना है कि रेलवे तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां, कार्य का दबाव और जोखिम अन्य कर्मचारियों से अलग और चुनौतीपूर्ण है। इसलिए उनके लिए अलग वेतन व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रस्ताव के मुताबिक लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों के लिए 2.92 फिटमेंट फैक्टर, लेवल 6 से 8 तक के लिए 3.50, लेवल 9 से 12 तक के लिए 3.80, लेवल 13 से 16 तक के लिए 4.09 और लेवल 17 से 18 तक के कर्मचारियों के लिए 4.38 फिटमेंट फैक्टर लागू करने की सिफारिश की गई है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। यदि किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 45 हजार है और वह लेवल 6 से 8 के दायरे में आता है, तो 3.50 फिटमेंट फैक्टर लागू होने पर उसकी नई बेसिक सैलरी करीब 1.57 लाख रुपए हो जाएगी।

संगठन ने संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति योजना यानी एमएसीपी में भी बदलाव की मांग की गई है। प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को 30 साल की सेवा अवधि में पांच बार वित्तीय उन्नयन देने की सिफारिश की गई है। अब सभी की नजर सरकार और 8वें वेतन आयोग के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि इससे लाखों रेलवे कर्मचारियों की आय और सेवा शर्तों में बड़ा बदलाव हो सकता है।

मेष राशि- आज आपका आत्मविश्वास और काम करने की क्षमता दोनों चरम पर रहेंगे। हर फैसला आप सोच-समझकर लेंगे, लेकिन किसी के दबाव में आकर लिया गया कदम बाद में परेशानी दे सकता है। मन में नई कमाई या साइड इनकम का विचार चल सकता है और अच्छी बात यह है कि उसमें सफलता मिलने के संकेत भी मजबूत हैं। जीवनसाथी की कोई उपलब्धि या प्रमोशन घर का माहौल खुशियों से भर देगा।

वृषभ राशि- आज का दिन धीरे-धीरे लेकिन पक्की सफलता देने वाला रहेगा। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छा परिणाम मिलने के योग हैं। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार मन में आएंगे। परिवार में किसी सदस्य के रिश्ते या विवाह की बात तय होने से घर में उत्सव जैसा माहौल बन सकता है। किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा।

मिथुन राशि- आज किस्मत अचानक आपका साथ देती नजर आएगी। लंबे समय से अटका या डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। बिजनेस में जो योजनाएं परेशानी बन रही थीं, वे अब धीरे-धीरे सही दिशा पकड़ सकती हैं। किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें। पिता की सलाह पारिवारिक बिजनेस में आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

कर्क राशि-आज प्रॉपर्टी और निवेश से जुड़े मामलों में किस्मत आपका साथ दे सकती है। नई संपत्ति खरीदने का विचार सफल हो सकता है। हालांकि अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह साबित हो सकता है, इसलिए निजी बातें किसी से साझा करने से बचें। परिवार का कोई नाराज सदस्य आज आपके प्यार और समझदारी से मान सकता है।

सिंह राशि-आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपको सही दिशा दिखाएगी। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे उम्मीदें लगाएंगे। संतान को नौकरी या करियर के कारण घर से दूर जाना पड़ सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से भागदौड़ बढ़ेगी, लेकिन आप उन्हें अच्छे से संभाल लेंगे। आज आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान को लेकर मन में खास सजगता रहेगी।

कन्या राशि-आज का दिन थोड़ा तनाव भरा रह सकता है। माता जी की सेहत को लेकर चिंता बढ़ सकती है। बिजनेस में किसी नुकसान या रुकावट के कारण भागदौड़ ज्यादा रहेगी। किसी अजनबी पर आंख मूंदकर भरोसा करना मुश्किलें बढ़ा सकता है। हालांकि कानूनी मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं और फैसला आपके पक्ष में जा सकता है।

तुला राशि-आज आपका मन मौज-मस्ती और खुशियों में डूबा रहेगा। संतान की तरक्की देखकर गर्व महसूस होगा। लंबे समय से अटका कोई काम आज पूरा हो सकता है, जिससे राहत मिलेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही करने से बचना होगा, वरना नुकसान हो सकता है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी चतुराई और समझदारी का सही इस्तेमाल करना होगा।

वृश्चिक राशि-आज रिश्तों में अपनापन और मजबूती बढ़ेगी। भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा और किसी पुराने मुद्दे का समाधान मिल-बैठकर निकल सकता है। परिवार के साथ बिताया गया समय आपके मन को सुकून देगा। नौकरी से जुड़ा कोई काम आपको यात्रा पर ले जा सकता है।

धनु राशि- आज आपका मान-सम्मान और लोकप्रियता दोनों बढ़ने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में अच्छे काम के लिए आपको सराहना या पुरस्कार मिल सकता है। नए लोगों से दोस्ती होगी और सामाजिक दायरा बढ़ेगा। मन बेहद प्रसन्न रहेगा और बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको भीतर से खुश कर देगा। पिता आज आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौंप सकते हैं।

मकर राशि-आज सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। काम के पीछे भागते-भागते आप खुद की देखभाल भूल सकते हैं, इसलिए थोड़ा संतुलन जरूरी है। संतान के लिए नया वाहन या कोई बड़ी चीज खरीदने का विचार बन सकता है। खान-पान में लापरवाही से बचें और अपनी वाणी को मधुर बनाए रखें। जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान करा सकता है।

कुंभ राशि- आज धन को लेकर समझदारी दिखाने की जरूरत है। कोई व्यक्ति आपको गलत निवेश या जोखिम भरी योजना में फंसाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। संतान के करियर या पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। जीवनसाथी को नई नौकरी या अच्छा अवसर मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मीन राशि-आज आपकी समझदारी और शांत स्वभाव हर काम को आसान बना देंगे। घर में किसी नए मेहमान के आगमन से खुशी और रौनक बढ़ सकती है। सरकारी मामलों से जुड़ी कोई चिंता खत्म होने के संकेत हैं। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर दोस्तों या करीबी लोगों से चर्चा हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को जल्दबाजी से बचना होगा और बॉस की बातों पर खास ध्यान देना होगा, क्योंकि आज आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्दजाल - 8272

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फ्र	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद.

शब्दजाल - 8271 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	ख़ू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	व	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	मि	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

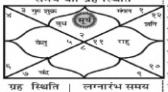

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.30 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	08.43 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.00 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.22 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.37 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.58 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.44 बजे से
राहुकाल		मीन	01.17 बजे से
1.30 से 3.00		मेष	02.48 बजे से
बजे तक		वृष	04.28 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 148 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 07.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 08.09 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 03.55 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 07.58 बजे तदनन्तर कौलव 20.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872723
जूलियन दिन 2461188.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः शिष्यों की परीक्षा

एक गुरु के दो शिष्य थे। दोनों गुरु के पास रहकर शास्त्रों की शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन गुरु ने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने एक शिष्य को बुलाकर पूछा, 'बताओ, यह जगत कैसा है?' शिष्य ने कहा, 'गुरुदेव, यह तो बहुत बुरा है। चारों तरफअंधकार ही अंधकार है। आप देखें, दिन एक होता है और रातें दो। पहले रात थी। अंधेरा ही अंधेरा छाया था। फिर दिन आया और उजाला हुआ। लेकिन पुनः रात आ गई अंधेरा छा गया। एक बार उजाला, दो बार अंधेरा। अंधेरा अधिक, प्रकाश कम। यह है जगत।' गुरु ने उस शिष्य की बात सुनने के बाद दूसरे शिष्य से भी यही प्रश्न पूछा। दूसरा शिष्य बोला, 'गुरुदेव, यह जगत बहुत ही अच्छा है। यहां चारों ओर प्रकाश ही प्रकाश है। रात बीती उजाला हुआ। सर्वत्र प्रकाश फैल गया। रोशनी आती है तो अंधकार दूर हो जाता है। वह सबकी मुंदी हुई आंखों को खोल देता है, यथार्थ को प्रकट कर देता है। कितना सुंदर और लुभावना है यह जगत कि जिसमें इतना प्रकाश है। देखता हूं, दिन आया, बीता। रात आई, बीती। फिर दिन आ गया। इस प्रकार दो दिनों के बीच एक रात। प्रकाश अधिक, अंधकार कम।' गुरु ने फिर दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'यह जगत अपने आप में कुछ नहीं है। यह वैसा ही दिखता है जैसा हम इसे देखते हैं।' उन्होंने पहले शिष्य को दूसरे शिष्य की बात बताई और कहा, 'अगर हम इसे सकारात्मक दृष्टि से देखेंगे तो यह हमें बहुत सुखद लगेगा। इसलिए तुम अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाओ।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7216

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

फिल्म वर्ग पहेली- 7215

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7525

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7524 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 8740

बाएँ से दाएँ

1.उचित,गलत का विलोम-2
4.अधिकार-2
6.परछाई-2
7.सम्मान,प्रसिद्धि-2
9.उल्टी,कै,वमन-3
12.रंग (अंग्रेजी-3)
14.चंचल,फुर्तीला-3
16.भयभीत होना-4
17.फुर्तीलापन-4
18.बसंत काल-3
20.भ्रम,वहम-3
22.आश्रय,शरण-3
24.राजनीतिक पार्टी-2
26.शारीरिक ऊंचाई-2
27.गन्ना-2
28.शाखा,टहनी-2

ऊपर से नीचे

1.नमस्ते,आदाब-3
2.देह,बदन,तन-2
3.शराब,मदिरा-2
5.डोली उठानेवाले-3
6.पत्नी की छोटी बहन -2
8.वहम,संदेह-2
10.जरुरतमंद-5
11.नाग,सर्प-2
13.आनंदित होना -5
14.भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15.ढीला,सुस्त-3
19.नुकसान,घाटा-2
20.सद्कार्य-3
21.नशा,सरुर,खुमार-2
22.ओहदा -2
23.भवन,कोठी-3
25.क्षण,पल-2
26.कलिका,फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8739 का हल

■	क	हा	नी	■	प	ती	ला	■
मा	ला	■	र	■	र	■	वा	दा
म	■	■	व	र	दा	न	■	ला
ला	य	क	■	न	■	म	न	न
■	■	र	मी	■	गौं	की	■	■
सू	र	त	■	आ	■	न	श्र	र
री	■	ब	ह	का	ना	■	■	की
ला	ख	■	टा	■	ह	■	र	ब
■	र	वा	ना	■	क	ल	म	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

नौतपा में तप रहा सड़क का सियासी ताप

खाट से अस्पताल तक का दर्द भूले नहीं ग्रामीण, अब सड़क के लिए चौंदाटोला चौक पर अनिश्चितकालीन धरना

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नौतपा की तपती दोपहर, माथे पर अंगार जैसी धूप और हाथों में तख्तियां.... चौंदाटोला चौक इन दिनों सिर्फ एक चौराहा नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित सड़क के खिलाफ उठती ग्रामीणों की आवाज़ बन गया है। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला से जूनेवानी तक बदहाल पड़ी सड़क को लेकर ग्रामीण मंगलवार 26 मई से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। ग्रामीणों का गुस्सा सिर्फ टूटी सड़क को लेकर नहीं हैए बल्कि उन वादों को लेकर भी है जो हर बार जल्द बनेगी सड़क' की सियासी चाशनी में लपेटकर परोसे गए। चौंदाटोला से ककोड़ी मेन रोड तक लगभग तीन किलोमीटर का यह मार्ग आज भी गड्ढों, कीचड़ और धूल की जिल्लत झेल रहा है। धरना स्थल पर जिला प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी हुई। ग्रामीणों ने साफ कहा कि अब आश्वासनों से पेट नहीं भरने वाला, सड़क चाहिए.... और वह भी जल्द।

आए दिन बना रहता है हादसों का खतरा

यह सड़क कई गांवों की जीवनरेखा मानी जाती है। रोजाना इसी रास्ते से स्कूली छात्र-छात्राएं, किसान, मरीज और आम नागरिक आवाजाही करते हैं। बरसात में यह मार्ग दलदल बन जाता है और गर्मियों में धूल का गुबार लोगों की सांसों तक में उतर जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़क के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। परंतु अब ग्रामीणों के सर से पानी ऊपर उठ चुका है और अब वह जब तक सड़क निर्माण की स्वीकृति पूरी तरह से धरातल पर नहीं उतरती तब तक अनिश्चितकालीन धरने की बात कहते हुए नारे लगा रहे हैं। वहीं धरना स्थल पर मौजूद ग्रामीण महिला मोतेश्वरी जामरे ने कहा की उक्त सड़क मार्ग के निर्माण के बदले आश्वासन ने उनके सब्र को पूरी तरह तोड़ दिया है। दो वर्ष पूर्व महिला के प्रसव पीड़ा के समय हुई घटना ने जिला ही नहीं पूरे प्रदेश में ग्राम की इस सड़क को चर्चा में ला दिया था बावजूद इसके अब तक सड़क निर्माण नहीं होना शासन-प्रशासन की लचर व्यवस्था को दर्शाता है।

दो साल पूर्व पूरे प्रदेश में चर्चित हो गई थी सड़क

इस सड़क का दर्द दो साल पहले तब पूरे प्रदेश ने देखा था, जब ग्राम जुनेवानी की एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान परिजनों को खाट पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ा था। बारिश में सड़क इतनी कीचड़मय हो चुकी थी कि एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। उस घटना के फ ोटो और वीडियो सोशल मीडिया से लेकर अखबारों तक सुर्खियां बने थे। उस समय क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि ने मौके पर पहुंचकर सड़क निर्माण का भरोसा दिया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि शायद अब हालात बदलेंगे, मगर दो वर्ष गुजर जाने के बाद भी सड़क जस की तस पड़ी है। यही वजह है कि अब ग्रामीणों का सब्र जवाब देने लगा है। धरना प्रदर्शन में में कविता महेश मात्रे, लक्ष्मण कावरे, गेंदलाल पंचाले, भक्तकुमार कावरे, ईश्वर नागफ ांसे, अमरदास कावरे, अरुण गेडाम, तिजलाल बाहें, श्यामलाल बाहें, मुरारीलाल कुम्भरे, संदीप पंद्रे, मोहन नागफ ांसे, जितेंद्र कावरे, दुर्गेश मात्रे, नेतलाल पांचें, खेमलाल मात्रे, गणपत मात्रे, गजेंद्र खरे, फूलचंद कावरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

इनका कहना है

ग्रामीण वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। उन्होंने कहा कि जब प्रसूता को खाट पर ले जाने की घटना हुई थी तब प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संवेदनाएं जताईं, निरीक्षण किए, मगर ज़मीन पर कुछ नहीं बदला। ग्रामीण अब थक चुके हैं। नौतपा की आग में बैठना किसी शौक का हिस्सा नहीं है। यह आंदोलन हमारी मजबूरी है। सड़क नहीं बनी तो आंदोलन और उग्र होगा।

महेश मात्रे
जपं सदस्य प्रतिनिधि

ग्रामीणों द्वारा आंदोलन की सूचना प्रशासन को दी गई थी। संबंधित अधिकारियों से चर्चा में जानकारी मिली है कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृ ति के लिए भोपाल भेजा गया है। प्रशासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया जारी है।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम लांजी

चौंदाटोला-जूनेवानी सड़क निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। मेरी ग्रामीणों से अपील है की यह क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क है और जल्द बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

राजकुमार करहि विधायक
लांजी-किरनापुर विस.

त्याग और बलिदान का त्योहार ईद- उल- अजहा आज

थाना परिसर में मुस्लिम समुदाय के साथ हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। त्याग और बलिदान का त्योहार ईद- उल- अजहा आज 28 मई गुरूवार को मनाया जा रहा है। इसको लेकर लांजी नगर के

बाजारों में खरीदारों की भीड़ दिखाई पड़ी । परिजनों को नए कपड़े दिलाने के साथ लोग टोपी, इत्र,सेवई आदि की खरीदारी करते भी दिखे । महिलाएं भी पर्व के लिए घरेलू उपयोग की सामग्री की खरीदारी करने के लिए बाजार पहुंच रही है। अरब और पश्चिमी देशों में जिस दिन ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाता है. ठीक उसके एक दिन बाद ही भारत में ये त्योहार बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है. इस दिन मुस्लिम समाज के लोग बकरे की कुर्बानी देते हैं. इसके बाद जानवर के गोश्त को गरीबों और रिश्तेदारों में बांटा जाता है। इस्लाम धर्म का त्योहार ईद-उल-अजहा या ईद-उल-जुहा यानी बकरीद सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है. दुनियाभर में मुस्लिमों के जरिए इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने जिल हिज की 10 तारीख को बकरीद मनाई जाती है. जिल हिज महीने की 8 तारीख से हज शुरू होता है और 13 तारीख को खत्म हो जाता है. इस बीच 10 तारीख को दुनियाभर में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से तारीख में हमेशा बदलाव देखने को मिलता रहता है। बतादे कि पर्व को लेकर लांजी पुलिस थाने में मुस्लिम समुदाय के लोगो के साथ तहसीलदार लांजी एवं थाना प्रभारी लांजी के द्वारा बैठक कर, क्षेत्र की सभी मस्जिदो में होने वाली नमाज सहित अन्य जानकारी ली गई। पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय के द्वारा आवश्यक जानकारियॉ अधिकारियों से साझा कि गई ताकि तदोनुसार बंदोबस्त लगाया जा सके। अधिकारियो ने ईद पर्व की शुभकामनाऐं प्रेषित कर बैठक समाप्त की।

महाराष्ट्र सीमा से लगे गांवों में अवैध रेत कारोबारियों का आतंक

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस अनुविभाग क्षेत्र में रोजाना अवैध रेत के कारोबार को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही है वहीं अनुभाग के बहेला थाना क्षेत्र में रोजाना डंपरो से अवैध रेत का कारोबार फल फुल रहा है। बतादे कि बहेला क्षेत्र जो कि महाराष्ट राज्य से लगा हुआ है यहां पर पास में ही महाराष्ट के गल्लाटोला से अंधियाटोला होते हुये रोजाना रेत से भरे डंपरो को देखा जा सकता है। थाना क्षेत्र के कुछ ग्रामो जिनमें प्रमुख रूप से रिसेवाड़ा सहित अन्य ग्राम में डंपरो से रेत सप्लाई कर डंप की जा रही है तथा डंप के उपरांत ट्रक्टरो से रेत का कारोबार किया जा रहा है। वहीं यह डंपर लोगों के घरो के पास से गुजर कर सामग्री को भी नुकसान पंहुचा रहे है।

महिला ने बहेला थाना में आवेदन देकर की शिकायत

बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम सावरीखुर्द आसोलीटोला निवासी हिरीयाबाई पति झनकलाल लिल्हारे एवं उनके पुत्र लोकेश लिल्हारे ने बहेला थाना में एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें लेख है कि 27 मई 2026 को सुबह 9 बजे एक रेत सें भरा डंपर क्रमांक एमएच 35 एजे 6777 के द्वारा मेरे घर के सामने जबरन डंपर वाहन को लेकर गये, हमारे द्वारा मना किये जाने के बाद भी डंपर चालक ने वाहन को नही रोका और घर के सामने बिछी पाईप लाईल को नुकसान पंहुचाया है। जबकि जिस स्थान से डंपर ले जाया जा रहा था वह हमारा निजी स्थान है कोई रोड नही है लेकिन डंपर चालक के द्वारा जबरन वाहन को ले जाया गया जिससे पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई है। वहीं महिला ने बताया कि रेत के डंपर ले जाने को लेकर कुछ लोगों के द्वारा हमारे साथ धक्का मुक्की भी की गई है। जिसकी शिकायत महिला एवं पुत्र ने बहेला थाना प्रभारी को की है। अब देखना है कि इस अवैध रूप से रेत के कारोबार को बहेला पुलिस प्रतिबंध लगा पाती है कि नही।

रेत डंप कर उंचे दामों में बेची जा रही रेत

महाराष्ट से डंपरो से रेत बहेला थाना क्षेत्र के ग्रामो में लाकर डंप की जा रही है तथा ट्रैक्टरो से रेत का कारोबार फल फुल रहा है। जिसके चलते गरीबो को अधिक दामों में रेत खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि क्षेत्र में अनेको निर्माण कार्य संचालित है जिन्हे वैध रूप से रेत नही मिल पा रही है तथा रेत माफियाओं के द्वारा इस मजबूरी का फायदा उठाकर अधिक दामों मे रेत बेची जा रही है। ग्रामीण जनता ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस अवैध रेत के कारोबार पर शिकंजा कसा जाये तथा वैध रूप से रेत का संचालन प्रारंभ किया जाये।

मेहरा तालाब के पास शराब दुकान की आशंका पर महिलाओं का उग्र विरोध, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जताया आक्रोश

वार्ड क्रमांक 13 और 14 की महिलाओं ने दिनभर दिया धरना, कहा- शांत क्षेत्र में शराब दुकान खुली तो बिगड़ेगा माहौल, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा पर पड़ेगा असर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में शराब दुकानों के स्थान परिवर्तन को लेकर चल रहा विरोध अब लगातार बढ़ता जा रहा है। वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान के संभावित स्थान परिवर्तन की खबर के बाद अब वार्ड क्रमांक 13 और 14 की महिलाओं ने भी मोर्चा खोल दिया है। महिलाओं को आशंका है कि वर्तमान में बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाकर मेहरा तालाब और रैन बसेरा के पास स्थापित किया जा सकता है। इसी विरोध में बुधवार को बड़ी संख्या में महिलाएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और बाद में मेहरा तालाब के पास धरना देकर प्रदर्शन किया। बीते कुछ दिनों से वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र की महिलाएं वहां संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं। इसी बीच वार्ड क्रमांक 13 की महिलाओं को सूचना मिली कि उक्त शराब दुकान को उनके क्षेत्र में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि मेहरा तालाब के किनारे और रैन बसेरा के पास

निर्माण कार्य शुरू होते देख महिलाओं की आशंका और गहरी हो गई। महिलाओं का मानना है कि यह निर्माण संभावित शराब दुकान को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। सुबह से ही क्षेत्र में इस बात की चर्चा फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित होकर पहले कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। यहां महिलाओं ने प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर साफ शब्दों में कहा कि वे किसी भी हालत में अपने वार्ड में शराब दुकान नहीं खुलने देंगी। महिलाओं ने आरोप लगाया कि बिना स्थानीय लोगों की सहमति के रिहायशी और सार्वजनिक क्षेत्र में शराब दुकान लाने की तैयारी की जा रही है, जिसका वे पुरजोर विरोध करेंगी। कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के बाद महिलाएं सीधे मेहरा तालाब के पास पहुंचीं और वहां दिनभर धरने पर बैठ गईं। भीषण गर्मी के बावजूद महिलाएं हाथों में छाते लेकर प्रदर्शन करती रहीं। इस दौरान महिलाओं ने शराब दुकान के विरोध में नारेबाजी भी की। कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को भी साथ लेकर प्रदर्शन में पहुंची थीं। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान में रैन बसेरा और मेहरा तालाब क्षेत्र शांतिपूर्ण वातावरण वाला क्षेत्र है। यहां सुबह-शाम बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे घूमने और टहलने आते हैं। तालाब और गार्डन क्षेत्र में स्कूली छात्र-छात्राओं की भी आवाजाही रहती है। यदि यहां शराब दुकान खुलती है तो देर रात तक शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाएगा, जिससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण खराब होगा। महिलाओं का कहना था कि शराब दुकान खुलने के बाद क्षेत्र में महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा प्रभावित होगी। साथ ही आए दिन विवाद, झगड़े और असामाजिक गतिविधियां बढ़ने का खतरा रहेगा। महिलाओं ने कहा कि वे अपने वार्ड के शांत माहौल को खराब नहीं होने देंगी और जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कुछ महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन शराब दुकान को एक वार्ड से हटाकर दूसरे वार्ड में स्थापित कर केवल समस्या को स्थानांतरित कर रहा है, जबकि स्थानीय लोगों की भावनाओं और सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है। महिलाओं ने मांग की कि शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र और सार्वजनिक स्थलों से दूर स्थापित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को परेशानी न हो। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं में इस बात को लेकर भी नाराजगी देखने को मिली कि अभी तक प्रशासन की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। महिलाओं का कहना था कि यदि वास्तव में यहां शराब दुकान स्थापित करने की योजना नहीं है तो प्रशासन को सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी देनी चाहिए, ताकि लोगों में भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके। फिलहाल महिलाओं का विरोध लगातार जारी है और क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। महिलाओं ने साफ चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों को नजरअंदाज किया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

दहेज प्रताड़ना के चलते एक महिला से उसके पति और ससुर ने की मारपीट तो सास ने गला घोटने का किया प्रयास

किरनापुर थाने के ग्राम हिर्री की घटना, प्रीति के पति सास ससुर के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट। दहेज की मांग को लेकर दी जा रही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के चलते एक महिला से उसके पति सास ससुर ने जहा बेरहमी से मारपीट की तो वही सास ने रस्सी से गला घोटने का भी प्रयास किया। 24 मई को यह घटना किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हिर्री में घटित हुई । यह आरोप प्रीति मोहारे 27 वर्ष ने लगाते हुए किरनापुर पुलिस थाना में शिकायत की । किरनापुर पुलिस ने इस मामले में प्रीति मोहारे के पति प्रमोद मोहारे,सास ललिता मोहारे और ससुर कमल मोहारे के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट से की गई शिकायत के मुताबिक प्रीति का मायका ग्राम नेवरगांव का है। 14 जून 2020 को प्रीति का विवाह प्रमोद मोहारे के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुआ है। शादी के बाद से ही प्रीति अपने ससुराल में पति सास ससुर के साथ में रहने लगी थी विवाह लॉकडाउन के दौरान होने के कारण दान दहेज अधिक प्राप्त नहीं हुआ था। इसी बात को लेकर पति सास ससुर द्वारा कहा जाने लगा कि माता-पिता ने शादी के समय कम दहेज दिए हैं यह कहकर जहां प्रीति को ताने देने लगे थे वही दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे थे।पति शराब पीकर मारपीट करने लगा था और मायके से रुपए लाने के लिए परेशान करने लगा था। इस दौरान प्रीति ने एक पुत्र और पुत्री को जन्म दिये। बच्चों के जन्म होने के बाद भी पति और उसके साथ ससुर के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। प्रीति ने आप लगाई है कि शादी के समय उसके माता-पिता ने जो जेवर दिए थे। पति प्रमोद ने सभी जेवरों को बेच दिया और मायके से अपना हिस्सा के लिए परेशान करने लगा था ।इसी के साथ ही वह एक लाख रुपये और मोटरसाइकिल लाने के लिए प्रीति को परेशान करने लगा। प्रीति की छोटी बहन वसुंधरा की शादी उसके देवर से हुई है उसे भी प्रताड़ित करने लगे थे। बताया गया कि प्रीति के सास ससुर और पति कोई काम धंधा नहीं करते प्रीति मजदूरी करने जाती है तो मजदूरी की राशि उसका पति छीन लेता है और खाने पीने की कोई व्यवस्था नहीं करते। मारपीट करने की शिकायत किरनापुर पुलिस थाना में नहीं ली गई। इसके बाद प्रीति ने महिला पुलिस थाना बालाघाट में शिकायत की थी। किंतु अभी तक दर्ज नहीं की गई। 18 मार्च 20 26 और 23 मार्च 2026 को प्रीति से उसके पति ने 100000 रुपये और मोटरसाइकिल की मांग की गई ।किंतु प्रीति ने मना कर दिए ।उसके बाद पति सास ससुर के द्वारा उसके साथ मारपीट की गई और घर से निकाल दिए ।जिसकी रिपोर्ट करने प्रीति किरनापुर पुलिस थाना गई थी। किंतु उसके पहले ही पति और ससुर के द्वारा 181 में झूठी शिकायत करने की वजह से प्रीति की रिपोर्ट नहीं ली गई ।इसके बाद प्रीति ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को शिकायत की थी। किंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। इस प्रताड़ना के बाद भी प्रीति अपने ससुराल हिर्री भी में ही रह रही थीऔर वह अपने पति सास ससुर की प्रताड़ना का शिकार होते आ रही है

पति ससुर ने की मारपीट तो सास ने गला घोटने का किया प्रयास

किरनापुर पुलिस थाना में की गई शिकायत के मुताबिक 24 मई की सुबह 9ः00 बजे प्रीति जब घर में अपना घरेलू काम कर रही थी। उसी समय उसकी सास ललिता, प्रीति की मां और भाई को अश्लील गालियां गुप्तार कर रही थी। प्रीति ने उन्हें बोली की मेरे मायके वालों को क्यों गाली दे रही हो और उसने गालियां देने से मना की, तभी ललिता भड़क गई और उसने आवेश में आकर प्रीति को हाथबुक्के से मारपीट की यहां तक की मवेशी बांधने की रस्सी से उसका गला घोटने लगी। जिसका बचाव बहन वसुंधरा ने की। तब प्रीति को उसकी सास छोड़कर बाहर चली गई ।उसी समय प्रीति का पति प्रमोद वहां पर आया और उसने मां से लड़ाई झगड़ा करती है, कहकर प्रीति को हाथ बुक्के से मारपीट किया । तभी वहां प्रीति की सास ललिता और ससुर कमल आये जिन्होंने प्रीति को अश्लील गालियां देते हुए ससुर कमल ने प्रीति को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और हाथ बुक्के से बेरहमीपूर्वक मारपीट किया और जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी। बहन वसुंधरा ने बीच बचाव की थी।प्रीति ने अपनी मां जयलता कुतराहे भाई विनय कुतराहे फोन करके बुलाई। जिनके साथ प्रीति रिपोर्ट करने किरनापुर थाना पहुंची। किरनापुर पुलिस ने मारपीट में घायल प्रीति का इलाज और मुलाहिजा वही के अस्पताल में करवा और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति प्रमोद ,सास ललिता और ससुर कमल के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया।

पति समर्थ ने उगल दिया मौत की रात का राज, सामने आई चौंकाने वाली बात

ट्विशा के बदले हुए व्यवहार और उसके ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़े होने को वजह बताया

भोपाल। राजधानी में मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामला अब सीबीआई ने संभाल लिया है। सोमवार को सीबीआई ने भोपाल पुलिस से केस डायरी और तमाम दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर नए सिरे से एफआईआर दर्ज की है। इस घटनाक्रम के बीच, भोपाल की कटारा हिल्स पुलिस की 7 दिन की रिमांड ट्विशा के पति समर्थ सिंह से पूछताछ की जिसमें कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक समर्थ पूछताछ में ज्यादातर वही जवाब दे रहा है, जो शुरुआत से उसकी मां गिरीबाला सिंह कहती आई हैं। उसने पूरी घटना के पीछे ट्विशा के बदले हुए व्यवहार और उनके ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़े होने को वजह बताया है। समर्थ ने बताया कि शादी के बाद शुरुआती दिनों में उसके और ट्विशा के बीच रिश्ते पूरी तरह सामान्य थे। विवाद की शुरुआत 17 अप्रैल से हुई, जब ट्विशा को पता चला कि वह प्रेग्नेंट है। इसके बाद उसका व्यवहार अचानक बदल गया। समर्थ ने पुलिस के सामने दावा किया कि ट्विशा अक्सर मॉडलिंग और एक्टिंग से जुड़े होने की दुहाई देती थी। वह कहती थी कि वह एक साधारण घरेलू महिला वाली जिंदगी नहीं जी सकती और यह उसके लिए मुश्किल है। समर्थ के मुताबिक इसी बात को

लेकर अक्सर कहासुनी होती थी।

पूछताछ में समर्थ ने अप्रैल महीने की एक घटना का जिक्र करते हुए दोनों के बीच बढ़ती दूरियों की बात कही। समर्थ ने बताया कि अप्रैल में हमें एक साथ बेंगलुरु जाना था, लेकिन ऐन वक्त पर ट्विशा ने जाने से इनकार कर दिया और कहा कि उसे अपने भाई के पास अजमेर जाना है। समर्थ ने बताया कि वह अकेले बेंगलुरु चला गया और ट्विशा अजमेर के लिए निकल गई, लेकिन बाद में उसे पता चला कि ट्विशा अजमेर में सिर्फ एक दिन रुकी और उसे बिना बताए दिल्ली चली गई। इस बात को लेकर जब समर्थ ने आपत्ति जताई, तो दोनों के बीच विवाद और ज्यादा बढ़ गया।

ट्विशा की मौत वाली रात की कहानी बयां करते हुए समर्थ ने पुलिस को बताया कि उस दिन सब कुछ सामान्य था। उसने दावा किया कि रात को खाना खाने के बाद दोनों कुछ देर सोसाइटी के पार्क में टहले और फिर घर लौटकर टीवी देखने लगे। समर्थ ने दावा करते हुए कहा कि कुछ देर बाद वह सोने चला गया, जबकि ट्विशा नीचे जाकर अपने परिजनों से फोन पर बात करने लगी। देर रात मेरी मां गिरिबाला ने मुझे जगाया और कहा कि ट्विशा की मां का फोन आया था कि वह फोन नहीं उठा रही है।

समर्थ के मुताबिक जब दोनों ने घर में ट्विशा को ढूंढना शुरू किया, तो वह छत पर फंदे से लटकी मिली। समर्थ का दावा है कि उसने और उसकी मां ने मिलकर ट्विशा को फंदे से नीचे उतारा, सीपीआर दिया और तुरंत भोपाल एम्स लेकर भागे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद फरार हुए समर्थ ने पुलिस को बताया कि वह एक हफ्ते से ज्यादा समय तक जबलपुर में छिपा रहा। पकड़े जाने के डर से उसने अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया था ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस न कर सके। समर्थ के इस कबूलनामे के बाद अब भोपाल पुलिस और सीबीआई के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि फरारी के दौरान जबलपुर में समर्थ को किसने पनाह दी और उसकी मदद की? हालांकि, समर्थ ने अपने मददगारों के नाम उगलने से इनकार कर दिया है।

बता दें इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि एक महिला की असामयिक मौत बेहद गंभीर विषय है और इसकी सच्चाई सामने आना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वह इस मामले में अफवाहों और अटकलों से बचना चाहता है। कोर्ट ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बेटी को खोने का दर्द असहनीय होता है और कोर्ट परिवार की पीड़ा को समझती है। सुप्रीम कोर्ट ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में जांच एजेंसियों को अत्यंत जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ काम करना चाहिए।

सोच समझकर करेंआपत्तिजनक पोस्ट पर लाइक, कमेंट या शेयर, हो सकती है जेल

- पुलिस कमिश्नर ने जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश

भोपाल। सोशल मीडिया पर पोस्ट किये जा रहे नफरत और आपत्तिजनक पोस्ट पर अंकुश लगाने के लिये भोपाल पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। बीते दिनो कई शहरो में सोशल मीडिया पर फैलाई गई अफवाहो के माध्यम से बिगड़े माहौल और संभावित सांप्रदायिक तनाव को संज्ञान में लेते हुए पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत भोपाल में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश के तहत अब न सिर्फ भड़काऊ पोस्ट डालना, बल्कि ऐसे पोस्ट को लाइक, शेयर या फॉरवर्ड करना भी अपराध की श्रेणी में आएगा। पुलिस के अनुसार फेसबुक, वॉट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय कुछ असामाजिक समूह धार्मिक और जातिगत भावनाएं भड़काने वाले संदेश, फोटो और वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। इन गतिविधियों से दो समुदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई गई है। कमिश्नर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अक्सर मूल पोस्ट से ज्यादा उसके कमेंट और क्रॉस-कमेंट माहौल बिगाड़ते हैं। बिना जिम्मेदारी के किए गए द्वेषपूर्ण और अश्लील कमेंट समाज में तनाव पैदा कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया गतिविधियों पर व्यापक नियंत्रण लागू किया गया है।

आपतिजनक पोस्ट पर लाइक, कमेंट, शेयर करना भी अपराध

जारी आदेश में कहा गया है की धार्मिक, सामाजिक या जातिगत भावनाएं भड़काने वाले किसी भी कंटेंट को शेयर करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, आपत्तिजनक पोस्ट पर लाइक, कमेंट, शेयर या फॉरवर्ड करना भी अपराध माना जाएगा। यह भी कहा गया है की अपने समूह में ऐसे कंटेंट को रोकने की जिम्मेदारी ग्रुप एडमिन की है, और अफवाह फैलाने या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रसारित करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बिना पहचान के इंटरनेट उपयोग न करने दे साइबर कैफे संचालक

आदेश में साइबर कैफे संचालकों के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को इंटरनेट उपयोग की अनुमति नहीं होगी। हर उपयोगकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर और पहचान विवरण रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य होगा। साथ ही, वेब कैमरा से फोटो रिकॉर्ड रखना भी जरूरी किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय अपराध होगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा, जब तक इसे वापस नहीं लिया जाता। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश एकपक्षीय रूप से जारी किया गया है। हालांकि, इससे प्रभावित व्यक्ति धारा 163 के तहत पुलिस आयुक्त के न्यायालय में अपील कर सकता है।

बरगी क्रूज हादसे की न्यायिक जांच शुरू

जबलपुर। बरगी डैम में 30 अप्रैल को हुए क्रूज हादसे की न्यायिक जांच अब औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 43 में जांच आयोग के अध्यक्ष जस्टिस संजय द्विवेदी के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानूनी और तकनीकी बिंदु आयोग के सामने रखे। इस हादसे में 13 पर्यटकों की मौतें हुई थी।

मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे और अधिवक्ता वेदप्रकाश अधौलिया ने आयोग के समक्ष दायर याचिका में कहा कि इंडियन वेसेल्स एक्ट 2021 के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो जांच प्रक्रिया पूरी होने से पहले किसी दुर्घटनाग्रस्त क्रूज को नष्ट करने की अनुमति देता हो। साथ ही जिला प्रशासन को भी किसी हादसे का शिकार हुए क्रूज को जांच से पहले नष्ट करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

वैधानिक पहलुओं को जांच में शामिल किया जाएगा

आयोग ने इन बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए कहा कि नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच द्वारा उठाए गए सभी वैधानिक पहलुओं को जांच में प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी सुनवाई में मंच को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा।

मप्र के चीतों से गुलजार होंगे गुजरात, राजस्थान सहित चार राज्य

भोपाल । मप्र के कूनो की शान बने चीतों को तीन अन्य राज्यों में भी बसाने की प्लानिंग की जा रही है। इसकी शुरुआत जल्द ही मध्य प्रदेश से सटे गुजरात से की जा रही है। गुजरात के बन्नी में चीतों को बसाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। गुजराज के बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के जंगलों में भी बसाया जाएगा। मध्य प्रदेश के गांधी सागर को मिलाकर कूनो नेशनल पार्क में अभी 53 चीते घूम रहे हैं। इनमें से एक राजस्थान की सीमा में जबकि शेष मध्य प्रदेश में हैं।

मध्य प्रदेश के बाद जल्द ही गुजरात के बन्नी में चीतों को बसाए जाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गुजरात के कच्छ इलाके के बन्नी में चीतों को बसाया जाएगा। इसके लिए एनटीसीए पहले ही अनुमति दे चुका है। बन्नी में अगले एक साल में 12 चीतों को बसाए जाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के बाद गुजरात दूसरा राज्य बन जाएगा, जहां चीते होंगे। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश के कूनो से कुछ चीतों को बन्नी ट्रांसलोकेशन किया जा सकता है और बन्नी के घास के मैदान चीतों को खूब पसंद आएंगे। बन्नी में चीतों को बसाए जाने के पहले गुजरात का वन अमला कूनो से जुड़ी बारीकियों को समझने के लिए दो बार कूनो आ चुका है। इसके अलावा कूनो प्रबंधन भी बन्नी जाकर वहां की व्यवस्थाओं को देख चुका है।

बन्नी के बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़ और यूपी में पहुंचेंगे चीते

कूनो टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर उत्तम शर्मा कहते हैं कि चीता हमेशा से भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का केन्द्र रहा है। प्रदेश के खरबई में 6 हजार साल पहले की पेंटिंग में चीता दिखाया गया है, जो दिखाता है कि हिमालयी क्षेत्र को छोडक़र पूरे देश में चीता पाया जाता था। इसलिए चीता को मध्य प्रदेश के अलावा दूसरा क्षेत्र भी पसंद आएगा। एमपी में अभी चीता कूनो के आसपास के 5 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घूम रहा है। कूनो से निकलकर कई चीते राजस्थान तक पहुंचे बाद में वापस भी आए गए। चीता को गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश के संजय डुबरी के क्षेत्र में भी बसाए जाने की योजना है। यह क्षेत्र मध्य प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास नेशनल पार्क, राजस्थान के बांरा स्थित शेरगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य में भी बसाए जाने की योजना है। कूनो से निकलकर केपी-2 और केपी 3 शेरगढ़ के जंगलों में पहुंच चुके हैं। राजस्थान में आखिरी बार चीता को 1949 में देखा गया था, लेकिन अब चीतों की आवाजादी चीता कॉरिडोर की नई उम्मीदें जगा रहा है।

मप्र में 18 हजार वर्ग किलोमीटर में घूमेंगे चीता

मध्य प्रदेश में अभी चीता 5 हजार वर्ग किलोमीटर में घूम रहे हैं। यह पूरा एरिया कूनो के आसपास लगा जंगली क्षेत्र है। उत्तम शर्मा कहते हैं, कूनो से गांधीसागर के बाद जल्द ही नौरादेही भी चीतों का नया घर बनने जा रहा है। उधर नौरादेही के बाद माधव नेशनल पार्क में भी चीतों को बसाए जाने की तैयारी है। इसके अलावा विभाग कूनो गांधी सागर मेटापॉपुलेशन लैंडस्केप को चीतों के लिए विकसित करने की तैयारी कर रहा है। कूनो से लेकर गांधी सागर तक का यह 18 हजार वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र होगा, इसको तैयार किए जाने का काम चल रहा है।

कांग्रेस चलाएगी ऑनलाइन युवा सदस्यता अभियान

- शिक्षा, नीट और पेपर लीक जैसे मुद्दो लेकर युवाओं को पार्टी से जोड़ेगी पार्टी

भोपाल। मप्र कांग्रेस ने युवाओं से सीधे जुडऩे की रणनीति तैयार की है। कांग्रेस की एनएसयूआई बिंग प्रदेश भर के कॉलेजों में अब युवाओं को जोडऩे के लिए ऑनलाइन सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है। सदस्यता अभियान के बाद एनएसयूआई के संगठनात्मक चुनाव कराएगी। कांग्रेस ने इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली है। कॉलेज के नए साल की शुरूआत के साथ ही कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी, नीट जैसी परीक्षा के लगातार पेपर लीक, बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं को पार्टी से जोड़ेगी। इसके बाद कॉलेज, जिला, संभाग और प्रदेश स्तरीय चुनाव भी कराए जाएंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए इलेक्शन कमेटी का गठन कर दिया है। कांग्रेस ने 11 साल पहले प्रदेश ने एनएसयूआई के संगठनात्मक चुनाव कराए थे।

रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन ऐप तैयार करा रही पार्टी

भारतीय राष्टीय छात्र संगठन द्वारा प्रदेश भर में युवाओं को जोडऩे के लिए 1 माह का अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदेश भर के कॉलेजों में युवाओं को संगठन से जोड़ा जाएगा। इस अभियान के लिए एक मोबाइल ऐप भी तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए स्टूडेंट्स ऑनलाइन संगठन की सदस्यता ले सकेंगे। यह अभियान एक माह तक चलेगा। सदस्यता अभियान के बाद शैक्षणिक संस्थानों में संगठनात्मक चुनाव भी कराए जाएंगे। चुनाव की प्रक्रिया भी ऑनलाइन होगी। इसमें स्टूडेंट्स ऑनलाइन वोटिंग कर सकेंगे। चुनाव के लिए आयु सीमा भी अधिकतकम 27 साल तय की गई है। स्टूडेंट्स को एनएसयूआई विभिन्न पदों पर चुनाव लडऩे का अधिकार मिलेगा।

2015 में आखिरी बार हुआ था संगठनात्क चुनाव

एनएसयूआई के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी कहते हैं कि मध्य प्रदेश में सरकार प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव ही नहीं कराना चाहती, जबकि लंबे समय से इसको लेकर एनएसयूआई द्वारा मांग उठाई जाती रही है। सरकार की बेरूखी को देखते हुए एनएसयूआई पूरे मध्य प्रदेश में अपना संगनात्मक चुनाव कराने जा रही है, ताकि राजनीति में रूचि रखने वाले युवाओं को आगे बढऩे का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जा सके। कांग्रेस ने इसके पहले 2015 में एनएसयूआई के संगठनात्मक चुनाव कराए थे। अब करीब 11 साल बाद कांग्रेस जिला, संभाग और प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक चुनाव कराएगी।

कलेक्टर्स आबकारी नीति का कड़ाई से कराएं पालन- उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जिलों के कलेक्टर्स को आबकारी व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन ने वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा निर्देश दिए हैं कि आबकारी विभाग अब अवैध रूप से संचालित शॉप बार, समय सीमा के उल्लंघन और ओवर रेटिंग जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य व्यापी विशेष अभियान चलाया जाए। नियमों की अनदेखी करने वाले मदिरा ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार आबकारी नीति का कड़ाई से पालन कराया जाएं। उन्होंने आबकारी विभाग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय ने सभी जिला अधिकारियों को बिंदुवार दिशा-निर्देश जारी कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। सरकार के इस कदम से अवैध रूप से मदिरा का विक्रय और उपभोग कराने वाले तत्वों पर शिकंजा कसेगा।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि नीतिगत प्रावधानों में प्रदेश की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानों को पूरी तरह ऑफ श्रेणी का घोषित किया गया है, जिसके तहत दुकान परिसर या उसके आसपास मदिरा सेवन की सुविधा उपलब्ध कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने

नियमों के उल्लंघन करने की शिकायतों की सघन जांच के लिए विशेष दलों का गठन कर औचक निरीक्षण के बाद अवैध अहातों और उपभोग स्थलों को बंद करने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इसके साथ ही, मदिरा दुकानों के निर्धारित समय से पहले खुलने और बंद होने के तय वक्त के बाद भी देर रात तक मदिरा की बिक्री किए जाने के मामलों को गंभीरता से लिया गया है। राजपत्र में निर्धारित समय सीमा का कड़ाई से पालन कराने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें गश्त करेंगी। वहीं, उपभोक्ताओं से तय मूल्य से अधिक राशि वसूलने यानी ओवर रेटिंग की शिकायतों पर रोक लगाने के लिए प्रत्येक दुकान पर विक्रय दरों का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। उन्होंने निर्देशित किया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मदिरा की वास्तविक दरों के सत्यापन के लिये दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा किए जाएं। कोई भी ठेकेदार यदि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर मदिरा बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ राजपत्र के प्रावधानों के तहत भारी जुर्माना और लाइसेंस निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई की जाएं।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा है कि प्रदेश के पवित्र घोषित किए गए नगरों और क्षेत्रों में मदिरा की अवैध बिक्री पर भी पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गये हैं। इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पूर्व से ही मदिरा दुकानों को पूरी तरह बंद रखने के आदेश लागू हैं। अब वहां किसी भी प्रकार के शराब के अवैध परिवहन या बिक्री को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

'अध्यक्ष' नहीं लड़ेंगा चुनाव!

-मिशन 2028 के लिए भाजपा ने तैयार की गाइडलाइन

भोपाल। मप्र में भाजपा अब धीरे-धीरे चुनाव मोड में आने लगी है। 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के साथ ही भाजपा ने मिशन 2028 की तैयारी भी तेज कर दी है। पार्टी का खास फोकस विधानसभा चुनाव पर है। इसके लिए पार्टी ने टिकट वितरण की गाइडलाइन भी तय बना ली गई है। सूत्रों के मुताबिक निगम-मंडलों और बोर्डों में नियुक्त किए गए अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलेगा। पार्टी ने नियुक्ति से पहले ही इन नेताओं से एक तरह का राजनीतिक कमिटमेंट और अंडरटेकिंग लिया है कि वे संगठन के लिए काम करेंगे तथा विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी नहीं करेंगे। लेकिन ये सभी पदाधिकारी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के लिए पूरा दमखम लगाएंगे।

गौरतलब है कि मप्र ने 2028 विधानसभा चुनाव को लेकर पहले से सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। पार्टी सत्ता और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ चुनावी तैयारियों को समय से पहले धार देने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी रणनीति के तहत हाल ही में प्रदेश सरकार ने विभिन्न निगम, मंडल, बोर्ड और आयोगों में नेताओं की नियुक्तियां की हैं, लेकिन इन नियुक्तियों के साथ भाजपा ने एक बड़ा और सख्त राजनीतिक संदेश भी दे दिया है। यानी ये पदाधिकारी चुनाव नहीं लड़ेंगे। भाजपा का मानना है कि यदि इन पदाधिकारियों को चुनावी टिकट की उम्मीद रहेगी तो वे अपने व्यक्तिगत राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देंगे, जबकि पार्टी उन्हें संगठन विस्तार और कमजोर क्षेत्रों को मजबूत करने के मिशन में लगाना चाहती है। प्रदेश सरकार ने करीब 18 विभागों से जुड़े 63 से अधिक नेताओं को विभिन्न निगम-मंडलों, प्राधिकरणों और आयोगों में जिम्मेदारी दी है। इनमें कई ऐसे चेहरे शामिल हैं जो पिछले विधानसभा चुनाव में हार गए थे या लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका की अपेक्षा कर रहे थे। राजनीतिक गलियारों में इन नियुक्तियों को एक तरह से राजनीतिक पुनर्वास के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि भाजपा नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि इन पदों पर बैठाए गए नेताओं की भूमिका केवल सम्मानजनक समायोजन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन्हें संगठनात्मक मोर्चे पर सक्रिय जिम्मेदारी निभानी होगी।

नो होम टर्फ रणनीति पर भाजपा

भाजपा इस बार चुनावी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए नो होम टर्फ फार्मूले पर काम कर रही है। इसके तहत निगम-मंडल अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को उनके गृह क्षेत्र या पसंदीदा विधानसभा क्षेत्र में जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। पार्टी उन्हें उन सीटों पर भेजेगी जहां पिछले चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था या जहां संगठन कमजोर माना जा रहा है। भाजपा रणनीतिकारों का मानना है कि बाहरी नेता को जिम्मेदारी देने से स्थानीय गुटबाजी, आपसी खींचतान और भीतरघात की संभावना कम होगी। साथ ही नया प्रभारी स्थानीय समीकरणों से प्रभावित हुए बिना संगठन को मजबूत करने पर फोकस कर सकेगा। पार्टी का उद्देश्य है कि हर कमजोर विधानसभा क्षेत्र में अगले ढाई से तीन वर्षों तक लगातार राजनीतिक गतिविधियां चलती रहें ताकि चुनाव आते-आते संगठन पूरी तरह सक्रिय और मजबूत स्थिति में दिखाई दे।

ढाई साल पहले शुरू हुई चुनावी तैयारी

आमतौर पर राजनीतिक दल चुनाव से कुछ महीने पहले संगठनात्मक गतिविधियां तेज करते हैं, लेकिन भाजपा ने इस बार 2028 विधानसभा चुनाव के लिए लगभग तीन साल पहले ही मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। पार्टी ने निगम-मंडलों में नियुक्त नेताओं को बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता समन्वय, जनसंपर्क अभियान और स्थानीय मुद्दों पर पकड़ मजबूत करने का लक्ष्य दिया है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि यदि कोई नेता लंबे समय तक किसी क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहता है तो वहां संगठन को स्थायी मजबूती मिलती है। यही वजह है कि पार्टी ने इन पदाधिकारियों को केवल औपचारिक जिम्मेदारी न देकर सीधे जमीनी राजनीति में उतारने की तैयारी की है। संगठन चाहता है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर तक सक्रिय नेटवर्क तैयार हो, ताकि चुनाव के समय अलग से तैयारी करने की जरूरत न पड़े।

नगरीय निकाय चुनाव सत्ता का सेमीफाइनल

भाजपा की रणनीति केवल विधानसभा चुनाव तक सीमित नहीं है। पार्टी 2026-27 में होने वाले नगरीय निकाय चुनावों को भी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल मानकर चल रही है। यही कारण है कि संगठन ने अभी से नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद स्तर पर चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। हाल ही में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मोर्चा प्रभारियों और संभाग प्रभारियों की बैठक लेकर नगरीय निकाय चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में संगठन के सभी प्रमुख पदाधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने और कमजोर वार्डों की पहचान कर वहां विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए। भाजपा का लक्ष्य इस बार केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि शहरी वोट बैंक को स्थायी रूप से मजबूत करना है।

नाबार्ड के सॉफ्टवेयर से जुड़ेंगी 5207 सहकारी समितियां

- सहकारी समितियों पर अब होगा दिल्ली नियंत्रण

भोपाल। प्रदेश की 5207 सहकारी समितियों को अब नाबार्ड के डिजिटल सॉफ्टवेयर सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इस नई व्यवस्था के तहत समितियों के कामकाज, लेन-देन, खाद-बीज वितरण और किसानों को दिए जाने वाले ऋण की पूरी जानकारी ऑनलाइन दर्ज होगी। सरकार का दावा है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और गड़बड़ियों पर रोक लग सकेगी।

हालांकि, इस फैसले को लेकर सहकारी क्षेत्र में चिंता भी बढ़ रही है। कई समितियों के पदाधिकारियों का कहना है कि अब स्थानीय स्तर पर फैसले लेने की स्वतंत्रता कम हो जाएगी और दिल्ली से सीधे निगरानी बढ़ेगी। किसानों को आशंका है कि तकनीकी खामियों या नेटवर्क समस्या के कारण खाद और ऋण वितरण प्रभावित हो सकता है।

जानकारी के अनुसार, नाबार्ड ने डिजिटल सिस्टम लागू करने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके तहत समितियों में कंप्यूटर, इंटरनेट और ऑपरेटर की व्यवस्था की जा रही है। सरकार का कहना है कि इससे भ्रष्टाचार कम होगा और किसानों को योजनाओं का लाभ तेजी से मिलेगा। वहीं विपक्ष इसे सहकारी संस्थाओं पर केंद्रीकृत नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश बता रहा है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली । अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी । टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रहा है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है –

गोलकीपर- मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्स- हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्स- हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्स- मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

पेरिस। यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार

खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7 (6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6 (3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है।

मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब

उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

भुवनेश्वर ने अपनी सफलता का श्रेय कोच और सहायक स्टाफ को दिया

धर्मशाला । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का प्रदर्शन इस 19 वें सत्र में काफी अच्छा रहा है। टीम के फाइनल में पहुंचने में भी भुवनेश्वर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं इस तेज गेंदबाज का कहना है कि उनकी सफलता के पीछे सहायक स्टाफ और कोच हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जीत का बहुत सारा श्रेय पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाले लोगों को जाता है, वे ही असली विजेता हैं।

सहायक स्टाफ के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक सामूहिक प्रयास से ही संभव हुआ। उन्होंने कहा, जीत में सबका योगदान है। हेजलवुड और मेरे जैसे अनुभवी खिलाड़ी मैदान पर जो अनुभव लाते हैं, वह एक बात है पर सहायक स्टाफ जो छोटी-छोटी चीजें लाते हैं, उनपर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है। जब हेजलवुड और मेरे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की बात आती है और हम उनके सुझावों को स्वीकार करते हुए नियम लागू करते हैं, तो यह हमारे लिए, फायदेमंद साबित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि टीम पहले मैच से ही इस रवैये को अपना रही है, जिससे उन्हें लगातार सहायता मिली है।

वहीं आरसीबी के आंकलन के लिए, डेटा का उपयोग करने को लेकर है, भुवनेश्वर कुमार ने स्वीकार किया कि टीम डेटा के प्रति सजग है। उन्होंने कहा, हम डेटा से अवगत हैं। अगर खिलाड़ी कुछ नया कर रहे हैं, तो हम निश्चित रूप से उस पर ध्यान देते हैं और उसे अपनाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, हम पूरी तरह से डेटा पर निर्भर नहीं हैं, लेकिन हां, इससे हमें मदद मिलती है। अपनी गेंदबाजी योजनाओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, यह योजना का एक अहम हिस्सा है। हमारी कोशिश होती है कि बल्लेबाजों को बाउंड्री लगाने का कोई मौका न मिले और हम उन्हें एलबीडब्ल्यू या बोल्ड आउट करने का प्रयास करें।

पहले क्वालिफायर मुकाबले में भुवनेश्वर ने 28 रन देकर 2 महत्वपूर्ण लिए थे। लीग के शुरुआत से ही उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। जिससे वह पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं।

होल्डर के सामने फिर असफल रहे विराट

धर्मशाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही क्वालिफायर मुकाबले में शानदार जीत दर्ज कर आईपीएल के 19 वें सत्र के फाइनल में जगह बनायी है। इस मैच में आरसीबी ने 20 ओवर में विकेट खोकर 254 रनों का विशाल स्कोर बनाया जिसके जवाब में टाइटंस केवल 162 रन ही बना पायी। इस प्रकार आरसीबी ने 92 रनों से शानदार जीत हासिल की।

इस मैच में कप्तान रजत पाटीदार ने बसेस अधिक 93 रन बनाये। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आक्रामक शुरुआत करने के बाद 43 रन बनाकर एक बार फिर जेसन होल्डर का शिकार बने। वह जिस तेजी से रन बना रहे थे, उसे देखकर लग रहा था कि वह आज एक बहुत बड़ी पारी खेलने वाले हैं पर होल्डर के आते ही उनकी पारी पर अंकुश लग गया। होल्डर की गेंदबाजी के सामने वह सहज नहीं दिखे और उन्होंने विकेट खो दिया। कोहली का यह विकेट सामान्य बात नहीं है क्योंकि पहले भी कई बार ऐसा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, होल्डर के सामने विराट कुछ न कुछ गलती कर देते हैं। वह अन्य गेंदबाजों के खिलाफ खुलकर खेलते हैं पर जेसन होल्डर के सामने आत्मसमर्पण कर देते हैं। होल्डर ने हर बार भी विराट को कोई अवसर नहीं देते हुए रनों के लिए संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे।

बुमराह के लिए, यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक

ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है।

डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे। यह भी याद रखन चाहिये कि आईपीएल से पहले टी20 विश्व कप में उन्होंने भारतीय टीम को जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

बुमराह का तरोताजा होने के लिए प्रबंधन ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए आराम दिया है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें। इस साल टीम इंडिया का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहने वाला है और ऐसे में मुख्य गेंदबाजों की फिटनेस प्रबंधन की प्राथमिकता है।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीछे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की

साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली यह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

आरसीबी के आईपीएल 2026 के फाइनल तक के सफर में बने कई रिकार्ड

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में बड़ी जीत के साथ ही फाइनल में प्रवेश किया है। धर्मशाला के स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जीत के दौरान आरसीबी ने कई रिकार्ड अपने नाम किये। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 254 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस की टीम 162 रन ही बना पायी। इस प्रकार आरसीबी को 92 रनों से जीत मिली। प्लेऑफ के अब तक के आंकड़े देखें तो यह जीत रनों के मामले में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले साल 2008 में राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 105 रन से हराया था। वहीं आरसीबी ने इससे पहले साल 2015 में राजस्थान रॉयल्स को 71 रनों से हराया था।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने साल 2012 में दिल्ली को 86 रन जबकि मुंबई इंडियंस ने 2023 में लखनऊ सुपर जाइंट्स को 81 रन से पराजित किया था। गुजरात और आरसीबी के बीच खेले गए नौ मुकाबलों में यह पहली बार था जब पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती हो। इससे पहले हर मैच में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ही जीती है।

वहीं रनों के हिसाब से गुजरात टाइटंस की ये दूसरी सबसे बड़ी हार रही। इसी सत्र में सइसे पहले मुंबई इंडियंस ने उन्हें 99 रन से हराया था। आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इस सत्र में अब तक 26 विकेट लिए हैं, जिससे वह एक सत्र में आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं साल 2021 में

हर्षल पटेल ने 32 विकेट जबकि 2022 में वानिंदु हसरंगा ने भी 26 विकेट लिए थे। आर. विनय कुमार ने साल 2013) और युजवेंद्र चहल ने साल 2015 में 23-23 विकेट लिए थे।

इसके अलावा लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंचकर आरसीबी ने एक और बड़ी उपलब्धि भी हासिल की है। आईपीएल इतिहास में अब तक कुछ ही टीमें ये रिकार्ड बना पायी हैं। जिन्होंने खिताब जीतने के बाद अगले सत्र के फाइनल में भी जगह बनाई हो। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010-11, 2011-12 और 2018-19 में, मुंबई इंडियंस ने 2019-20 में और गुजरात टाइटंस ने 2022-23 में यह उपलब्धि हासिल की थी। आरसीबी 2025 में खिताब जीतने के बाद अब 2026 में एक बार फिर दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। इसके साथ ही, आरसीबी आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा फाइनल खेलने वाली तीसरी टीम भी बन गई है। वह अब तक 5 बार फाइनल में पहुंची है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स 10 और मुंबई इंडियंस छह बार में पहुंची थी।

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है।

फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है।

इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने इंग्लैंड कैंप में भी अभ्यास किया था।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीडियों कांफ्रेंस में दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने 27 मई को प्रदेश के सभी 55 जिलों में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक लेकर शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों, विकासकार्यों एवं कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस वीडियों कांफ्रेंस में कलेक्टर श्री मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, वनमण्डलाधिकारी श्री नित्यानंद एल, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन एवं सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने वीडियों कांफ्रेंस में कहा कि लोक सेवा गारण्टी, जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। इनके निराकरण में प्रशासन की संवेदनशीलता नजर आना चाहिए। सडक दुर्घटनाओं के घायलों के उपचार के लिए पीएम राहत योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए बालाघाट जिला प्रशासन की सराहना की गई।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि पीएम राहत योजना का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए बालाघाट जिले में अच्छी उपलब्धि के लिए सराहना की गई। मुख्य सचिव श्री जैन ने 26 मई को लालबर्रा तहसील के ग्राम पलाकामटी में खनिज माफिया द्वारा पुलिस जवान पर ट्रेक्टर चढ़ाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए और उनके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और हत्या करने का प्रयास का प्रकरण दर्ज किया जाए।

जननी सुरक्षा एवं प्रसुति सहायता योजनाओं की समीक्षा

बैठक में सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग की जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसुति सहायता योजना की सहायता राशि वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि इन दोनो योजनाओं के हितग्राहियों को राशि का शीघ्र वितरण किया जाए और कोई भी पात्र हितग्राही महिला इन योजनाओं के लाभ से वंचित नही रहना चाहिए। बैठक में बताया गया कि इन योजनाओं में सहायता राशि वितरण के प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित है और सीएम हेल्पलाईन में भी इस संबंध में प्रकरण दर्ज कराये गए है। अतः इन प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जाए।

किसानों को ई-विकास पोर्टल से उर्वरक वितरण

बैठक में किसानों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक वितरण के निर्देश दिये गए। इसके लिए सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से बनाने के निर्देश दिये गए। ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्थित तरीके से हो रहा है और किसानों को उर्वरक के लिए लाइन लगाने की जरूरत नही पड रही है। खरीफ फसलों के लिए प्रदेश में उर्वरक का पर्याप्त भण्डारण कर लिया गया है और उर्वरक की कमी नही है।

बलराम तालाब, पीएमएफएमई एवं पशुपालन योजनाओं पर जोर

बैठक में बलराम तालाब, नरवाई प्रबंधन की समीक्षा की गई और पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। पशुपालन विभाग को क्षीरधारा एवं कामधेनु योजना में लक्ष्य के अनुरूप ऋण प्रकरण तैयार करने तथा पशुओं का 100 प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने कहा गया। मत्स्यपालन के लिए बडे जलाशयों में लक्ष्य के अनुरूप केज कल्चर लगाने के निर्देश दिये गए।

पेयजल व्यवस्था एवं जल स्रोतों के रखरखाव पर विशेष ध्यान, अमृत-2.0, स्वच्छता एवं आपदा प्रबंधन की हुई समीक्षा

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय व्यवस्था पर कडी निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आमजन को पेयजल की समस्या नही होना चाहिए। इसके लिए जल स्त्रोत एवं हैंडपंपों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने कहा गया। वीडियों कांफ्रेंस में नगरीय निकाय की अमृत-2.0, स्वच्छता सर्वेक्षण, कचरा प्रबंधन, जल गंगा संवर्धन अभियान, राजस्व विभाग के नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, लोकसेवा गारण्टी, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों एवं वर्षा ऋतु के पूर्व बाढ आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की समीक्षा के दौरान गेहूँ विक्रय करने वाले किसानों को शीघ्रता से भुगतान करने कहा गया।

नोएडा में तीन दिन के लिए धारा 163 लागू

नोएडा। आगामी त्योहारों, श्रमिक गतिविधियों और विभिन्न संगठनों द्वारा संभावित धरना-प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन बड़ा कदम उठाया है। जिले में 28 मई से 30 मई तक धारा 163 लागू कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है।

प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार इन तीन दिनों के दौरान बिना अनुमति किसी भी प्रकार की सभा, प्रदर्शन, धरना या भीड़ एकत्र करने पर रोक रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा पुलिस और जिला प्रशासन ने नागरिकों से राज्य सरकार तथा पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि त्योहारों के दौरान भीड़भाड़ बढ़ने और विभिन्न संगठनों की गतिविधियों के चलते सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पहले से ही सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और चौराहों पर गश्त और चेकिंग अभियान तेज कर दिए गए हैं। पुलिस टीमों को लगातार निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं साझा न करने की भी अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में शांति और व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

अधिकारियों के अनुसार अगले तीन दिनों तक नोएडा में विशेष निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू रहेगी, ताकि त्योहारों और अन्य गतिविधियों के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूचियों के लिए शुरू की गई विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार देते हुए कहा...

एसआईआर प्रक्रिया में कोई खामी नहीं पाई गई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूचियों के लिए शुरू की गई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार देते हुए चुनाव आयोग को बड़ी राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि केवल इसलिए इस प्रक्रिया को अवैध नहीं ठहराया जा सकता कि यह मतदाता सूची संशोधन की सामान्य प्रक्रिया से अलग है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों की शुद्धता सुनिश्चित करने का अधिकार प्राप्त है और एसआईआर उसी अधिकार के दायरे में की जा रही प्रक्रिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह कानून के अनुरूप है। कोर्ट ने यह भी माना कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेज मनमाने नहीं हैं। पीठ ने कहा, 11 दस्तावेजों पर विचार किए जाने के बाद और हमारे आदेश के बाद आधार कार्ड को भी शामिल किए जाने के चलते यह नहीं कहा जा सकता कि आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेज अनुचित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति की पात्रता को लेकर चुनाव आयोग संतुष्ट नहीं होता है, तो ऐसे मामलों को कानून के तहत केंद्र सरकार के सक्षम प्राधिकारी के पास भेजना आयोग की जिम्मेदारी होगी।

चुनाव आयोग ने कानून के तहत किया काम

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं किया और पूरी कार्रवाई कानूनी दायरे में रहकर की गई। अदालत ने साफ किया कि इस प्रक्रिया में कोई खामी नहीं पाई गई है और यह आगे भी जारी रहेगी।

मुंबई में 'बैंक जिहाद' का आरोप, महिला कर्मचारी और बेटी के लापता होने से मचा हड़कंप

मुंबई। महाराष्ट्र ले नाशिक में कथित 'कॉर्पोरेट जिहाद' मामले की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि अब मुंबई में एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मुंबई के नरिमन पॉइंट स्थित एक प्रतिष्ठित निजी बैंक की शाखा में कथित तौर पर 'बैंक जिहाद' चलाए जाने का गंभीर आरोप लगाया गया है। यह आरोप एक पीड़ित पति ने लगाया है, जिसने दावा किया है कि उसकी पत्नी को सुनियोजित तरीके से धर्म परिवर्तन के लिए प्रभावित किया गया। पीड़ित पति के अनुसार, उसकी पत्नी बैंक में कर्मचारी के रूप में कार्यरत है। पिछले कुछ महीनों से उसके व्यवहार में अचानक बड़ा बदलाव देखने को मिला। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी इस्लाम धर्म की परंपराओं और रीति-रिवाजों का पालन करने लगी थी। इतना ही नहीं, उसने अपनी 8 वर्षीय बेटी का भी धर्म परिवर्तन कराने की इच्छा जताई थी। पति का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम ने परिवार को गहरे मानसिक तनाव में डाल दिया है और घर का माहौल पूरी तरह बदल गया था। पीड़ित पति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी का बैंक के ही एक सहकर्मी से संपर्क बढ़ा था। उसी व्यक्ति ने कथित तौर पर उस पर इस्लाम स्वीकार करने का दबाव बनाया। पति ने इसे केवल प्रेम संबंध का मामला मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह एक बड़े नेटवर्क या सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है, जिसका उद्देश्य हिंदू महिलाओं को भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक रूप से अपने जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराना है। मामले में एक और बड़ा आरोप आर्थिक शोषण का लगाया गया है। पति के अनुसार, बैंक के एक अन्य कर्मचारी ने उसकी पत्नी पर दबाव डालकर बैंक से बड़ा कर्ज दिलवाया और उस रकम का बड़ा हिस्सा दूसरे खातों में ट्रांसफर कराया गया। शिकायत में दावा किया गया है कि महिला को योजनाबद्ध तरीके से मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर बनाकर धर्म परिवर्तन की ओर धकेला गया।

उदयपुर से पत्नी और बेटी लापता

स्थिति बिगड़ती देख पति अपनी पत्नी और बेटी को राजस्थान के उदयपुर स्थित अपने पैतृक घर ले गया था। लेकिन वहां से भी 18 अप्रैल 2026 की सुबह दोनों अचानक लापता हो गईं। पति को संदेह है कि बैंक का वही कर्मचारी उन्हें अपने साथ ले गया है। इस मामले में उदयपुर के सुखेर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस जांच में जुटी हुई है।

बैंक प्रशासन ने साधी चुप्पी

जब इस मामले को लेकर संबंधित बैंक प्रशासन से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने कोई आधिकारिक बयान देने से इनकार कर दिया। वहीं पीड़ित पति ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर पत्नी की तत्काल ट्रांसफर उदयपुर या आसपास के क्षेत्र में करने की मांग की है, ताकि उसे कथित प्रभाव से दूर रखा जा सके।

कॉर्पोरेट जगत में बढ़ी चिंता

मुंबई में सामने आए इस मामले ने कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं की सुरक्षा, कार्यस्थल पर बढ़ते प्रभाव और कथित धर्म परिवर्तन जैसे मुद्दों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर एक्शन लेगी सरकार!

संसद सत्र में महाभियोग प्रक्रिया को जारी रखेगी

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा द्वारा अपने पद से इस्तीफा दिए जाने के बावजूद सरकार उनके खिलाफ प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के मूड में नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार अभी तक जस्टिस वर्मा के इस्तीफे को मंजूरी नहीं मिली है। दावा किया जा रहा है कि सरकार आगामी मॉनसून सत्र में उन्हें पद से हटाने का महाभियोग पर संसद में चर्चा करा सकती है। जस्टिस वर्मा के पूरे मामले की जांच कर रही विशेष समिति अपनी रिपोर्ट लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को सौंप चुकी है। हालांकि समिति की रिपोर्ट को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि रिपोर्ट में लगे आरोपों को गंभीरता से लिया गया है। यही वजह है कि इस्तीफे के बाद भी सरकार इस मामले को तार्किक अंत तक ले जाना चाहती है, ताकि भविष्य के लिए एक सख्त संदेश दिया जा सके।

पारदर्शिता को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता

सरकार से जुड़े जानकारों का मानना है कि सरकार इस कार्रवाई के जरिए पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाना चाहती है। दूसरी ओर, विपक्ष भी इस मुद्दे पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है और मॉनसून सत्र में महाभियोग को लेकर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी बहस होने के पूरे आसार हैं। इससे पहले पिछले हफ्ते जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच कर रही एक जांच समिति ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर जले हुए नोट मिलने के बाद उन्हें हटाने की कार्यवाही शुरू की गई थी।

एअर इंडिया की डोमेस्टिक फ्लाइट्स 22 प्रतिशत तक घटाएगी

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयरलाइन एअर इंडिया ने अपनी घरेलू उड़ानों में 22 प्रतिशत तक की कटौती करने का फैसला लिया है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच प्रभावी रहेगा। भारी वित्तीय घाटे और ऑपरेशनल कॉस्ट में बढ़ोतरी का सामना कर रही कंपनी ने यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। एअर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानों का संचालन कर रही है। इनमें लगभग 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शामिल हैं। एअर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा।

बीडीओ चन्द्रमोहन के खिलाफ ईओयू ने 6 ठिकानों पर एक साथ मारे छापे

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में ईओयू ने दरभंगा जिले के केवटी प्रखंड के बीडीओ चन्द्रमोहन पासवान के खिलाफ कार्रवाई की है। आय से ज्यादा धन अर्जित करने के आरोप में ईओयू की टीम ने उनके 6 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। बताया जा रहा है कि निगरानी की विशेष अदालत, मुजफ्फरपुर से तलाशी वारंट मिलने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। ईओयू की अलग-अलग टीमें दरभंगा, मधुबनी और अन्य जगहों पर मौजूद ठिकानों की जांच कर रही है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक चन्द्रमोहन पासवान पर करीब 89 लाख 13 हजार 500 रुपए की आय से ज्यादा संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जांच में यह संपत्ति उनकी ज्ञात आय से करीब 81 फीसदी ज्यादा बताई जा रही है। इस आधार पर आर्थिक अपराध इकाई ने यह बड़ी कार्रवाई की है। ईओयू की टीम दरभंगा के बहादुरपुर स्थित उनके आवास और व्यवसायिक भवन की तलाशी ले रही है। इसके अलावा मधुबनी जिले के बाबूबरही स्थित पैतृक घर और व्यवसायिक परिसर में भी जांच चल रही है। वहीं केवटी प्रखंड स्थित सरकारी कार्यालय और सरकारी आवास को भी खंगाला जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक तलाशी में जमीन, बैंक खाते, निवेश, नकदी और अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। अधिकारियों का कहना है कि छापेमारी पूरी होने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि कुल कितनी संपत्ति और दस्तावेज बरामद हुए। फिलहाल ईओयू की कार्रवाई जारी है और पूरे मामले पर प्रशासन की नजर है। उधर पटना में एसवीयू की एक और कड़ी छापेमारी चल रही है। एसवीयू ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिशु श्री के ठिकानों पर छापेमारी की है। पटना के मीठापुर स्थित उनके आवास पर एसवीयू की टीम जांच कर रही है। रिशु श्री पर सरकारी टेंडर में गड़बड़ी करने और अपनी कंपनी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाने का आरोप है। टीम दस्तावेजों और अन्य जरूरी कागजात की जांच में जुटी है।

अब पीएफ का पैसा एटीएम से निकलेगा? नहीं काटना पड़ेंगे दफ्तर के चक्कर

नई दिल्ली। पीएफ अमाउंट अब एटीएम से निकलेगा, पिछले काफी समय से इसकी चर्चा हो रही है। अगर एटीएम से पीएफ के पैसे निकलेंगे लगेंगे, तो एक नौकरीपेशा लोगों की इससे जुड़ी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। दरअसल, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि अगले महीने से आप अपना पीएफ अमाउंट यूपीआई का इस्तेमाल कर एटीएम से निकाल पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मांडविया ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को पूरी तरह से डिजिटाइज किया जा रहा है, जिससे पीएफ निकालना और भी आसान हो जाएगा, सरकार का लक्ष्य है कि पीएफ खाताधारकों को अपना ही पैसा निकालने के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और न ही लंबे-चौड़े फॉर्म भरने पड़ें। उन्होंने बताया कि एक नया सिस्टम सुनिश्चित किया गया है, जिसके तहत खाताधारक अपने कुल पीएफ फंड का 25फीसदी हिस्सा जमा रखकर बाकी 75फीसदी पैसा एटीएम या यूपीआई के जरिए जब चाहें तब निकाल सकेंगे। यह सुविधा अगले महीने से लागू करने की तैयारी है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि ईपीएफओ 2.0 और ऑटोमैटिक क्लेम प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है, जिससे क्लेम सेटलमेंट पूरी तरह से ऑटोमैटिक हो जाएगा, पहले जो 10-12 कॉलम के फॉर्म भरने पड़ते थे, उस पेचीदा सिस्टम को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएफ से जुड़ी जानकारियों को और आसान बनाने के लिए इसे व्हाट्सएप चैटबॉट से जोड़ा जा रहा है। खाताधारक सिर्फ व्हाट्सएप पर मैसेज करके अपने अकाउंट बैलेंस, ब्याज अमाउंट और बीमारी या शादी के लिए फंड विड्रॉल की पात्रता जैसी सारी जानकारियां हासिल कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि मैसेज से लोग ये भी जान पाएंगे कि वो अभी कितना अमाउंट निकाल सकते हैं, पहले कब-कब निकाले थे, ये सारा व्हाट्सएप पर मैसेज से कर्मचारियों को मिल जाएगा। पूरा सिस्टम डिजिटल में तब्दील हो जाएगा। एटीएम और यूपीआई से पैसे निकालने की इस सुविधा को आधार से लिंक किया जाएगा, आपकी पहचान पूरी तरह डिजिटल तरीके से प्रमाणित होगी, जिससे बिना किसी कागजी कार्रवाई के तुरंत पैसा ट्रांसफर हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर एटीएम से तुरंत पैसे निकलने लगेंगे तो फिर अधिकतर लोगों के पीएफ अकाउंट खाली हो जाएंगे, क्योंकि उन्हें जब जरूरत होगी, तब पीएफ के पैसे निकाल लेंगे। इसपर एक्सपर्ट्स भी चिंता जता रहे हैं। जब पैसा निकालना इतना आसान हो जाएगा तो स्वाभाविक रूप से लोगों में इसे खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी, जिससे रिटायरमेंट फंड समय से पहले खत्म होने का खतरा है। हालांकि सरकार ने इस व्यवस्था को पूरी तरह खुली छूट नहीं बनाया है। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया है कि आप चाहकर भी अपना पूरा पीएफ अकाउंट खाली नहीं कर सकते हैं, कुल जमा राशि का 25फीसदी हिस्सा हमेशा पीएफ अकाउंट में लॉक रहेगा। आप केवल ऊपरी 75फीसदी हिस्से का ही इस्तेमाल कर पाएंगे। बता दें पीएफ पर मिलने वाला चक्रवृद्धि ब्याज तब सबसे ज्यादा फायदा देता है जब पैसे को लंबे समय तक छुआ न जाए, बार-बार पैसा निकालने से रिटायरमेंट के वक्त मिलने वाला अंतिम फंड बहुत छोटा हो जाएगा।

मौसम - देश में कहीं आग उगल रही गर्मी तो कहीं भारी बारिश की चेतावनी

-उधर 90 किमी की रफ्तार वाले तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली। देश इस समय मौसम के सबसे अनोखे और खतरनाक दौर से गुजर रहा है। एक तरफ उत्तर और मध्य भारत के कई हिस्से भीषण गर्मी से तप रहे हैं, तो दूसरी तरफ मौसम विभाग ने सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते देश के 17 राज्यों में तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और वज्रपात का बड़ा अलर्ट जारी किया है। अगले 72 घंटे देश के कई हिस्सों के लिए बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं, जहां 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं। मौसम का यह बदला हुआ रूप सिर्फ राहत नहीं देगा बल्कि कई जगह तबाही भी मचा सकता है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि गर्म हवाओं और सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के टकराव की वजह से उत्तर और पूर्वी भारत में मौसम बेहद अस्थिर हो गया है। बिहार, झारखंड, यूपी और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। वहीं पहाड़ी इलाकों में ओलावृष्टि और अचानक बर्फबारी का भी चेतावनी जारी की गई है। वहीं मौसम विभाग ने आंधी और बिजली चमकने के दौरान लोगों को खुले मैदानों, पेड़ों, कमजोर संरचनाओं और बिजली के खंभों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। तेज हवाओं और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान होने की आशंका को देखते हुए किसानों को भी खेतों में न जाने और लगातार मौसम अपडेट देखते रहने को कहा गया है।

उत्तर और मध्य भारतः लू के बीच बारिश की उम्मीद

दिल्ली-एनसीआरः अगले दो दिन तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा और तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि, 28 मई से मौसम करवट लेगा और 29 मई को तेज हवाओं (50-60 किमी/घंटा) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने से तापमान में 6 से 7 डिग्री तक की भारी गिरावट आएगी।

उत्तर प्रदेशः पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों के सहारनपुर, मेरठ, नोएडा, गोरखपुर, प्रयागराज, आगरा और अयोध्या समेत कई जिलों में आंधी-बारिश का डबल अटैक देखने को मिलेगा। यहां 75 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गिरने का अलर्ट है।

राजस्थानः फिलहाल बीकानेर, कोटा और शेखावाटी क्षेत्रों में तापमान 46 से 47 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, 28 मई से आंधी और हल्की बारिश के साथ मौसम धीरे-धीरे बदलना शुरू होगा।

मध्य प्रदेशः भोपाल, जबलपुर और रीवा संभाग सहित पूर्वी जिलों में धूलभरी आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, जिससे 29 मई के बाद तापमान गिरेगा।

पंजाब और हरियाणाः अगले 48 घंटे चंडीगढ़, हिसार, लुधियाना और पटियाला में भीषण लू (हीटवेव) चलेगी और पारा 45 डिग्री के आसपास रहेगा। 29 मई से यहां हल्की बारिश और आंधी से मामूली राहत मिल सकती है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारतः सबसे खतरनाक ज़ोन

बिहारः राज्य इस समय सबसे खतरनाक रेड अलर्ट ज़ोन में है। पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया, भागलपुर और किशनगंज समेत कई जिलों में 80 से 90 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने और भारी बारिश व वज्रपात की आशंका है।

झारखंडः गिरिडीह, देवघर, दुमका, बोकारो और धनबाद में 65 से 70 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट है। रांची सहित कई जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का खतरा है।

पश्चिम बंगालः कोलकाता, मालदा, बांकुड़ा, हुगली, पुरुलिया और 24 परगना में गरज-चमक के साथ भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण बंगाल में आंधी की रफ्तार 50 किमी/घंटे तक पहुंच सकती है।

पूर्वोत्तर राज्यः असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मिजोरम में अगले 48 घंटे मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहेगा, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। गुवाहाटी और शिलॉन्ग में प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

पहाड़ी इलाके और दक्षिण भारत में बर्फबारी और मानसून की दस्तक

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेशः उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल और पिथौरागढ़ में तेज आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना है। वहीं, हिमाचल के शिमला, मनाली, कांगड़ा और कुल्लू में 60 से 70 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और ऊंचे इलाकों में अचानक बर्फबारी का अनुमान है।

दक्षिण भारतः केरल, तमिलनाडु (कोयंबटूर, नीलगिरि, कन्याकुमारी), कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मानसून ने तेजी से दस्तक दे दी है। इन राज्यों में भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका के चलते मछुआरों को तटीय इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

बालाघाट
गुरूवार 28 मई 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

31 मई से शुरू होगा बालाघाट-गर्रा रोड ओव्हर ब्रिज पर यातायात

रेलवे फाटक स्थायी रूप से होगा बंद, अब नए आरओबी से गुजरेंगे सभी वाहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-वारासिवनी मुख्य मार्ग पर वैनगंगा नदी पुल के पहले निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज (आरओबी) से 31 मई 2026 से यातायात शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही रेलवे की मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग क्रमांक बीके-09, किलोमीटर 1048/0-1 को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के उप मुख्य अभियंता द्वारा जारी सूचना के अनुसार 31 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से उक्त रेलवे फाटक सभी प्रकार के सड़क यातायात के लिए हमेशा के लिए बंद कर दिया जायेगा। इसके बाद बालाघाट-गर्रा एवं वारासिवनी मार्ग से आने-जाने वाले छोटे-बड़े सभी वाहनों का आवागमन नव निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज से कराया जाएगा। रोड ओव्हर ब्रिज शुरू होने से लंबे समय से लोगों को होने वाली परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। पहले ट्रेन गुजरने के दौरान रेलवे फाटक बंद रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती थी, जिससे यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता था। अब आरओबी बनने से यातायात अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज हो जाएगा। आरओबी निर्माण के दौरान बस, ट्रक एवं अन्य बड़े वाहनों का यातायात डेंजर रोड से डायवर्ट किया गया था। इससे भारी वाहनों को शहर में प्रवेश और बाहर निकलने में अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। अब रोड ओव्हर ब्रिज शुरू होने के बाद बड़े वाहनों को डेंजर रोड से होकर आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी। बस, ट्रक और अन्य भारी वाहन सीधे रोड ओव्हर ब्रिज के माध्यम से बालाघाट शहर में प्रवेश कर सकेंगे तथा बाहर जा सकेंगे, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि आरओबी शुरू होने से शहर और आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन में सुविधा बढ़ेगी तथा दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। प्रशासन और रेलवे विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि 31 मई के बाद पुराने रेलवे फाटक मार्ग का उपयोग न करें तथा निर्धारित डायवर्ट मार्ग एवं यातायात संकेतों का पालन करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

रेत माफिया की दबंगई-अवैध उत्खनन रोकने गए हेड कांस्टेबल पर चढ़ाया ट्रैक्टर

घटना में हेडकांस्टेबल राजेश्वर रहांगडाले गंभीर, प्राथमिक उपचार के बाद, गोंदिया रिफर, आईजी-एसपी सहित अधिकारी पहुंचे अस्पताल, लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पलाकामथी रेतघाट का मामला, ट्रैकर चालक टेकाम पुलिस अभिरक्षा में,मामले की जांच में जुटी पुलिस

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के लगातार बढ़ते जा रहे मामलों के बीच मंगलवार की देर शाम लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पलाकामथी के रेतघाट पर रेत माफियाओ की दबंगई देखने को मिली है।जहा रेत माफियाओं ने अपनी दबंगई दिखाते हुए रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन की सूचना पर रेतघाट पहुंचे हेड कांस्टेबल पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना में घायल लालबर्रा थाने के हेड कांस्टेबल का नाम राजेश्वर राहंगडाले बताया गया है। जिनका जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराकर उन्हें बेहतर उपचार के लिए गोंदिया के अस्पताल रेफर किया गया है। तो वहीं घटना में लिप्त ट्रैक्टर चालक टेकाम को पुलिस अभिक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

हेडकांस्टेबल का उपचार कराने स्वयं एसपी एंबुलेंस से गोंदिया रवाना

लालबर्रा थाना क्षेत्र में रेत माफिया की दबंगई का एक और गंभीर मामला सामने आया है। मंगलवार की देर शाम एक ट्रैक्टर चालक ने पुलिस हेडकांस्टेबल पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें प्रआर. राजेश राहंगडाले की पसलियो में दो फ्रेक्चर है।इस घटना में गम्भीर रूप से घायल हेडकांस्टेबल राजेश्वर राहंगडाले को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रेफर कर दिया गया है। उधर मामले की जानकारी लगते ही पुलिस महानिरीक्षक ललित शाक्यवार,अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक विनीत जैन,पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एसडीओपी,सीएसपी, कोतवाली, भरवेली, लालबर्रा, थाना प्रभारी सहित पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी

जिला अस्पताल पहुंचे, जहां मुख्य चिकित्सा एंव जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ निलय जैन,सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति में घायल हैडकांस्टेबल राजेश्वर रहांगडाले का सिटी स्कैन कराकर प्राथमिक उपचार कराया गया, वहीं उन्हें बेहतर उपचार के लिए गोंदिया के यूनाईटेड अस्पताल भिजवाया। गंभीर रूप से घायल प्रआर. के लिए बालाघाट से गोंदिया तक कॉरीडोर बनाकर, एम्बुलेंस से उसे एसपी सहित पुलिस अमला लेकर गया है।जहां रात करीब 10 बजे स्वयं एसपी आदित्य मिश्रा एंबुलेंस वाहन में बैठकर घायल हेड कांस्टेबल को भर्ती कराने गोंदिया रवाना हुए है।

ट्रेक्टर रोककर वीडियो बना रहे थे पुलिसकर्मी, ड्राइवर ने चढ़ा दिया ट्रेक्टर

प्राप्त जानकारी के अनुसार,लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पलाकामथी में रेत का अवैध खनन और परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर कांस्टेबल सुनील विश्वकर्मा और हैडकांस्टेबल राजेश्वर राहंगडाले मौके पर पहुंचे थे। जहां उनके द्वारा घटना स्थल का वीडियो बनाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर चालक टेकाम ने वाहन को हैडकांस्टेबल राजेश्वर राहंगडाले के उपर चढ़ा दिया, जिसके कारण वह गंभीर रुप से घायल हो गए।घटना के तुरंत बाद वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर, सहकर्मियों द्वारा घायल हैडकांस्टेबल को तत्काल ही जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया था, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें गोंदिया रेफर कर दिया गया है।हालांकि पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घायल हेड कांस्टेबल की हालत फिलहाल स्थिर बताई गई है।

सभी जाच नार्मल है, फिर भी एहतियात के तौर गोंदिया रिफर किया गया है- आई जी, शाक्यवार

चर्चा के दौरान आईजी ललित शाक्यवार ने बताया कि लालबर्रा थाने के आरक्षक सुनील विश्वकर्मा को रेत के अवैध खनन और परिवहन की सूचना मिली थी। जिसके बाद प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले और सुनील विश्वकर्मा घटनास्थल गए थे।जहां उन्होंने ट्रेक्टर को रोका और उसका वीडियो बना रहा थे, इसी बीच, ट्रेक्टर चालक ने एक्सीडेंट कर दिया। जिससे प्रधान आरक्षक के रीब्स पर चोटें आई है, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए गोंदिया के यूनाईटेड अस्पताल भिजवाया गया है। जिनके साथ एसपी आदित्य मिश्रा भी गए है।उन्होंने आगे बताया कि घटना के बाद वाहन चालक टेकाम को अभिरक्षा में ले लिया गया है।घायल हेडकांस्टेबल की हालत सामान्य है,सभी जाच नार्मल आई है, फिर भी एहतियात के तौर पर उन्हें गोंदिया रिफर किया गया है।

ऐसे केस में वेट एंड वॉच की स्थिति रहती है-उपलप

वही चर्चा के दौरान सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप ने बताया कि कंडीशन नार्मल है लेकिन ऐसे चोट वाले केस रहते है, उनकी स्थिति के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है, जिसमें वेट एंड वॉच की स्थिति रहती है, 72 घंटे बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

डोंगरिया कॉलेज के युवा शिक्षक की सड़क हादसे में मौत

माता-पिता का इकलौता बेटा था पुष्पम सोनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वारासिवनी रोड स्थित ग्राम गर्रा में मंगलवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया के एक युवा शिक्षक की मौत हो गई। मृतक पुष्पम पिता तोषेन्द्र सोनी 24 वर्ष ग्राम जाम, थाना कटंगी बताये गये है। हादसा उस समय हुआ जब वे कॉलेज से मोटरसाइकिल से बालाघाट लौट रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्पम सोनी सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे और बालाघाट के भटेरा चौकी में किराये से रहते थे। वे प्रतिदिन मोटरसाइकिल से कॉलेज आना-जाना करते थे। मंगलवार 26 मई को भी वे रोज की तरह कॉलेज से बालाघाट के लिए निकले थे। उनके पीछे कॉलेज के ही शिक्षक खिलेश तिलासे भी मोटरसाइकिल से आ रहे थे।बताया गया कि शाम करीब 7:30 बजे ग्राम गर्रा स्थित टाटा मोटर्स के सामने सड़क पर भीड़ देखकर खिलेश तिलासे ने अपनी मोटरसाइकिल रोकी। वहां उन्होंने देखा कि ट्रक के पीछे पुष्पम सोनी गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े हुए थे और उनकी मोटरसाइकिल भी सड़क पर गिरी हुई थी। वहीं सामने एक ट्रक खड़ा था। आशंका जताई जा रही है कि पुष्पम सोनी की मोटरसाइकिल ट्रक की चपेट में आ गई,जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद शिक्षक खिलेश तिलासे घायल पुष्पम सोनी को तत्काल उपचार के लिए आयुष्मान हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। वहां से डॉक्टरों ने उन्हें मिताली हॉस्पिटल ले जाने की सलाह दी गई। खिलेश तेलासे ने पुष्पम सोनी को मिताली हॉस्पिटल लाये। किन्तु वहा से भी उन्हें पुष्पम सोनी को जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। इसके बाद निजी एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने पुष्पम सोनी को मृत घोषित कर दिये। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।जिला अस्पताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया। बुधवार 27 मई को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की आगे की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

परिवार में पसरा मातम

पुष्पम सोनी अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। उनकी मां उमा सोनी गांव में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं, जबकि पिता खेती-किसानी करते हैं। उनकी एक बड़ी बहन है, जो वर्तमान में पढ़ाई कर रही है। बेटे की असमय मौत से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

बिना तलाक दूसरी शादी करने का आरोप-प्रधान आरक्षक पर मामला दर्ज, पुलिस जांच शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक भीमराज उइके के विरुद्ध उनकी पत्नी ने बिना तलाक लिए सहमति के बिना दूसरी शादी करने का आरोप लगाई। मंडला जिले के एक शासकीय शिक्षा संस्था में प्रधानाध्यापक के पद पर पदस्थ इस 45वर्षीय महिला के द्वारा की गई रिपोर्ट पर चांगोटोला पुलिस थाने में उनके पति भीमराज उइके के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस महिला का मायका परसवाड़ा थाना क्षेत्र का है। जिसकी शादी 15 मई 2007 में भीमराज उइके के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिनकी एक बेटी है। यह महिला मंडला जिले के एक शासकीय शिक्षण संस्था में प्रधानाध्यापक है और वह अपनी बेटी के साथ नैनपुर में ही रहती है। भीमराज कभी कभी अपनी बेटी से मिलने नैनपुर आया करते थे। बताया गया है कि भीमराज उइके जब चांगोटोला थाना में पदस्थ थे उस समय सेमर टोला निवासी एक बच्चे की मां उसके घर आना-जाना किया करती थी। उस समय कई बार समझाएं दी गई। परंतु भीमराज के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। पिछले वर्ष भीमराज उइके ने नैनपुर जाकर अपनी पहली पत्नी से दूसरी शादी करने के लिए सहमति मांग रहे थे। किंतु उन्होंने मना कर दी थी। जिसके बाद पहली पत्नी से अनुमति लिए बिना 19 मई 2026 को भीमराज ने सेमरटोला निवासी महिला से शादी कर ली। जिससे उनकी पहली पत्नी मानसिक रूप से परेशान हो गई। और उन्होंने चांगोटोला थानां पहुंचकर शिकायत कर दी। चांगोटोला पुलिस ने इस मामले में भीमराज उइके के विरुद्ध पहली पत्नी की अनुमति के बिना शादी कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में धारा 82(1),85 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। जिसकी विवेचना की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

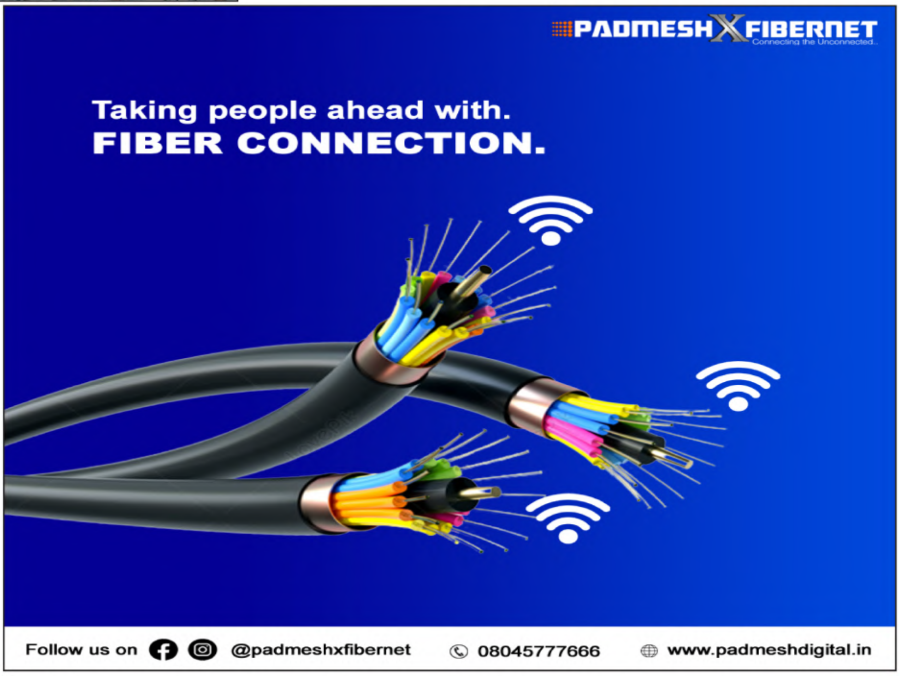

{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 28 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 243
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,009.70
निफ्टी	-	23,913.70
सोना	-	1,58,890
चांदी	-	2,85,000
डॉलर	-	95.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया।

बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है।

सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है।

ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे। सीएमआरएल में सरकारी संस्था केएसआईडीसी की 13.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एसएफआईओ की जांच और आयकर विभाग की रिपोर्ट को आधार बनाकर ईडी ने मार्च 2024 में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था, जिसके तहत ये छापेमारी की गई है।

खास खबर

आंध्र प्रदेश में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू!

अमरावती। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण पर आंध्र प्रदेश सीएम चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी ने बड़ा फैसला लिया है। टीडीपी ने पार्टी के अंदर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू कर दिया है। इसके तहत आगामी चुनावों में महिलाओं को 33 फीसदी सीटों पर आरक्षण दिया जाएगा। आंध्र प्रदेश में बीजेपी की सहयोगी और एनडीए अलायंस की पार्टी टीडीपी ने कहा कि भले ही महिला आरक्षण बिल देश में लागू नहीं हो पाया। पार्टी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को राज्य में लागू कर दिया है। टीडीपी के कार्यकारी अध्यक्ष नारा लोकेश ने महिला आरक्षम पर कहा कि विपक्षी दलों ने संसद सत्रों के दौरान महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया था। इसके कारण महिलाओं की महत्वाकांक्षी मांग पूरी नहीं हो पाई। हालांकि बावजूद इसके तेलुगु देशम पार्टी ने विधेयक के बावजूद महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें 'गंदा धर्म' जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस मामले पर ममता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह शिकायत वकील रिंकी चटर्जी सिंह ने की है। उनका कहना है कि बयान से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। रिंकी ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेता पहले भी हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। रिंकी के मुताबिक उन्होंने 2025 में भी शिकायत करने की कोशिश की थी लेकिन तब उनकी नहीं सुनी गई और उन्हें प्रताड़ित भी किया गया था।

भारत में इबोला का कोई केस नहीं

बेंगलुरु। भारत सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में इबोला वायरस से जुड़ा एक भी मामला नहीं है। सरकार को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला जैसे लक्षण देखे गए थे। हालांकि बाद में महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई। महिला 23 मई को बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंची थी। जिसके बाद उसे एहतियातन सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया। महिला के शरीर में हल्का दर्द था हालांकि अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। अधिकारियों के मुताबिक

कुछ ना कहना

नीट मामले में सीबीआई ने दो और अरेस्ट किए

इनमें एक डॉक्टर, बेटे समेत 3 छात्रों को पेपर दिलवाया; अब तक 13 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहले आरोपी की पहचान डॉक्टर मनोज शिरूरे के रूप में हुई है। वह लातूर के रहने वाले हैं। डॉ. मनोज ने एक कोचिंग सेंटर के मालिक (जो खुद भी आरोपी है) के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पीवी कुलकर्णी से केमिस्ट्री के क्वेश्चन पेपर दिलाए थे।

वहीं पकड़ा गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी में फिजिक्स पढ़ाता है। उसे नीट परीक्षा के लीक हुए फिजिक्स के क्वेश्चन गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिले थे। इस मामले में पूरी कड़ी और साजिश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। सीबीआई ने अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए। इस मामले में अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका

सीबीआई जांच में खुलासा हुआ कि नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका था। सबसे ज्यादा बिक्री महाराष्ट्र में हुई। दूसरा नंबर राजस्थान का है। सीबीआई का कहना है कि बाद पेपर लीक का मामला और बड़ा निकल सकता है। एजेंसी अभी यह तय नहीं कर पा रही कि कितने छात्रों ने पेपर खरीदा था। सीबीआई को महाराष्ट्र और राजस्थान में पेपर के प्रिंट निकालकर बेचने के सबूत मिले हैं। पेपर लीक का सबसे बड़ा केंद्र महाराष्ट्र था। यहीं से राजस्थान और दूसरे राज्यों के छात्रों तक 'क्वेश्चन बैंक' पहुंचा।

सीबीआई पैसे देने वालों की लिस्ट बना रही

जांच एजेंसी अब उन सभी पेरेंट्स की लिस्ट तैयार कर रही है, जिनके बैंक खातों से शिवराज मोटेगांवकर, पी.वी. कुलकर्णी या उनकी सहयोगी मनीषा वाघमारे (पुणे) के खातों में पैसे ट्रांसफर हुए थे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अलावा बाहर के कुछ किरदार अभी शक के दायरे में हैं। सीबीआई जल्द ही दूसरे राज्यों में छापेमारी करेगी।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला- राशन व्यवस्था होगी हाईटेक

-80 करोड़ लोगों को सीधा लाभ पहुंचाने की तैयारी

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बधुवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को लेकर बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत देश के करीब 80 करोड़ राशन लाभार्थियों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना पर लगभग 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि सरकार राशन वितरण प्रणाली को अधिक मजबूत, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत तीन बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनसे राज्यों, राशन डीलरों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

राज्यों को आर्थिक सहायता

कैबिनेट का पहला बड़ा फैसला राज्यों को आर्थिक सहायता देने से जुड़ा है। मंत्री ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बड़े गोदामों से अनाज को जिलों, ब्लॉकों और अंततः राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब केंद्र सरकार इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय मदद उपलब्ध कराएगी, जिससे राशन आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुचारू हो सकेगी।

राशन डीलरों का बढ़ेगा कमीशन

कैबिनेट का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय राशन डीलरों के कमीशन को बढ़ाने का है। लंबे समय से राशन दुकानदार अपने कमीशन में वृद्धि की मांग कर रहे थे। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे देशभर के लाखों राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

लाभार्थियों का पंजीकरण

कैबिनेट का तीसरा और सबसे अहम फैसला जो राशन व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का है। सरकार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों की मदद से लाभार्थियों का पंजीकरण करेगी। इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सही व्यक्ति तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि डिजिटल और तकनीक आधारित व्यवस्था से पूरे पीडीएस नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

भीषण गर्मी पर हुई चर्चा

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के दौरान देश में जारी भीषण लू की स्थिति पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों और विभागों को क्रपूरे राष्ट्र की भावनाक्र के साथ काम करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य, जल संसाधन और अन्य विभागों द्वारा नागरिकों को राहत और सुरक्षा प्रदान करने के उपायों पर विशेष चर्चा की गई।

बायजूस के फाउंडर रविंद्रन को 6 महीने जेल की सजा

सिंगापुर कोर्ट ने प्रॉपर्टी और पेपर छिपाने का दोषी पाया, 67 लाख का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली। देश की पहली बड़ी एजुकेशन टेक कंपनी 'बायजूस' के मालिक बायजू रविंद्रन को सिंगापुर की एक अदालत ने 6 महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पाया कि रविंद्रन ने अपनी प्रॉपर्टी से जुड़े जरूरी कागजात छिपाए और अदालत के आदेशों को नहीं माना, जिसे कोर्ट की अवमानना माना गया है।

सिंगापुर कोर्ट के मुताबिक, रविंद्रन अप्रैल 2024 से लगातार अपनी संपत्तियों से जुड़ी जानकारी देने के आदेशों को नजरअंदाज कर रहे थे। जब उन्होंने बार-बार अदालत की बात नहीं मानी, तो कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया और जेल भेजने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने रविंद्रन को तुरंत अधिकारियों के सामने सरेंडर करने को कहा है।

67 लाख रुपए का जुर्माना भी देना होगा

सजा के साथ-साथ रवींद्रन पर 90,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 67 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्हें यह राशि कानूनी खर्च (लीगल कॉस्ट) के तौर पर देनी होगी। इसके अलावा, रवींद्रन को बीआर इन्वेस्टको पीटीई की कानूनी मिल्कियत साबित करने वाले दस्तावेज भी कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया गया है। यह एक कॉरपोरेट एंटिटी है, जिसके पास संबंधित कंपनी के शेयरर्स हैं।

कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने किया था केस

रवींद्रन के खिलाफ सिंगापुर की अदालत में यह मामला कतर के सॉवरेन वेल्थ फंड कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की एक सहायक कंपनी ने दर्ज कराया था। कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने बायजू के उस फंडिंग राउंड में निवेश किया था, जब कंपनी भारी संकट से गुजर रही थी और अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही थी। इस मामले में कोर्ट में कतर होल्डिंग्स का पक्ष ड्रू एंड नेपियर ने रखा। वहीं बायजू इन्वेस्टमेंट्स की ओर से फर्वेंट चैंबर्स ने पैरवी की। फिलहाल रवींद्रन की ओर से इस सजा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह भी अभी स्पष्ट नहीं है कि वे वर्तमान में सिंगापुर में मौजूद हैं या किसी अन्य देश में।

आसाराम को हाई कोर्ट से झटका

आजीवन कारावास की सजा रहेगी बरकार, सरेंडर करने का आदेश

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने बुधवार को नाबालिग से बलात्कार के मामले में आसाराम बापू को दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। इसी के साथ ही कोर्ट ने 2018 में निचली अदालत द्वारा पारित दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, बेंच ने उन्हें सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश के आरोपों से बरी करके कुछ राहत जरूर दी है। अदालत ने आसाराम को आत्मसमर्पण करने का निर्देश भी दिया। आसाराम फिलहाल चिकित्सा कारणों से अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। यह फैसला जस्टिस अरुण कुमार मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने आसाराम और उनके सह-आरोपी शरतचंद्र और शिल्पी द्वारा दायर अपीलों पर सुनाया।

आसाराम की आजीवन कारावास की सजा रद्द करने की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने माना कि भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार, पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न और किशोर न्याय अधिनियम के तहत अपराधों के आरोप सिद्ध हो चुके हैं। हालांकि, पीठ ने कहा कि सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश से संबंधित आरोपों को साबित करने के लिए रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत पर्याप्त नहीं हैं। वहीं, हाई कोर्ट ने शरतचंद्र और शिल्पी को सभी आरोपों से बरी कर दिया। इससे पहले निचली अदालत ने दोनों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम को लेकर शिक्षा मंत्री की हाई लेवल बैठक, सुरक्षा और पारदर्शिता पर जोर

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम को लेकर केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक कर परीक्षा की सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सरकार का कहना है कि इस बार परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से कराई जाएगी। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रश्नपत्र की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। इसके साथ ही फर्जी टेलीग्राम चैनलों और पेपर लीक गिरोहों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 14 जून से जारी किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि छात्रों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महंगाई की मार... 1 जून से रेलवे स्टेशनों पर महंगा मिलेगा खाना

- सेंट्रल रेलवे ने दी चीजों के रेट बढ़ाने को मंजूरी, नए टैरिफ लागू होने के 6 महीने बाद होगा मूल्यांकन

नई दिल्ली। ट्रेन से सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए एक बड़ा झटका है, जहां रेलवे स्टेशनों पर मिलने वाला खान-पान अब और महंगा होने जा रहा है। सेंट्रल रेलवे ने 1 जून 2026 से खान-पान की विभिन्न वस्तुओं की दरों में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह बढ़ोतरी तेल और गैस की कीमतों में लगातार हो रहे इजाफे के कारण की गई है।

नई दरों के मुताबिक, सबसे लोकप्रिय स्नैक वड़ा पाव की कीमत में लगभग 54 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। पहले 13 रुपये में मिलने वाला वड़ा पाव

अब 20 रुपये में मिलेगा, जिसमें 50 ग्राम आलू वड़ा 15 रुपये और पाव 5 रुपये प्रति पीस तय किया गया है। इसके अलावा वेज समोसा, वेज पफ और साबुदाना वड़ा भी अब 20 रुपये प्रति पीस की दर से मिलेंगे। वहीं, पाव भाजी और वेज पिज्जा के शौकीनों को अब 50 रुपये प्रति पीस चुकाने होंगे।

गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

मूल्य वृद्धि को मंजूरी देने के साथ ही रेलवे ने सभी लाइसेंसधारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि दरों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुधार के रूप में दिखना चाहिए। इसके अलावा, नए टैरिफ लागू होने के 6 महीने बाद बिक्री का मूल्यांकन किया जाएगा, जिसके आधार पर लाइसेंस शुल्क की समीक्षा होगी। राहत की बात यह है कि कचौड़ी, गुलाब जामुन, ताजे जूस, मिसल पाव और वेज नूडल्स समेत 16 लोकप्रिय खाद्य पदार्थों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। साथ ही, जूस और सोडा उत्पादों के दाम भी पहले की तरह ही बने रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी संवैधानिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के खिलाफ रेट्रोस्पेक्टिव वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाए जाने के सरकार के कदम को बरकरार रखा है। यह विवाद इस बात पर था कि क्या उनके प्लेटफॉर्म के जरिए से लगाए गए दांवों के पूरे मूल्य पर 28 फीसद जीएसटी लगाया जा सकता है या नहीं. न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने फैसला सुनाया कि इस तरह का जीएसटी संवैधानिक रूप से वैध है और जीएसटी को नियंत्रित करने वाली संवैधानिक योजना का उल्लंघन नहीं करता है।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि जीएसटी अधिनियम के तहत

वैधानिक अधिकार द्वारा इस कर को समर्थन प्राप्त है. सर्वोच्च अदालत ने आगे कहा कि अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों का हवाला देकर जीएसटी कर को अमान्य नहीं किया जा सकता है. सर्वोच्च अदालत ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग ऑपरेटर केवल सुविधा प्रदाता या मध्यस्थ नहीं हैं, बल्कि जीएसटी के दायरे में आने वाले कार्रवाई योग्य दावों के आपूर्तिकर्ता हैं।

बरकरार रहेंगे जीएसटी नियम

सर्वोच्च अदालत ने सीजीएसटी नियमों को बरकरार रखा, जो ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म और कैसीनो के माध्यम से लगाए गए दावों के पूरे मूल्य पर जीएसटी लगाने का अधिकार देते हैं. इस विवाद के उद्योग पर काफी वित्तीय प्रभाव पड़ सकते हैं. त्रस्त इंटेलिजेंस महानिदेशालय ने 71 ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के खिलाफ लगभग 1.12 लाख करोड़ की टैक्स मांग उठाई थी. कानूनी विशेषज्ञों का अनुमान है कि जुर्माना और ब्याज सहित कुल देनदारी बढ़कर लगभग 2.3 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है।

5 माह से नहीं मिला पूर्ण मानदेय, घर कैसे चलाएं ?

आधा अधूरा मानदेय से नही चलेगा काम, एकमुश्त किया जाए पूर्ण भुगतान, आशा-ऊषा सहयोगिनी संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाली आशा कार्यकर्ता व सहयोगिनी को पिछले 05 माह से पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,जब आशा कार्यकर्ता अपने इसी लंबित भुगतान के लिए शिकायत करती हैं, तो फिर तो उन्हें काम से निकलने की धमकियां दी जाती है। ऐसा आरोप लगाते हुए मप्र शासन आशा उषा सहयोगिनी कार्यकर्ता संगठन ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में ,उन्होंने उनकी वर्षो से लंबित मांगों को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने 5 माह का बकाया एकमुश्त मानदेय देने सहित अन्य मांगे पूरी न होने पर बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में संगठन के बैनर तले काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

ब्याज पर कर्ज उठाकर चलाना पड़ रहा काम

सौपे गए इस ज्ञापन के दौरान आशा कार्यकर्ता संघ से जुड़े पदाधिकारियो ने बताया कि बालाघाट जिले में आशा कार्यकर्ता शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।लेकिन मानदेय सहित अन्य मामलों में उन्हें तरह-तरह से परेशान व प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी मांगे भी पूरी नहीं की जा रही है।यहां तक कोई इमरजेंसी पड़ने पर भी उन्हें भुगतान नही किया गया। वही दबाव बनाकर काम लिया जा रहा है,जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हो चुकी है।उन्होंने बताया कि समय पर पूर्ण मानदेय न मिलने के चलते उन्हें भारी ब्याज पर कर्ज उठाना पड़ रहा है लेकिन उस कर्ज को चुकाने के लिए भी उन्हें परेशानी हो रही है।अब तो कर्ज देने वालों ने भी उन्हें कर्ज देना बंद कर दिया है। बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च सहित अन्य आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए वे पाई पाई को मोहताज हो गई है। बावजूद इसके भी उन्हें पिछले 5 माह से पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।

नवंबर- दिसंबर से नहीं मिला पूर्ण मानदेय, घर कैसे चलाएं

आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्हें नवंबर- दिसंबर से अब तक के पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, हर माह आधा अधूरा भुगतान किया जा रहा है।हर माह किए जा रहे कार्यों की आंशिक राशि ही उनके खातों में जमा की जाती है, जबकि बची हुई राशि का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा है।आशा बहनों ने इस बचत राशि की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए हैं। आशा कार्यकर्ताओं ने बकाया भुगतान कराने की प्रमुख मांग को लेकर सौपे गए इस ज्ञापन में विभिन्न कार्यो का भुगतान करने सहित अन्य लंबित मांगो को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।आशा कार्यकर्ताओं के अनुसार उनसे गर्भवती महिला का कार्य या अन्य सभी कार्य किए गए है लेकिन उनका भुगतान सरकार के द्वारा नहीं किया गया। इसके अलावा ऐसे अन्य कार्य हैं जिनका भुगतान शासन द्वारा नहीं किया गया है। इसके अलावा आशा बहनों से शासन प्रशासन के सभी प्रकार के काम जैसे टीवी कास्ट, हेड काउंटर सर्वे, घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड जैसे कार्य कराए जा रहे हैं लेकिन उनका पैसा नहीं दिया जा रहा है। भुगतान न मिलने के चलते उन्हें अपने परिवार का पालन पोषण करने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने जल्द से जल्द संपूर्ण राशि का एकमुश्त तत्काल भुगतान किए जाने की मांग की है।

कड़ी धूप में कराया जा रहा सर्वे,जारी हो रहे नोटिस

ज्ञापन में आशा बहनों ने बताया कि कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार और आयुष कार्ड बनाने का कार्य किया गया, इसके अलावा कोई भी काम हो आशा बहनों को सर्वे के लिव कड़ी धूप में भेजा जा रहा है। लेकिन कई मामलों में निर्धारित प्रोत्साहन राशि अब तक नहीं मिली है। निजी अस्पतालों में प्रसव कराने वाले मामलों में कार्यकर्ताओं को मिलने वाली राशि का भुगतान भी लंबित है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वर्ष 2025 में कई मामलों में भुगतान नहीं किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।संगठन पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि आशा, ऊषा एवं आशा सहयोगिनी कार्यकर्ताओं की सभी लंबित समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए तथा मानदेय और प्रोत्साहन राशि का नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में आशा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि एक तो पूर्ण मानदेय नहीं मिल रहा है ऊपर से अधिकारी लोग नोटिस जारी करके काम से निकालने की धमकी दे रहे हैं। जिससे बहने काफी परेशान हो चुकी हैं।

अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल ही अंतिम विकल्प- अनीता जमुनपाने

आशा बहनों ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए, मानदेय सहित अन्य मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने मांग पूरी ना होने पर काम बंद हड़ताल की चेतावनी दी है। चर्चा के दौरान आशा-ऊषा सहयोगिनी संगठन जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता जामुनपाने, और आशा पर्यवेक्षक एंव कटंगी ब्लाक अध्यक्ष श्रीमती रेखांजली ठाकुर, ने संयुक्त रूप से बताया कि लगातार चार-पांच महीने से पूर्ण मानदेय न मिलने के कारण आशा,उषा व, पर्यवेक्षक बहनें कर्ज लेकर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं, लेकिन अब लोग उधार देने में भी हिचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर माह उन्हें पूरा मानदेय समय पर मिलना चाहिए, लेकिन कई बार आधा ही भुगतान किया जाता है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द हमारी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, और मानदेय सहित अन्य मांगे जल्द से जल्द पूरी नहीं की गई तो बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में काम बंद कर,संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्शन में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बालाघाट श्री ईशान डेंगुला ने छात्र-छात्राओं को न्यायिक प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनका संरक्षण योजना-2015 के विभिन्न प्रावधानों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता योजना तथा भारतीय संविधान में वर्णित मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्यों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने जागृति योजना 2025 अंतर्गत संचालित सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य अभियान के बारे में जानकारी देते हुए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट), दहेज प्रतिषेध अधिनियम तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजना के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की सलाह दी। शिविर में महाविद्यालय के अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता बढ़ाना एवं उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाना रहा।

जबलपुर में 18 जून को होगी पूर्व सैनिकों की राज्य स्तरीय रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूर्व सैनिकों की राज्य स्तरीय रैली 18 जून को जबलपुर में आयोजित की जायेगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवा सेवा निवृत्त ग्रुप कैप्टन अमिताभ रावत से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व सैनिकों, सैनिकों की विधवा एवं वीर नारियों के हित में आयोजित की जा रही यह रैली 1 एसटीसी के पास बत्रा ऑडिटोरियम में सुबह 9.45 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा सभी पूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं वीर नारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने पहचान पत्र के साथ रैली में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं।

कार्यालय,कृषि उपज मण्डी समिति लालबर्रा जिला–बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक / मंडी / निर्माण / 2026–27 / 138 — लालबर्रा दिनांक 27 / 05 / 2026

सर्व संबंधितो को सूचित किया जाता है कि म0 प्र0 कृषि उपज मंडी (मंडी समिति/बोर्ड की भूमि एवं संरचना का आवंटन) नियम 2009 के तहत निर्धारित शर्तो के अधीन कृषि उपज मण्डी समिति **लालबर्रा** के **शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मुख्य मंडी प्रांगण , लालबर्रा** में निम्नलिखित विवरण अनुसार विद्यमान संरचनाओं को 30 वर्ष की कालावधि हेतु अनुज्ञप्ति पर आवंटन हेतु मोहर बंद लिफाफे में प्रस्थापनायें (ऑफर) **केवल रजिस्टर्ड डाक/स्पीडपोस्ट** से **दिनांक 23/06/2026 समय सायंकाल 5:30 बजे तक कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा, अतिरिक्त मंडी प्रांगण बकोडा, लालबर्रा जिला बालाघाट** में आमंत्रित की जाती हैं।

- निर्धारित आवेदन (प्रस्थापना प्रपत्र) एवं विस्तृत शर्ते दिनांक **19/ 06/2026** तक कार्य दिवसों में **समय प्रातः 11:00 बजे से सायंकाल 05:00 बजे** तक कृषि उपज मण्डी समिति **लालबर्रा** , बालाघाट के अस्थाई कार्यालय **पता:– दुकान क्रमांक 06, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मुख्य मंडी प्रांगण , लालबर्रा जिला–बालाघाट** मे रूपये 5000/–(पांच हजार रूपये) जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।
- धरोहर (अग्रिम राशि) दिनांक **20/ 06/2026** तक जमा की जा सकेगी।
- प्राप्त प्रस्थापनायें (ऑफर) दिनांक **24/06/2026** को **कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति लालबर्रा , अतिरिक्त मंडी प्रांगण बकोडा लालबर्रा जिला बालाघाट** मे गठित समिति के समक्ष **समय 12:00 बजे** दोपहर मे खोली जावेगी।

क्र.	दुकान/ संरचना का प्रकार	साईज (वर्ग मीटर)	कुल संख्या	कमांक	अजा/अजजा हेतु आरक्षित		निर्धारित अपसेट कीमत प्रति नग	अग्रिम धन (धरोहर) की राशि अपसेट कीमत का 10%
					संख्या	क्रमांक		
01	02	03		04	05	06	07	08
				भू–तल				
1	ग्रुप A	15.18	18	1,7,8,9,10,12,13,14, 15,16,17,18,19,22, 23,24,36,37	02	15,12	535505.00	53600.00
2	ग्रुप B	17.82	5	3,4,5,20,21	01	3	628636.00	62900.00
3	ग्रुप C	13.80	3	28,29,30		-	486823.00	48700.00
4	ग्रुप D	14.26	11	2,6,11,25,26,27, 31,32,33, 34,35	01	2	503050.00	50300.00
				प्रथम तल				
1	ग्रुप A	15.18	18	1,7,8,9,10,12,13,14, 15,16,17, 18,19,22, 23,24,34,35	02	16,13	508730.00	50900.00
2	ग्रुप B	17.82	5	3,4,5,20,21	01	5	597204.00	59700.00
3	ग्रुप C	13.80	3	27,28,29		-	462481.00	46200.00
4	ग्रुप D	14.26	9	2,6,11,25,26,30, 31,32,33	01	33	477898.00	47800.00

प्रमुख शर्तेः –

1 अग्रिम धन(धरोहर राशि) बैंक ड्राफट या बैंकर्स चैक के रूप मे **सचिव, कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा** के नाम जमा किया जा सकेगा। जिसके लिये भुगतान कर्ता को मंडी समिति की ओर से एक रसीदजारी की जावेगी।
2 बिना धरोहर राशि (अग्रिम राशि) जमा की गई प्रस्थापनायें (ऑफर) मान्य नही होगी।
3 ओव्हर राईटिंग एवं सशर्त प्रस्थापनायें (आफर) स्वीकार नही की जावेगी।
4 **मोहर बंद प्रस्थापनाये (आफर) केवल रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही जमा की जा सकेगी।**
5 विस्तृत नियम एवं शर्ते दिनांक **19/06/2026** तक कार्य दिवसों में कृषि उपज मण्डी समिति **लालबर्रा** बालाघाट के अस्थाई कार्यालय **पता:– दुकान क्रमांक 06, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मुख्य मंडी प्रांगण , लालबर्रा जिला– बालाघाट** से ज्ञात की जा सकती है।
6 देय वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस पर शासन द्वारा निर्धारित जी0एस0टी0 पृथक से देय होगा।
7 प्रत्येक दुकान के कालम न. 08 में दर्शित अपसेट कीमत के उपर के ही प्रस्थापना (ऑफर) स्वीकार की जावेगी।
8 दुकानो की वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस 20 रूपये प्रतिवर्ग मीटर होगा, जिसे प्रतिवर्ष अग्रिम धनराशि के रूप में जमा करना होगा।
9 आरक्षित **दुकानों** हेतु अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
10 यदि आरक्षित दुकानों के आवंटन के लिए अनुसुचित जाति या अनुसुचित जनजाति से संबंधित कोई व्यक्ति भाग नही लेता है तो ऐसी संरचनाओं को अनारक्षित माना जाकर नीलामी की जावेगी।
11 **अग्रिम धन (धरोहर राशि)** जमा करने वाले व्यक्ति को प्रस्थापनायें (आफर) खोले जाने के दिनांक को समक्ष में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा
जिला–बालाघाट म0प्र0

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा
जिला–बालाघाट म0प्र0

In The Court Of ManishKumar Singh, I Civil Judge
Senior Division, District Court, Balaghat
Presiding Officer : मनीष कुमार सिंह
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा ३७२ भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000018/2026)
श्रीमती चनइबाइ जामरे .... आवेदक
Vs
महेश जारमे .... अनावेदक

Process Id - / 2026
पेशी दिनांक:- १५/०६/२०२६

प्रेषिती-
(१) सर्व साधारण आम जनता पता-आम जनता
(२) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती चनइबाइ जामरे पता निवासी वार्ड नंबर ४ सुरवाही पोस्ट धनसुआ जिला बालाघाट ने मृतक स्व. मानकलाल जामरे निवासी वार्ड नंबर ४ सुरवाही पोस्ट धनसुआ जिला बालाघाट की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा के खाता क्रमांक १९२००१२३४३५५ में राशि २३४३९/- राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक १५ जून २०२६ को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक १५ जून २०२६ को न्यायालय में स्वयं अथव अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तरीख ११ मई २०२६ को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश
मनीष कुमार सिंह
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश,
वरिष्ठ खण्ड बालाघाट (म.प्र)

कृपया ध्यान दें:-
१. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

आवश्यकता है
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवक-02 पद, वेतन-10,000+
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवती-02 पद, वेतन-7,000+
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई . की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
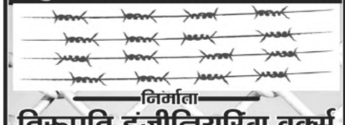
निर्माता
तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

1 जून से खुलेंगे जिले के स्कूल, पहले चरण में शिक्षकों की रहेगी उपस्थिति

16 जून से शुरू होगा छात्रों का नया शैक्षणिक सत्र, विभाग ने जारी किया आदेश

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बीच शिक्षा विभाग ने जिले में स्कूल खोले जाने को लेकर आदेश जारी कर दिया है। विभागीय आदेश के अनुसार जिले के शासकीय स्कूल 1 जून से खोल दिए जाएंगे। हालांकि शुरुआती 15 दिनों तक केवल शिक्षकों की उपस्थिति रहेगी, जबकि छात्र-छात्राओं के लिए नया शैक्षणिक सत्र 16 जून से प्रारंभ होगा। विभाग द्वारा जारी आदेश में शिक्षकों के लिए सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक स्कूल में उपस्थित रहना अनिवार्य किया गया है। इस दौरान शिक्षकों को स्कूलों में लंबित प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों को पूरा करना होगा। बताया जा रहा है कि नए शिक्षा सत्र की तैयारी, रिकॉर्ड संधारण, विद्यार्थियों की नामांकन प्रक्रिया, पुस्तक वितरण, विद्यालय की साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर यह निर्णय लिया गया है।

सोशल मीडिया पर भी शिक्षा विभाग का यह आदेश तेजी से वायरल हो रहा है। आदेश सामने आने के बाद शिक्षक वर्ग और अभिभावकों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। कई लोग विभाग के निर्णय को नए सत्र की तैयारियों के लिए आवश्यक बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग भीषण गर्मी के बीच स्कूल खोले जाने को लेकर चिंता भी जता रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वर्तमान में जिले सहित पूरे प्रदेश में तेज गर्मी का दौर जारी है। दोपहर के समय तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षकों को नियमित रूप से स्कूल पहुंचने के निर्देश दिए जाने को लेकर भी चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि विभाग का कहना है कि फिलहाल केवल शिक्षकों की उपस्थिति रहेगी और विद्यार्थियों को 16 जून से स्कूल बुलाया जाएगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि नए शिक्षा सत्र के पहले स्कूलों में कई आवश्यक कार्य लंबित रहते हैं, जिन्हें समय रहते पूरा करना जरूरी होता है। इसी उद्देश्य से शिक्षकों को पहले बुलाया गया है ताकि विद्यार्थियों के आने तक स्कूलों की सभी व्यवस्थाएं पूरी की जा सकें। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इस अवधि में स्कूलों में साफ-सफाई, फर्नीचर व्यवस्था, पेयजल, मध्यान्ह भोजन, पाठ्यपुस्तक वितरण और नामांकन जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही शिक्षकों को नए सत्र की शैक्षणिक योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि भीषण गर्मी के बीच विभागीय व्यवस्था किस प्रकार संचालित होगी और 16 जून से विद्यार्थियों की उपस्थिति के साथ स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र किस तरह शुरू किया जाएगा।

शासकीय जमीन खाली कराने पहुंचा प्रशासन, आकाशवाणी क्षेत्र में वार्डवासियों का विरोध

जेसीबी और भारी पुलिस बल के साथ पहुंची टीम, लोगों ने मांगा मुआवजा और जमीन के बदले जमी, एसडीएम ने दी अंतिम मोहलत, अगली कार्रवाई में बुलडोजर चलाने की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के आकाशवाणी और वेटरिनरी कॉलोनी क्षेत्र में शासकीय भूमि पर बने मकानों को खाली कराने पहुंची जिला प्रशासन की टीम को बुधवार को विरोध का सामना करना पड़ा। प्रशासन जेसीबी मशीन और भारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचा था, लेकिन वार्डवासी अपने-अपने घरों के सामने खड़े हो गए और मकान खाली करने से साफ इनकार कर दिया। इस दौरान क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। कुछ लोगों का कहना था कि प्रशासन पहले उन्हें जमीन के बदले जमीन और टूटने वाले मकानों का उचित मुआवजा दे, उसके बाद ही वे मकान खाली करेंगे। वहीं कई परिवारों ने यहां से हटने से ही मना कर दिया। प्रशासन और वार्डवासियों के बीच काफी देर तक समझाइश और बहस का दौर चलता रहा। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने लोगों को बताया कि शासकीय भूमि खाली कराने को लेकर पहले भी कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल कार्रवाई रोकते हुए वार्डवासियों को मकान खाली करने के लिए कुछ दिनों की अंतिम मोहलत दी। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया कि अगली बार टीम सीधे बुलडोजर कार्रवाई के लिए पहुंचेगी और यदि किसी ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई या विवाद किया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई की सूचना मिलते ही क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे, जिससे आकाशवाणी इलाके में काफी देर तक भीड़भाड़ और तनाव का माहौल बना रहा।

शहर के आकाशवाणी वार्ड क्रमांक 23 में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम को बुधवार सुबह भारी विरोध का सामना करना पड़ा। तहसील कार्यालय निर्माण और अन्य शासकीय उपयोग के लिए चिन्हित भूमि को खाली कराने प्रशासनिक अमला पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंचा, लेकिन वार्डवासियों ने मकान खाली करने से साफ इनकार कर दिया। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ लोगों ने अपने घरों के सामने बुजुर्ग महिलाओं को लिटाकर कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, आकाशवाणी वार्ड क्रमांक 23 और वेटरिनरी कॉलोनी क्षेत्र में बीते कई वर्षों से कुछ परिवार शासकीय भूमि पर कच्चे और पक्के मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा इस भूमि पर तहसील कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद यहां निवासरत लगभग 62 परिवारों को नोटिस जारी कर भूमि खाली करने के निर्देश दिए गए थे। बुधवार सुबह लगभग 10 बजे एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी, तहसीलदार सुनील वर्मा, राजस्व विभाग की टीम, नगर पालिका अमला और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। प्रशासनिक टीम के साथ जेसीबी मशीनें भी मौजूद थीं, जिन्हें देखकर वार्डवासियों में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि यदि शासन उन्हें यहां से हटाना चाहता है तो पहले उन्हें जमीन के बदले जमीन उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिनके मकान तोड़े जाएंगे, उन्हें उचित मुआवजा भी दिया जाए। वार्डवासियों का कहना था कि वे कई दिनों से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्या बता रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कार्रवाई के दौरान जैसे ही जेसीबी आगे बढ़ी, कुछ महिलाओं और परिजनों ने अपने घरों के सामने बुजुर्ग महिलाओं को लिटा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। भीषण गर्मी के बीच महिलाएं अपने मकानों को बचाने की मांग पर अड़ी रहीं। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वार्डवासी अपनी मांगों पर डटे रहे। इस दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने सख्त लहजे में वार्डवासियों से कहा कि शासकीय भूमि को हर हाल में खाली कराया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी ने सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग आर्थिक रूप से संपन्न होने के बावजूद भी शासकीय भूमि पर कब्जा किए हुए हैं। प्रशासन जल्द ही पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराएगा और इसके बाद भी यदि कोई अवैध कब्जा करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कुछ घंटों तक चली बहस और विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने फिलहाल वार्डवासियों को मकान खाली करने के लिए कुछ और समय दे दिया। इसके बाद प्रशासनिक टीम वापस लौट गई, लेकिन क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। वार्डवासियों का कहना है कि वे यहां से हटने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर वे जाएंगे कहां। कई परिवारों ने बताया कि उनके पास रहने के लिए कोई दूसरा स्थान नहीं है और वे वर्षों से यहां रह रहे हैं। लोगों ने जनप्रतिनिधियों पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि चुनाव के समय सभी नेता क्षेत्र में आते हैं, लेकिन आज उनकी समस्या सुनने कोई सामने नहीं आ रहा। कुछ परिवारों ने स्वेच्छा से पहले ही अपने मकान खाली कर सामान हटा लिया है, लेकिन जिन लोगों के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, वे अब भी अपने घरों में रह रहे हैं। कई लोगों ने साफ शब्दों में कहा कि चाहे प्रशासन उनके मकान तोड़ दे, लेकिन वे अपना घर छोड़कर नहीं जाएंगे।

कीटनाशक के सेवन से युवक की उपचार के दौरान मौत

परिजनों ने चिकित्सक पर लगाया उपचार में लापरवाही का आरोप ,सिविल सर्जन ने नकारा, पीएम के बाद सौपा गया शव, जाच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक का सेवन करने से अस्वस्थ हुए एक युवक की लंबे समय तक चले उपचार के दौरान मौत हो गई,मृतक का नाम ग्रामीण थाना नवेगांव ग्राम पंचायत धापेवाडा विश्रामपुर निवासी 21 वर्षीय प्रिंस पिता नरेंद्र लिल्हारे बताया गया है। जिनके शव का बुधवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है, तो वही मार्ग डायरी के आधार पर संबंधित थाना पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि युवक ने कीटनाशक का सेवन क्यों किया था फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है।लेकिन युवक द्वारा चूहामार का सेवन करना बताया गया है।

16 मई को अज्ञात कारणों के चलते कीटनाशक का किया था सेवन

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रिंस लिल्हारे, पढ़ाई छोड़कर घर के ट्रैक्टर जेसीबी का मैनेजमेंट संभाल रहा था, बताया गया की 16 मई को अज्ञात कारणों के चलते प्रिंस ने कीटनाशक का सेवन कर लिया जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर उसने अपनी माँ देवकी बाई को कीटनाशक का सेवन करने की बात बताई और उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए कहा,प्रिंस की सूचना पर उनके परिजनों द्वारा उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। जहा 2 दिन चले उपचार के बाद स्वास्थ हुए बिना ही, प्रिंस के आग्रह पर 18 मई को ही उसे

चिकित्सकों ने डिस्चार्ज कर दिया।जिस पर परिजन, प्रिंस को लेकर वापस अपने घर चले गए। जिसकी 19 मई को पुन: तबीयत खराब हो गई। जिनके परिजनों ने उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां तीन दिनों तक चले उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए 22 मई को निजी अस्पताल नागपुर रेफर कर दिया।जहां 2 दिनों युवक का एम्स अस्पताल में उपचार चला। वहां भी उसकी हालत में सुधार न आने पर उनके परिजनों ने नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां 2 दिनों तक उनका उपचार चला।अंत मे वहां के चिकित्सकों ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए, जहां के चिकित्सकों ने शरीर में इंफेक्शन फैलने की बात कहते हुए युवक को वापस घर ले जाकर सेवा करने की बात कहीं, जिस पर परिजनों ने 25 मई को उसे पुन: जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां 26 मई की रात उपचार के दौरान युवक दम तोड़ दिया।

परिजनों ने चिकित्सक पर लगाया उपचार में लापरवाही का आरोप

इस पूरे मामले में मृतक के परिजनों ने जिला अस्पताल के चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया है,आमगांव निवासी मृतक के परिजन अजय लिल्हारे ने बताया कि, ऐसे केस में अक्सर 72 से 76 घंटे वेट एंड वॉच की स्थिति रहती है लेकिन जिला अस्पताल के चिकित्सक ने महज 30-40 घंटे में ही परिजनों से पूछे बिना ही प्रिंस को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया।परिजनों का आरोप है कि प्रिंस की तबियत नही सुधरी थी,उन्होंने डिस्चार्ज करने से मना किया था, लेकिन चिकित्सक ने प्रिंस के कहने पर आकर उसे डिस्चार्ज कर दिया।यदि समय पर जिला अस्पताल में ही सही उपचार मिल जाता तो उन्हें प्रिंस को लेकर उपचार के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता और उसकी मृत्यु भी हुई नहीं होती।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर मंगलवार रात चिकित्सकों से मार्ग जानकारी मिलने पर,अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया, जहां रात अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिसे पीएम के लिए अस्पताल मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। बुधवार की सुबह अस्पताल चौकी पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले कि आगामी कार्यवाही के लिए डायरी संबंधित थाना पहुंचाई है, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मना करने के बाद भी परिजन अपनी मर्जी प्रिंस को लेकर घर गए थे- जैन

इस पूरे मामले में सिविल सर्जन ने परिजनों के आरोपो का खंडन किया है।दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सिविल सर्जन निलय जैन ने बताया कि दो दिन के उपचार के बाद परिजन, प्रिंस लिल्हारे को अपनी मर्जी से घर ले गए थे। डॉक्टरों ने परिजनों को उसकी हालत गंभीर होने की जानकारी दी थी।लेकिन वे नही माने, नागपुर से वापस लाए जाने पर पता चला कि उसके शरीर में रेड किलिंग पाउडर का जहर काफी फैल चुका था, जिससे उसकी मौत हो गई।उन्होंने आगे बताया कि, यह कोई पहला मामला नहीं है। ऐसे कई प्रकरण सामने आते हैं, जब मरीज या उनके परिजन बिना बताए या अपनी मर्जी से अस्पताल से छुट्टी कराकर चले जाते हैं।बाद में कुछ होने पर आरोप प्रत्यारोप लगाते है।

कुएं की जर्जर घिरनी टूटी, पानी भरते समय किशोरी कुएं में गिरने से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के ग्राम चरेगांव में बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। कुएं से पानी खींचते समय एक किशोरी रस्सा बाल्टी सहित कुएं में गिरने से घायल हो गई। घायल किशोरी स्वाति पिता निगम धुर्वे 17 वर्ष ग्राम चरेगाव निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चरेगांव निवासी निगम धुर्वे अपने परिवार के साथ मजदूरी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी और एक बेटा है। बड़ी बेटी स्वाति धुर्वे इसी वर्ष कक्षा दसवीं उत्तीर्ण होकर 11वीं में पहुंची है। यह भी बताया गया है कि निगम धुर्वे के घर के कुछ दूरी पर शासकीय कुआं है। गांव के लोग निस्तार के लिए पानी लेते हैं। यह भी बताया गया है कि इस कुएं में पानी निकालने के लिए लगाई गई घिरनी के दोनों साइड के एंगल जंग लगने के कारण काफी खराब हो चुके थे। इसके बावजूद भी गांव के लोग पानी यहीं से निकलते थे। रोज की तरह 27 मई को सुबह 9:30 स्वाति धुर्वे रस्सी बाल्टी लेकर इस शासकीय कुएं में पानी लेने के लिए गई थी जैसे ही स्वाति धुर्वे ने घिरनी से कुएं के अंदर रस्सा बाल्टी डाली और पानी से भरी बाल्टी घिरनी से ऊपर खींच रही थी। तभी अचानक लोहे के एंगल टूट गए। जिससे स्वाति धुर्वे का संतुलन बिगड़ गया और वह रस्सा बाल्टी सहित कुएं के अंदर जा गिरी। उस समय कुछ लोग पास में ही थे जिनके चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के अलावा स्वाति के परिवार के लोग दौड़े और खटिया रस्सी से बांधकर कुएं में डालें और स्वाति को बाहर निकले और उसे चरेगाव ही अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

ईद उल अजहा का पर्व आज, ईदगाह में अदा की जाएगी विशेष नमाज

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने जारी किये दिशा निर्देश

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। अल्लाह के पैगंबर हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाला ईद उल अजहा का पर्व गुरुवार को देश सहित सम्पूर्ण बालाघाट जिले में पूर्ण अकीदत के साथ मनाया जायेगा।कुर्बानी के इस खास पर्व ईद उल अजहा को लेकर नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले में मुस्लिम धर्मालंबियों द्वारा पर्व विशेष की तैयारिया पुर्ण कर ली गई है।जहा इस पर्व पर घर- घर बकरों की कुर्बानी की जायेगी।जिसके गोश्त को गरीबो रिश्तेदारो में बाटा जाएगा। इस पर्व पर अदा की जाने वाली विशेष नमाज, पुलिस लाइन स्थित ईदगाह में सुबह 7 बजे अदा होगी, जबकि दूसरी नमाज मस्जिद आला हजरत जामेआ नूरिया में सुबह 7:45 बजे आयोजित होगी। अंजुमन कमेटी ने समाजजनों से तय समय पर नमाज स्थल पहुंचने की अपील की है।

मुस्लिम बहुल इलाकों की बढ़ी रौनके

ईद उल अजहा के इस प्रमुख पर्व को लेकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में खासी रौनक देखी जा रही है। जहां घरो-घर कुर्बानी को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जहां घरों की साफ-सफाई कर रंग रोगन लगाकर विशेष रुप से घरों को सजाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।इस पर्व को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों में देखा जा रहा है जो ईद उल अजहा के खास मौके पर फर्ज और वाजिब नमाज अदा करने, कुर्बानी का गोश्त गरीबों में तक्सीम करने, नए कपड़े पहनने और तरह-तरह के पकवानों का सेवन कर विभिन्न धार्मिक व मनोरंजक जगहों में जाकर सैर सपाटा करने को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं।जिसकी योजना भी बच्चों ने अपने परिवार के साथ मिलकर बना ली है। अब पूरे मुस्लिम समाज को गुरुवार की सुबह का इंतजार है। क्योंकि सुबह होते ही ईद उल अजहा का पर्व शुरू हो जाएगा जो तीन दिनों तक जारी रहेगा।

सोशल मीडिया पर बधाई का दौर जारी

ईद उल अजहा के इस पर्व को लेकर पिछले चार-पांच दिनों से सोशल मीडिया पर बधाई देने का दौर बदस्तूर जारी है जहां लोग अपने रिश्तेदार सगे संबंधी दोस्तों सहित जान पहचान वालों को ईद उल अजहा की मुबारकबाद प्रेषित कर रहे हैं। इस पर्व विशेष को लेकर सोशल मीडिया के व्हाट्सएप प्लेटफार्म का सबसे ज्यादा उपयोग किया जा रहा है वही व्हाट्सएप के अलावा फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, जीमेल, ईमेल, टेक्स्ट मैसेज सहित अन्य प्रकार के प्लेटफार्म का उपयोग कर लोग ईद उल अजहा से जुड़े फोटो, वीडियो, हदीस ,टैक्स मैसेज सहित पर्व से जुड़ी विभिन्न जानकारियां एक दूसरे के साथ साझा कर रहे हैं।वहीं इस पर्व कि एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक मैसेज फोटो वीडियो टैक्स आदि ना भेजने की जानकारी भी जमकर फारवर्ड की जा रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सामाजिक सद्भाव के साथ मनाए पर्व, गरीबों का रखे विशेष ध्यान- फारुख

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने कुर्बानी को लेकर विशेष सावधानी और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया है।सदर मो फारुख ने पर्व विशेष को लेकर दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कुर्बानी अपने बंद आंगन में की जाए तथा गैर मुस्लिम क्षेत्रों की सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी से बचा जाए। इसके अलावा कुर्बानी के वीडियो, फोटो और ऑडियो सोशल मीडिया पर साझा न करने की भी अपील की है, ताकि किसी प्रकार की सामाजिक असहजता उत्पन्न न हो।कमेटी ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए कुर्बानी के बाद पशु अवशेषों का उचित निस्तारण करने, अनुपयोगी वस्तुओं को सुरक्षित दफनाने की व्यवस्था अपनाने को कहा गया है।उन्होंने पुलिस व नपा प्रशासन से पर्व विशेष पर उचित व्यवस्था बनाने और सहयोग की अपील करते हुए सभी नागरिकों से आपसी भाईचारे, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव के साथ पर्व मनाने की बात कही है।

खिलाड़ियों ने खेल स्टेडियम की साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

देखरेख के अभाव में खंडहर हो रहा लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लाखों रूपये की लागत से खेल को बढ़ावा देने और स्थानीय खिलाड़ियों को सर्वसुविधा युक्त मैदान उपलब्ध करवाने की मंशा से बनाया गया खेल स्टेडियम आज खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। नगर मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत पनबिहरी के आगे चिचगांव मार्ग पर स्थित खेल स्टेडियम देखरेख के अभाव में पूरी तरह खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। प्रशासनिक उदासीनता के कारण जिस मैदान से खेल प्रतिभाएं निखरनी थीं। वह अब असामाजिक तत्वों और झाड़ियों का अड्डा बन चुका है। इस तरह से विगत वर्ष करीब ५० लाख रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम देख-रेख के अभाव में खंडहर होने की कगार पर है और जिस मंशा से बनाया गया है उसका लाभ क्षेत्र के खिलाड़ियों को नही मिल पा रहा है। जिसके कारण यह लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम औचित्यहीन साबित हो रहा है। खिलाड़ी एवं ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से पनबिहरी में बने खेल स्टेडियम में उगी झाडियों व गंदगी की सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम सुरक्षित रह सके और खिलाडियों को उसका लाभ मिल सके।

मैदान में गड्डे और झाड़ियां, टूटीं हुई है टाइल्स

आपको बता दे कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए विगत वर्ष पूर्व नगर मुख्यालय से करीब २ किमी दूर सर्राटी नदी के समीप पनबिहरी के आगे चिचगांव पहुंच पर करीब ५० लाख रूपयों की लागत

से खेल स्टेडियम का निर्माण किया गया है। लेकिन नगर मुख्यालय से काफी दुर होने के कारण इस खेल मैदान का खिलाड़ियों को लाभ नही मिल पा रहा है। किन्तु नगर में सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान नही होने के कारण कुछ खिलाड़ी क्रिकेट खेलने जाते है। लेकिन वर्तमान में देख-रेख के अभाव में लाखों रूपयों की लागत से बना खेल स्टेडियम खंडहर में तब्दील होने लगा है। यानि की स्टेडियम की जमीनी हकीकत बेहद दयनीय है। रख-रखाव न होने के कारण पूरे परिसर में बड़ी-बड़ी कटीली झाड़ियां उग आई हैं। मैदान में जगह-जगह गड्डे हो चुके हैं, जिससे खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा हर समय बना रहता है। स्टेडियम के भवन की हालत भी जर्जर है, वहां लगी टाइल्स टूट-फूट चुकी हैं और खिड़की-दरवाजे भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। लाखों रूपये का यह सरकारी प्रोजेक्ट सरकारी तंत्र की लापरवाही की वजह से कबाड़ में तब्दील होने की कगार पर है। वहीं कुछ खिलाड़ियों का कहना है कि यहां अभ्यास करने आते हैं, लेकिन मैदान की हालत देखकर निराशा होती है। न तो यहां दौड़ने के लिए ट्रैक सही है और न ही बैठने की व्यवस्था भी नही है जिससे खिलाड़ियों को खेल का अभ्यास करने में परेशानी हो रही है।

खेल प्रतिभाओं के भविष्य पर संकट

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के बड़े-बड़े दावे तो किये जाते हैं, लेकिन पनबिहरी का यह स्टेडियम उन दावों की पोल खोल रहा है। स्थानीय युवाओं और खिलाड़ियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत करवाया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र के युवा अब खेल के अभ्यास से भी वंचित हो रहे हैं। खिलाड़ी एवं जागरूक नागरिकों ने पनबिहरी में बने खेल स्टेडियम की देख-रेख कर झाडियों की साफ- सफाई, मरम्मत कार्य, स्टेडियम की सुरक्षा के लिए चौकीदार या देखरेख की उचित व्यवस्था करवाने की मांग प्रशासन से की है।

खंडहर में तब्दील हो रहा खेल स्टेडियम - अंकित

युथ कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि शासन के द्वारा जिस उद्देश्य से खेल स्टेडियम का निर्माण नगर मुख्यालय से करीब २ किमी दूर पनबिहरी में किया गया था उसका उपयोग नही हो पा रहा है। जगह-जगह से टूट-फुट हो चुकी है, अव्यवस्था फैली हुई है और लाखों रूपयों की लागत से बना यह खेल स्टेडियम देख-रेख के अभाव में खंडहर में तब्दील होने लगा है। श्री पिपलोद ने बताया कि यही खेल स्टेडियम अगर नगर मुख्यालय में बनता तो खिलाड़ियों को खेल का अभ्यास करने में सुविधा होती, लेकिन नगर मुख्यालय से करीब दो किमी दूर निर्माण किया गया है और उसकी देख-रेख भी नही की जा रही है। जिसके कारण खिड़की, दरवाजे, टाईल्स क्षतिग्रस्त हो चुकी है, झाडिया उग आई है और जिस मंशा से बनाया गया है उसका लाभ भी खिलाड़ियों को नही मिल पा रहा है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शासन की राशियों का दुरूपयोग किया गया है। प्रशासन से मांग है कि खेल स्टेडियम की साफ-सफाई, मरम्मत एवं देख-रेख के लिए एक कर्मचारी नियुक्त करें ताकि लाखों रूपयों की लागत से बना यह स्टेडियम व्यवस्थित रहे और लोगों को उसका लाभ मिल सके।

जामा मस्जिद में ८ बजे अदा होगी ईद-उल-अजहा की नमाज आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हजरत इब्राहिम के त्याग व कुर्बानी की याद में मनाया जाने वाला पर्व ईदुल-अजहा (बकरीद) का पर्व नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा २८ मई को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर २८ मई को प्रात: ८ बजे जामा मस्जिद लालबर्रा में बकरीद की विशेष नमाज अदा की जायेगी।

तत्संबंध में जानकारी देते हुए वक्फ अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर अफसर कुरैशी ने बताया कि २८ मई को ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर २८ मई को प्रात: ८ बजे जामा मस्जिद लालबर्रा में ईद उल अजहा की नमाज अदा करवाई जायेगी। इस अवसर पर सभी मुसलमान भाईयों से समय पर पहुंचने की अपील वक्फ अंजुमन इस्लामिया कमेटी लालबर्रा के सदर अफसर कुरैशी ने की है।

रजा मस्जिद में भी प्रात: ८ बजे अदा की जायेगी नमाज

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में २८ मई को प्रात: ८ बजे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की जायेगी। तत्संबंध में जानकारी देते हुए रजा मस्जिद कमेटी अमोली के हाफिज इरशाद अहमद अशरफी ने बताया कि हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाला ईद उल अजहा का पर्व २८ मई को मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा अकीदत के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रात: ८ बजे रजा मस्जिद अमोली में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की जायेगी। इस अवसर पर मुसलमान भाईयों से समय पर पहुंचने की अपील रजा मस्जिद के हाफिज एवं अन्य पदाधिकारियों ने की है।

फलों के राजा आम की बाजार में बढ़ी आवक

जगह-जगह पर लगने लगी आम की दुकानें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। फलों के राजा आम ने बाजार में दस्तक दे दी है। आम का नाम जुबान पर आते ही लोगों के मुंह में पानी आ ही जाता है। बहुत से लोग पूरे साल आम का सीजन आने का इंतजार करते हैं और बाजार में पके आम आने के बाद उसकी खरीदी कर बड़े शौक से उसका सेवन करते है। वहीं तेज धूप व उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान होते नजर आ रहे है एवं तेज धूप के चलते कूलर, पंखे भी गर्म हवा दे रहे है। साथ ही गर्मी में पानी प्यास अधिक लगती है और शरीर में पानी की मात्रा

कम होने पर उसकी पूर्ति करने के लिए तरबूज खाना जरूरी है क्योंकि तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है। जिसके सेवन से पानी की कमी दूर हो जाती है। वहीं इस भीषण गर्मी के बीच में गर्मी के शुरूआत से ही नगर मुख्यालय के हद्‌य स्थल बस स्टैण्ड, मजार के पास, मानपुर सोसायटी के पास, पांगा तालाब मोड़ाई व सब्जी मार्केट सहित अन्य स्थानों पर तरबूज की दुकानें लग रही है। वहीं आम का सीजन आते ही बाजार क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर आम की दुकानें लगने लगी है एवं बस स्टैण्ड सहित चौक-चौराहों के आसपास आम के ठेले नजर आने लगे है। जिसे देखते ही लोक आकर्षित हो रहे हैं। लेकिन महंगा होने की वजह से दाम पूछकर कुछ लोग लौट जा रहे तो कुछ खरीद भी रहे है। लेकिन वर्तमान समय में आम की बिक्री कम हो रही है। जिसका मुख्य कारण महंगा दाम को माना जा रहा है। साथ ही फलों के राजा के नाम से जाना जाने वाला फल आम की आवक धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। साथ ही एक माह तक आम फल की सीजन अच्छा रहेगा एवं व्यापारी के द्वारा बाहर से कमली, तोताफली सहित अन्य नाम के आमों की खरीदी कर लालबर्रा में विक्रय कर रहे है।

डोंकरबंदी में हवन-पूजन के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोकरबंदी में गत दिवस से जारी ९ दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का रविवार को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। इस नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्

भागवत कथा में मुख्य वाचक एवं प्रखर कथाव्यास पं. घनश्याम शुक्ला के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया गया। जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बही है और क्षेत्रीय श्रध्दालुओं ने कथा श्रवण कर पुण्यलाभ अर्जित किये। नौ दिनों तक चले इस संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में व्यास पूजन, कपिल देव व सुखदेव आगमन, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, प्रहलाद चरित्र, भगवान नरसिंह अवतार, वामन अवतार, राम अवतार तथा भगवान श्री कृष्ण का दिव्य जन्मोत्सव, भगवान श्री कृष्ण की अलौकिक बाल लीलाओं, माखन चोरी के नटखट प्रसंगों और गोवर्धन पूजा का अत्यंत मनोहारी व जीवंत वर्णन, उध्दव संवाद, रासलीला, कृष्ण विवाह, सुदामा चरित्र, द्वारिका लीला, यदोवंशीय उध्दार, गवलोक गमन, परिक्षित मोक्ष पर कथावाचक के द्वारा प्रवचन दिया गया और क्षेत्रीयजनों ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं अंतिम दिन यज्ञ पूर्णाहुति एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का समापन किया गया। इस अवसर पर कथावाचक के द्वारा सभी श्रध्दालुओं से कहा कि कथा से जो ज्ञान प्राप्त हुआ है उसे अपने जीवन में आत्मसात कर आध्यामिकता से जुड़कर एवं सत्य के बारे में चलकर बेहतर जीवन जीने एवं भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मी पर हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

घायल प्रधान आरक्षक राजेश्वर की हालत गंभीर, नागपुर में इलाज जारी, आरक्षक को आई मामूली चोटे

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम कामथी में मंगलवार शाम पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने वाले रेत माफिया के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने बेहद सख्त और त्वरित कार्यवाही की है। कर्तव्य पर तैनात प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले पर ट्रैक्टर चढ़ाकर फरार होने की कोशिश कर रहे मुख्य आरोपी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दो अन्य लोगों को भी अभिरक्षा में लेकर पुछताछ कर रही है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही कर रही है।

चालक ने पुलिसकर्मी पर चढ़ाया टैक्टर

प्राप्त जानकारी के मंगलवार शाम लालबर्रा थाने में पदस्थ आरक्षक सुशील विश्वकर्मा और प्रधान आरक्षक राजेश्वर रहांगडाले को कामथी क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की मुखबिर से सूचना मिली थी। जब पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर अवैध रेत से लदे ट्रैक्टर को रोका और साक्ष्य के तौर पर वीडियो बनाना शुरू किया। तभी पकड़े जाने के डर से आक्रोशित ट्रैक्टर चालक ने दुस्साहस दिखाते हुए प्रधान आरक्षक राजेश्वर पर सीधे ट्रैक्टर चढ़ा दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया एवं आरक्षक सुशील को मामूली चोटे आने की जानकारी सामने आई है जो बाल-बाल बच गया। वहीं पुलिसकर्मी पर रेत माफिया के द्वारा हत्या करने के प्रयास से ट्रैक्टर चढ़ा देने की जानकारी पुलिस के अधिकारियों को लगी तो पुलिसकर्मी घटना स्थल पर पहुंचे और इस जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हुए प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले को जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हे गोंदिया रिफर किया था किन्तु वह उनकी स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हे नागपुर (महाराष्ट्र) रिफर कर दिया है। जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार जारी है। पुलिस के आला अधिकारी लगातार उनके स्वास्थ्य अपडेट पर नजर बनाये हुए हैं।

पुलिस महकमा हुआ सख्त

मंगलवार देर शाम हुई इस दुस्साहसिक वारदात को पुलिस प्रशासन ने अत्यंत गंभीरता से लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जबलपुर रेंज के आईजी ललित शाक्यवार और बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा रात में ही मोर्चा संभालते हुए जिला अस्पताल पहुंचे। आईजी और एसपी के कड़े निर्देश पर पुलिस की विशेष टीमों ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए कामथी और आसपास के इलाकों में रात भर ताबड़तोड़ दबिश दी। पुलिस के इस कड़े रूख के आगे घुटने टेकते हुए मुख्य आरोपी आकाश टेकाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही अन्य दो लोगों को भी अभिरक्षा में ले लिया गया है। जिनसे पुछताछ की जा रही है। पुलिस अब इस अवैध कारोबार के पीछे जुड़े अन्य चेहरों की तलाश में जुट गई है।

मामले की जांच कर की जायेगी वैधानिक कार्यवाही - सुनिल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि मंगलवार की शाम में दो पुलिसकर्मी ग्राम कामथी गये हुए थे तभी ट्रैक्टर में रेत भर कर ला रहे चालक ने प्रधान आरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसका नागपुर में उपचार जारी है। वहीं घटना के बाद ट्रैक्टर चालक आकाश टेकाम को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं अन्य दो लोगों को भी अभिरक्षा में लेकर पुछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच की जा रही है।

विहिप-बजरंगदल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, गौवंश तस्करी व हत्या के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व हिन्दू परिषद-गोरक्षा विभाग और बजरंगदल द्वारा बकरीद के त्योहार के मद्देनजर जिले में अवैध गौवंश तस्करी और गौहत्या की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की गई है। इस संबंध में संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि देश में गौवंश केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं, बल्कि सात्विक ऊर्जा, आर्थिक समृद्धि और आरोग्य का सबसे श्रेष्ठ स्रोत है। इसके बावजूद कुछ राज्यों में बकरीद के मौके पर गौवंश की अवैध तस्करी और हत्या की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जो कि बेहद चिंताजनक हैं।संगठन ने पत्र के माध्यम से रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कई राज्यों में गौवंश हत्या रोधी कड़े कानून होने के बावजूद पुलिस-प्रशासन के ढुलमुल रवैये, लापरवाही या मिलीभगत के कारण गौवंश के हत्यारे और तस्कर सक्रिय हैं। इसी वजह से मजबूरन गौरक्षकों को अपने प्राण संकट में डालकर सड़कों पर उतरना पड़ता है।ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि मुस्लिम उलेमाओं के गौकशी विरोधी बयानों के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में बकरीद से पहले ऐसी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इसलिए मुस्लिम समुदाय के विद्वानों, नेताओं और वरिष्ठ लोगों को भी अपने समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दू समाज गौवंश रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिज्ञाबद्ध है और किसी भी कीमत पर गौवंश की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने बकरीद पर्व से पूर्व गौवंश हत्यारों व तस्करों के विरुद्ध कठोरता से कार्रवाई करने,और पर्व के अवसर पर कुछ राज्यों में वाहनों में गौवंश को लाने-ले जाने के नियमों में दी जाने वाली छूट को पूरी तरह से बंद किए जाने की मांग की।इस दौरान मुख्य रूप से युगल किशोर भगत (जिला गोरक्षा प्रमुख, विहिप), शुभम श्रीवास (जिला संयोजक, बजरंगदल), निलेश चौधरी (जिला सहसंयोजक, बजरंगदल), विजय ठाकरे (जिला मिलन प्रमुख, बजरंगदल), बॉबी मिश्रा (नगर संयोजक, बजरंगदल), रजत श्रीवास्तव (नगर उपाध्यक्ष, विहिप) एवं धीरज द्विवेदी (नगर सहमंत्री, विहिप) सहित संगठन के अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. ०००३/ड-१५४/२०२६-२७
मौजा मोहगांव, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हुकुमचंद देशकर पिता होल्याश्रीराम देशकर जाति माली, निवासी ग्राम मोहगांव ध० , तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मोहगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता होल्याश्रीराम पिता ओखाजी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९६९ की धारा १२ (२), म.प्र. मृत्यु पंजीयन १९९९ नियम १२ (२) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक १४.०९.२००८ मृत्यु की घटना स्थल ग्राम मोहगांव ध० के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक ०५.०६.२०२६ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक २६.०५.२०२६ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - २८.०५.२०२६

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

४४ डिग्री की भीषण गर्मी में सूखे कंठ, बूंद बूंद पानी को तरस रहे राहगीर

नगर में नहीं खुले प्याऊ शो.पीस बने वाटर कूलर लोग होटलों और दुकानों में पानी के लिए मजबूर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मई के महीने में सूर्य देव के तीखे तेवरों ने समूचे क्षेत्र को भट्ठी की तरह तपा दिया है। तापमान न्यूनतम २९ डिग्री से बढ़कर अधिकतम ४४ डिग्री सेल्सियस तक पहुँच चुका है। जिससे आसमान से आग बरसने का अहसास हो रहा है दोपहर १ बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और लोग उमस व इस चिलचिलाती धूप में हलाकान हो रहे हैं। इस भीषण गर्मी में जहाँ हर राहगीर को अपने सूखे कंठ तर करने के लिए ठंडे पानी की दरकार है ,वहीं स्थानीय नगर पालिका परिषद की उदासीनता के कारण लोग बूंद.बूंद पानी के लिए इधर उधर भटकने को मजबूर हैं। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अब तक मुख्य सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल प्याऊ की व्यवस्था नहीं की गई है जिससे जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जिला मुख्यालय के बाद सबसे बड़ा केंद्र फिर भी बदइंतजामी

बालाघाट जिले के बाद यदि कोई सबसे बड़ा व्यापारिक और प्रशासनिक मुख्यालय है तो वह वारासिवनी है। यहाँ प्रतिदिन आस पास के ग्रामीण अंचलों से लोग ५ से लेकर २५ किलोमीटर तक की दूरी साइकिल और मोटरसाइकिल से तय कर अपने जरूरी कार्यों के लिए पहुँचते हैं। इतनी लंबी दूरी तय कर जब ग्रामीण नगर में प्रवेश करते हैं तो उन्हें भीषण गर्मी में पीने का साफ और ठंडा पानी तक मयस्सर नहीं हो रहा है। चौराहों पर प्याऊ नही होने से राहगीर और ग्रामीण पानी की तलाश में निजी होटलों या दुकानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। कई बार दुकानदार अपनी सीमित व्यवस्थाओं के चलते पानी पिलाने से इनकार भी कर देते हैं। जिससे प्रखर धूप में लोगों को भारी शर्मिंदगी और परेशानी का सामना करना पड़ता है।

शीतल जल के बोर्ड पर आ रहा गर्म पानी वाटर कूलर पड़े बंद

नगर पालिका परिषद के दावों की पोल नगर के प्रमुख स्थलों पर साफ खुलती नजर आ रही है। नगर के बस स्टैंड , दीनदयाल चौक और चावड़ी जैसे व्यस्ततम स्थानों पर नगर पालिका के द्वारा लाखों रुपये खर्च कर स्थाई वाटर कूलर तो स्थापित किए गए हैं लेकिन वर्तमान में ये सभी बंद पड़े हुए हैं। इन वाटर कूलरों पर बड़े.बड़े अक्षरों में शीतल जल तो लिखा है लेकिन नलों से केवल गर्म या सामान्य पानी ही निकल रहा है। भीषण गर्मी में यह गर्म पानी पीने योग्य नहीं है जिसके कारण राहगीरों को जेब ढीली कर ठंडी बोतलों का सहारा लेना पड़ रहा है। मई का महीना बीतने को है और जून की और अधिक तपाने वाली गर्मी प्रारंभ होने वाली है। सूर्य की तेज किरणों के कारण लोगों के शरीरों में जलन होने लगी है और इस मौसम का सीधा असर आम जनजीवन व लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन ने अब तक नगर के प्रमुख चौकों पर सार्वजनिक प्याऊ खोलने की सुध नहीं ली है।

नगर में सार्वजनिक प्याऊ की कोई व्यवस्था नहीं है-पंकज बिसेन

राहगीर पंकज बिसेन ने बताया कि नगर में सार्वजनिक प्याऊ की कोई व्यवस्था नहीं है। शीतल पेयजल कुछ स्थानों पर लिखा हुआ है परंतु वहां गर्म पानी निकल रहा है ठंडा पानी नहीं है। दुकान होटल में हम जा रहे हैं क्योंकि कुछ स्थानों पर मशीन चालू नहीं है बस स्टैंड में भी यही स्थिति बनी हुई है दिक्कत तो हो रही है पर क्या करें। नगर पालिका को इस पर ध्यान देना चाहिए था।

दीनदयाल चौक का वाटर कूलर बंद है गर्म पानी निकलता है-अजय

बस एजेंट अजय ने बताया कि दीनदयाल चौक का वाटर कूलर बहुत दिनों से बंद पड़ा हुआ है गर्म पानी निकलता है। ठंडा पानी नहीं निकलता है यहां पर मशीन लगी हुई है यात्रियों को नल के पास आने के बाद निराशा होकर लौटना पड़ता है इधर उधर वह भटकते हैं। जैसे हम लोगों को पानी पीना होता है तो हम आसपास की दुकानों में जो मटके रखे हैं वहां जाकर पानी पीते हैं। इस मशीन को चालू करना चाहिए बस स्टैंड में भी जो मशीन लगी है वह भी बंद है बड़े अक्षर में शीतल जल लिखा है पर पानी गर्म है। हम चाहते हैं कि ठंडा पानी मिले भीषण गर्मी चल रही है।

नगर पालिका ने एक ही स्थान पर सिर्फ प्याऊ की व्यवस्था की है-तुलसीदास व्यास

पूर्व पार्षद तुलसीदास व्यास ने बताया की नगर पालिका ने एक प्याऊ तहसील कार्यालय में खोला है वहीं शिव मंदिर समिति ने दीनदयाल चौक पर प्याऊ खोला है। इसके अलावा नगर पालिका ने कहीं कोई व्यवस्था नहीं की है अभी अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि पार्षद का काम होता है प्याऊ खुलवाना हमारे समय पक्ष विपक्ष दोनों मांग करते थे और ध्यान देते थे अब कोई ध्यान नहीं दे रहा है। शहर में पानी पीने की बहुत दिक्कत है बोतल लेकर लोग इधर.उधर भटकते हैं कुछ स्थानों में मशीन बंद है गर्म पानी निकलता है। प्रशासन ध्यान नहीं देता इसका सीधा प्रमाण है अभी भी नगर पालिका ध्यान देती है तो जून का एक महीना बचा है भीषण गर्मी में लोगों को थोड़ी सुविधा तो हो जाएगी।

इनका कहना हैं

मौखिक सूचना में बताया कि नगर के कुछ स्थानों पर हमारे द्वारा मटके और वॉटर कैन के माध्यम से प्याऊ की व्यवस्था बनाई गई है। वाटर कूलर जो बंद पड़े हैं उन्हें सुधार करने का कार्य किया जा रहा है और संभावित स्थानों पर प्याऊ खोल दिया जायेगा।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

मानसून को देखते हुए विद्युत विभाग अलर्ट, बालाघाट वृत्त में बनाए गए कॉल सेंटर

उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जारी किए गए कॉल सेंटर एवं अधिकारियों के नंबर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी मानसून एवं वर्षा ऋतु के दौरान संभावित विद्युत व्यवधानों को देखते हुए म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, बालाघाट वृत्त द्वारा जिलेभर में विशेष कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं। विभाग का उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को बिना व्यवधान विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उइके ने बताया कि प्रत्येक वितरण केंद्र स्तर पर उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए कॉल सेंटर बनाये गए है और इनमें संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है। बालाघाट शहर वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807682 है तथा इसका दायित्व सहायक अभियंता श्री अंकित मार्को 9425806285 को सौपा गया है। वहीं बालाघाट शहर के दूसरे वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425820310 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता अवितार देशमुख 9425806287 को दिया गया है। इसी तरह सरेखा-1 वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648820761 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता आर.एल. बिहोने (मो. 9425806288) तथा वितरण केंद्र सरेखा-2 के कॉल सेंटर का नंबर 9525806284 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री मिथलेश उइके (मो. 9425806284) को दिया गया है। भरवेली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425820078 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता कुमारी सुभाष नाग (मो. 9425820078), हट्टा केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9406550054 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता बिरजू उइके (मो. 9425820230), रजेगांव वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9525807686 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री जॉर्ज वर्गीस (मो. 9425806293) तथा किरनापुर वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425806254 है तथा अभियंता संदीप सहारे (मो. 9425806254) को प्रभारी बनाया गया है। भानेगांव वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9584694068 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता दामेंद्र कुचे (मो. 9425806292), लांजी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807697 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री ललित मार्को (मो. 9425806291), कारंजा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9511286460 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री विजयजीत शर्मा (मो. 9425806244) को सौपा गया है। अमोली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 6269846358 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री विनीत कुमार टेकाम (मो. 9425806297), बोनकट्टा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री विनीत कुमार बिसेन (मो. 9425806361) तथा कंटगी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री शरीफवाला (मो. 9425806296) को सौपा गया है। खैरलांजी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648820743 है तथा इसका प्रभार श्री प्रमोद लिल्हारे (मो. 9425806301), लालबर्रा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807915 है इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री सरफराज कुरैशी (मो. 9425805472), रामपायली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 8305607487 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री निखिल मुखदेव (मो. 9425807870), सांवगी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807855 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री मयूर बिसेन (मो. 9425805466), तिरोड़ी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार परमेश्वर लिल्हारे (मो. 9425808071) तथा उमरी वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता श्री प्रेरणा हरिनखेडे (मो. 9425806357) को सौपा गया है। वारासिवनी शहर क्षेत्र में वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425807855 है तथा इसका प्रभार सहायक अभियंता राहुल तुरकर (मो. 9425806299), डोंगरमाली वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425806303 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार ठाकरे (मो. 9425806303), कोचेवाही वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808030 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता बबीता उइके (मो. 9425806157) , बैहर वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425808074 है तथा इसका प्रभार सहायक अभियंता ए.के. पटले (मो. 9425806306), मोहगांव वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648821018 है तथा इसका प्रभार कनिष्ठ अभियंता कोपसिंह मेरावी (मो. 9425806308) तथा लामता वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 7648820996 है तथा इसका प्रभारी कनिष्ठ अभियंता ए.के. गुप्ता (मो. 9425806307) को बनाया गया है। इसी प्रकार दमोह वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9425806227 है तथा इसका प्रभार नरेन्द्र कुर्राम (मो. 9425806227), परसवाड़ा वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9589497907 है तथा इसका प्रभार सहायक अभियंता ए.के. पटले (मो. 9302670472) तथा उकवा वितरण केंद्र वितरण केंद्र के कॉल सेंटर का नंबर 9644046199 है तथा इसका प्रभारी विरेन्द्र उइके (मो. 9425806222) को सौपा गया है। विद्युत विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान यदि कहीं विद्युत तार टूटे हों, खंभे क्षतिग्रस्त हों अथवा बिजली संबंधी कोई समस्या हो तो तत्काल संबंधित अधिकारी या कंट्रोल सेंटर को सूचना दें। विभाग ने कहा है कि मानसून के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे ताकि उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। यह आदेश अधीक्षण अभियंता, म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, बालाघाट वृत्त द्वारा जारी किया गया है।

खापा में नल जल योजना ठप, नौतपे की भीषण गर्मी में पानी के लिए मची त्राहि.त्राहि

पिछले चार दिनों से खराब है मोटर पारंपरिक जल स्त्रोत भी दे रहे जवाब, कुएं और हैंडपंपों पर उमड़ रही भारी भीड़

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खापा में इन दिनों पेयजल संकट गहरा गया है। विकासखंड में जारी नौतपे और भीषण गर्मी के बीच पिछले चार दिनों से तकनिकी खराबी से ग्राम की नल जल योजना पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। योजना की मोटर खराब हो जाने के कारण पूरे गांव में पानी की किल्लत उत्पन्न हो गई है। हालत यह है कि ग्रामीणों को बूंद.बूंद पानी के लिए सुबह से देर रात तक जद्दोजहद करनी पड़ रही है। जिससे ग्रामीणों में स्थानीय प्रशासन और पंचायत के खिलाफभारी आक्रोश व्याप्त है।

जल स्त्रोत उगल रहे गंदा और जंग युक्त पानी

गांव के पारंपरिक जल स्त्रोत भी अब जवाब दे रहे हैं कई हैंडपंप ऐसे हैं जो जंग युक्त और दूषित पानी उगल रहे हैं। इस पानी का उपयोग ग्रामीण कपडे.बर्तन और निस्तार के लिए तो जैसे.तैसे कर रहे हैं लेकिन यह पानी पीने योग्य बिल्कुल नहीं है। पेयजल के लिए ग्रामीणों को तपती धूप में आधा से एक किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर खंडवा रोड स्थित टोले में महज एक हैंडपंप के भरोसे करीब आधा सैकड़ा परिवार निर्भर हैं। अत्यधिक दोहन के कारण इस हैंडपंप का जलस्तर भी लगातार नीचे जा रहा है जिससे कुछ देर चलने के बाद यह हैंडपंप भी गंदा और मटमैला पानी उगलने लगता है।

कुएं पर लग रही भीड़ पानी के लिए आपस में भिड़ रहे लोग

गांव में पानी की विकरालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ग्राम के धरम नागोसे के घर के सामने स्थित कुएं पर सुबह और शाम दोनों वक्त दर्जनों ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ रही है। पानी भरने की होड़ में ग्रामीणों के बीच कई बार विवाद और तीखी नोकझोंक की स्थिति भी निर्मित हो रही है। तड़के सुबह से लेकर देर रात तक लोग सिर पर बर्तन और हाथ में बाल्टियां थामे लाइनों में खड़े नजर आ रहे हैं। वर्तमान में नौतपे के कारण पारा आसमान छू रहा है। इस भीषण गर्मी में पानी की मांग दोगुनी हो जाती है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और पंचायत प्रबंधन की उदासीनता के कारण ग्रामीण बूंद.बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। चार दिन बीत जाने के बाद भी मोटर सुधार नहीं किया गया है। ग्राम पंचायत खापा के आक्रोशित ग्रामीणों ने आला अधिकारियों से मांग की है कि नल.जल योजना की खराब मोटर को तत्काल सुधारा जाए और गांव में जलापूर्ति बहाल की जाये।

चार दिन से नल जल योजना बंद पड़ी है पानी के लिये ग्रामीण परेशान है-धनवंता नेवारे

ग्रामीण श्रीमती धनवंता नेवारे ने बताया कि चार दिन से नल जल योजना बंद पड़ी है। हैंडपंप कुएं से पानी लेते हैं पूरा टोला इस इकलौते हेंडपम्प से पानी ले जाता है। बस्ती में जिन्हें पीने का पानी नहीं मिलता वह भी यहां आकर पानी ले जाते हैं। थोड़ी देर पानी निकलता है फिर ज्यादा उपयोग करो तो मटमैला पानी निकलता है। गर्मी का समय है हर घर में मवेशी है जरूरत के आधार पर लोग पानी ले जा रहे। यहां १५० से अधिक परिवार है जो यह इस हैंडपंप पर आते हैं नल जल का पानी कब मिलेगा कोई गारंटी नहीं है। हमारे हिसाब से पानी मिलना चाहिए परंतु अभी पानी नहीं मिल रहा है तो क्या करें कोई साधन तो ढूंढना पड़ेगा।

पानी की मोटर खराब हो गई मोटर का सुधार कार्य चल रहा है-देवीप्रसाद गौतम

सरपंच देवी प्रसाद गौतम ने बताया कि पानी की मोटर खराब हो गई है तीन दिन हो गए हैं मोटर का सुधार कार्य चल रहा है। नई मोटर भी पंचायत द्वारा क्रय की गई है हमारे यहां सभी हितग्राही नल जल योजना पर निर्भर है जिस कारण से पारंपरिक जल स्त्रोत खत्म होने की कगार पर है। क्योंकि उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है जिससे वह खराब हो रहे हैं अभी हमारे द्वारा ग्राम के हैंड पंप का सुधार कार्य करवाया गया है कुएँ की सफाई भी करवाई गई है। करीब डेढ़ वर्ष बाद यह पहली समस्या आई है जिसका सुधार कार्य चल रहा है और जल्द ग्रामीणों को योजना का पानी उपलब्ध हो जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

10 जून 2026 तक जमा किए जा सकेंगे आवेदन, अधिक आवेदन होने पर होगी लॉटरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सीएम राइज शासकीय वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (संदीपनि विद्यालय) बालाघाट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हिंदी माध्यम की विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों से 10 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी एवं अभिभावक विद्यालय कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डॉ युवराज रहांगडाले ने बताया कि पहली कक्षा में 25, दूसरी में 5, तीसरी में 15, चौथी में 2, आठवीं में 3, नवमीं में 15 तथा ग्यारहवीं कृषि संकाय में 25 रिक्त सीटें उपलब्ध हैं। सभी कक्षाओं में प्रवेश हिंदी माध्यम में दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि रिक्त सीटों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो चयन प्रक्रिया लॉटरी प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। प्रवेश संबंधी नियम एवं शर्तें विद्यालय द्वारा पृथक से जारी की जाएंगी। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने अभिभावकों से समय सीमा के भीतर आवेदन जमा करने की अपील की है।

मार्को रुबियो की भारत यात्रा

ऐसा समझा जाता है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत की चार-दिवसीय यात्रा का मकसद उस द्विपक्षीय रिश्ते को सुचारू बनाना था जो पिछले एक साल में बुरी तरह बिखर गए थे। जनवरी 2025 में पदभार संभालने के बाद, रुबियो की यह पहली यात्रा थी। अमेरिका के उच्च टैरिफ और वीजा, आप्रवासन एवं आउटसोर्सिंग में कटौती से लेकर भारत की ऊर्जा संबंधी खरीद एवं निवेश पर प्रतिबंध, चीन तथा पाकिस्तान के साथ उसके कदम और भारत के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एवं उनके कैबिनेट के सहयोगियों द्वारा अपमानजनक टिप्पणी समेत कई समस्याएं हैं। भले ही मोदी सरकार ने अमेरिका की हरकतों को लेकर उसकी कोई आलोचना नहीं की है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका का हमला, व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी ने भारत के लिए भी भारी आर्थिक चिंताएं पैदा की हैं। लिहाजा यह उम्मीद की गई कि रूबियो की यह यात्रा वाशिंगटन के एकतरफा कदमों के चलते द्विपक्षीय रिश्तों में आए सबसे खराब दौर में से एक को ठीक करने में मदद करेगी। रूबियो की इस यात्रा ने क्वाड के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ द्विपक्षीय एजेंडे को भी जोड़ा। भारत को 卐नरक के द्वार卐 के रूप में संदर्भित करने वाली आप्रवासी विरोधी भावनाओं को बढ़ाने वाले ट्रम्प के पोस्ट के बारे में बार-बार पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, रुबियो ने लगातार कहा कि द्विपक्षीय रिश्ते अच्छे हैं और 卐राष्ट्रपति ट्रम्प भारत से प्यार करते हैं卐। इसमें कोई शक नहीं कि नई दिल्ली ने रूबियो के लिए लाल कालीन बिछाया था। प्रोटोकॉल से परे जाकर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके आगमन पर उनका स्वागत किया और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सप्ताहांत का अधिकांश समय रूबियो के साथ बैठकों में बिताया। इनमें अमेरिकी दूतावास में दो स्वागत-समारोह भी शामिल थे। रविवार को, जयशंकर ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस और रूबियो के जन्मदिन को मनाने वाले एक समारोह में भाग लिया। रूबियो ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी का दौरा किया और दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए आगरा तथा जयपुर गए। द्विपक्षीय वार्ता में दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार, ऊर्जा, असैन्य परमाणु प्रौद्योगिकी एवं रक्षा सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और भू-राजनीतिक संघर्षों सहित आपसी रिश्तों के संपूर्ण आयामों पर चर्चा की।

हालांकि, क्वाड और 15-राष्ट्रों की पैक्स सिलिका के भीतर सदस्य देशों की साझेदारी को दोहराने वाले महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर एक समझौते के अलावा, इस यात्रा का द्विपक्षीय वाला हिस्सा चंद उल्लेखनीय नतीजों के साथ समाप्त हुआ। रिश्तों में एक समस्या को स्वीकार करने से रूबियो के इनकार करने से यह संकेत मिलता है कि अमेरिका, जिसे कभी भारत की सबसे विश्वसनीय साझेदार माना जाता था, नई दिल्ली की चिंताओं को पहचानने में विफल रहा है। हालांकि, यह उम्मीद की जाती है कि रूबियो को उन चिंताओं के बारे में सूचित किया गया है क्योंकि दोनों पक्ष जून के मध्य में फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी और ट्रम्प के बीच संभावित बैठक की तैयारी कर रहे हैं। भारत इस शिखर सम्मेलन में एक विशेष आमंत्रित देश है। यह पहला मौका होगा जब मोदी की फरवरी 2025 की वाशिंगटन यात्रा और उसके बाद की सभी बातों के बाद दोनों नेता आमने-सामने आयेंगे और यह विशेष रूप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए क्षेत्रों - आर्थिक, ऊर्जा और क्षेत्रीय सुरक्षा - में रिश्तों को सुधारने का अच्छा मौका होगा।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत ज़हरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

ग़ौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अख़लाक़ और पहलू ख़ान जैसे अनेक लोगों की हत्या की ख़बरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फ़र्ज़ी हैं, जो रात में ग़ैर-क़ानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोज़ियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी क़ानून अपने हाथ में लेने का हक़ नहीं है। उन्होंने

असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज़्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फ़तवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज़ आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफ़रत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैग़ंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफ़ा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी ज़रूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान क़ाबिल -ए -ग़ौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन क़ानूनन और सामाजिक भावनाओं के ख़िलाफ़ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनज़र यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। इसी तरह अप्रैल 2017 में केरल के मल्लापुरम लोकसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार एन. श्रीप्रकाश ने मतदाताओं से वादा किया था कि यदि वे चुनाव जीतते हैं तो क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता वाले बीफ़ की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे और साफ़-सुथरे बूचड़ख़ाने खुलवाएंगे। जबकि अभी पिछले दिनों बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में क़ानूनन केवल उसी गोवंश (गाय) का वध नहीं किया जा सकता जिसकी उम्र 14 वर्ष से कम हो। इस कुतर्क के अनुसार क्या 14 वर्ष से ऊपर की गाय गौ माता की श्रेणी से बाहर हो जाती है?

भारत सरकार में संसदीय कार्य व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का 2015 में दिया गया वह बयान पूरे देश को याद ही होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं अरुणाचल प्रदेश से हूँ और गोमांस खाता हूँ। क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है? उनका तर्क था कि भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है। पूर्वोत्तर के राज्यों में बहुत से लोग बीफ़ खाते हैं और किसी के खान-पान की आदतों या जीवनशैली को उन पर थोपा नहीं जा सकता। साथ ही उसी समय उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि भारत विविधताओं का देश है। जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, वहां उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। गोरक्षा पर राजनीति करने वाली सरकार किरेन रिजिजू जैसे गौ मांस भक्षक को मंत्री बनाकर किस आधार पर गोरक्षा की बात कर सकती है ? उधर यही भारतीय जनता पार्टी इलेक्टोरल बांड के ज़रिए भारत की सबसे बड़ी बीफ़ निर्यातक कंपनियों से लगभग प्रत्येक चुनावों में करोड़ों का चंदा वसूलती है। इसी सत्ता संरक्षण की वजह से 2014 के बाद यानी भाजपा के शासनकाल में भारत का कुल बीफ़ निर्यात काफ़ी बढ़ चुका है। परन्तु स्वयंभू गोरक्षकों को गोहत्या को बढ़ावा देने व इसके पक्ष में तर्क देने वालों से कोई शिकायत नहीं है बल्कि आश्चर्य है कि इनकी सारी दुश्मनी व शिकायत केवल मुसलमानों से ही है ? समझा जा सकता है कि गोवंश की सुरक्षा किसी धर्म जाति से जुड़ा विषय नहीं बल्कि वास्तव में गोवंश शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार है।

-निर्मल रानी

कहो तो कह दूं- काकरोचों ने सोचा भी नहीं होगा कि वे रातों रात इतने फेमस हो जायेंगे....

कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी आजकल चर्चा में है। अमेरिका में बनी इस भारतीय पार्टी के रातों रात लगभग दो लाख फॉलोअर्स हो गये। नौबत यहां तक पहुंची कि सीजेपी के ट्विटर हैंडल पर बैन लगाना पड़ा। वास्तव में सीजेपी एक व्यंग्यात्मक आंदोलन है जिसे 16 मई 2026 को आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशंस रणनीतिकार अभिजीत दीपके द्वारा सोशल मीडिया पर शुरू किया गया था। भारत में जन्मे और फिलहाल बोस्टन यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत दीपके को दाद देना पड़ेगी कि उन्होंने दुनिया के सबसे मजबूत कीड़े को एक राजनीतिक संकेत में बदल दिया। उन्होंने अमेरिका से इस अभियान की शुरुआत की जिसमें यूरोप के कुछ साथी भी जुड़ गये। दूर देशों की इस शुरुआत ने भारत के राजनीतिक खेमों में हलचल मचा दी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बुलबुला है जो जल्द ही फुस्स हो जायेगा लेकिन कुछ का विश्वास है कि सीजेपी अगले चुनावों में जनमानस पर असर डालने में कामयाब होगी। चूंकि भारत में बेरोजगारों की संख्या करोड़ों में है और यह वर्ग सक्रिय वोटर होने के साथ सोशल मीडिया से भी जुड़ा रहता है इसीलिये इसके चुनावी असर से इंकार नहीं किया जा सकता। सीजेपी की जादुई शोहरत का ये आलम है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इसी तर्ज पर कॉकरोच अवामी लीग

सीएएल बना ली गई है जिसके हजारों फॉलोअर्स भी बन गये हैं। एक तरफ अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं दूसरी तरफ उनके फॉलोअर्स बढ़ते ही जा रहे हैं।

मालूम हो कि कॉकरोच की महिमा केवल महिलाओं को डराने और रसोईघर में धमा चौकड़ी करने तक सीमित नहीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि कॉकरोच दरअसल दुनिया के सबसे ताकतवर प्राणियों में से एक है और परमाणु युद्ध होने के बाद भी पृथ्वी पर सिर्फ इसी का बच पाना सम्भव है। छोटे अंधेरे कोनों और दरारों में छिपे रहने से इस पर विस्फोट का असर होना असंभव है। साथ ही परमाणु युद्ध से होने वाले रेडिएशन का इस पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि इसकी रेडीएशन सहने की क्षमता इन्सान से लगभग 15 गुना ज्यादा है। इसके अलावा कॉकरोच की जीवित रहने की क्षमता भी अद्वितीय है क्योंकि यह खीरा यानी ककड़ी के अलावा दुनिया का कोई भी पदार्थ खा कर मजे से जिन्दा रह सकता है।

इसी तरह भारत का बेरोजगार भी बेख़ौफ़ है। बीमारी, बेरोजगारी, पैसों की तंगी, परिवार के ताने और महबूबा की नाराज़गी से भी इसे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये अपनी बेफिक्री और मटरगश्ती में मशगूल रहता है। बीच बीच में टाइम मिलने पर ये किसी सरकारी नौकरी का फॉर्म भी भरता है जिनमें से अधिकांश या तो पेपर लीक होने से निरस्त हो जाती हैं या फिर जुगाड़ वालों के हिस्से में चली जाती हैं। दशहरा, गणेशोत्सव, होली इसके प्रिय त्यौहार हैं जिनमें चंदा वसूली से लेकर साज सज्जा और डांस वगैरह की गतिविधियों में इसका काफी मनोरंजन होता है। लेकिन बेरोजगार का सबसे प्रिय त्यौहार है चुनाव। इस मौके पर डेढ़ दो महीने का खाना पीना और धन लाभ बड़ी राहत भरा होता है। यही वो समय है जिसमें बेरोजगार खुद को उपयोगी और ताकतवर समझने लगता है। अक्सर नेता इन्हें नौकरी का लालच देकर बेगार भी करवाते हैं और चुनाव खत्म होते ही बाकी वायदों की तरह इस वायदे को भी भूल जाते हैं। देश आगे बढ़ता जा रहा है, विकास का गुणगान हो रहा है, लेकिन बेरोजगार है कि बस बेरोजगार ही है। अब जब इसे कॉकरोच का खिताब दे दिया गया है तब सरकार को सावधान हो जाना चाहिये। जिसे परमाणु युद्ध भी नहीं मार सकता वो भला सरकार से क्या डरेगा। नेता खुशकिस्मत हैं कि बेरोज़गार अभी संगठित नहीं हैं। अगर सीजेपी के बैनर तले सब इकट्ठे हो गए तो क्या होगा कोई नहीं जानता

गधा सबसे समझदार

अभी तक तो अपने को ये मालूम था कि यदि किसी व्यक्ति को गधा कह दिया जाए इसका मतलब है कि वो बहुत ही बेवकूफ होता है लेकिन अब पता लगा है कि गधा तो घोड़े से भी ज्यादा समझदार होता है न केवल घोड़े बल्कि सभी जानवरों की तुलना में गधा सबसे ज्यादा समझदार होता है और ये पता कैसे लगा है जनरल ऑफ वेटरनरी बिहेवियर का एक अध्ययन जो स्पेनिश वैज्ञानिकों ने 300 गधों पर किया था उसके आधार पर ये निष्कर्ष निकला कि आइक्यू में गधों का स्कोर मानव पैटर्न से बिल्कुल मिलता जुलता है यानी अब किसी को यदि गधा कहा जाएगा तो इसका मतलब है कि वह बुद्धिमान और समझदार व्यक्ति है । सारी परिभाषाएं इस अध्ययन ने बदल कर रख दीं । गधे भी भारी खुश है कि अभी तक हमको बतौर गाली संबोधित किया जाता था लेकिन अब पता लगा कि हम लोग कितने बुद्धिमान और समझदार हैं हम लोग सीधे-साधे हैं ज्यादा बोलते नहीं कभी-कभी रेंकने लगते हैं तो इसका ये मतलब थोड़ी है कि हम सबसे ज्यादा मूर्ख और बेवकूफ हैं। सारे गधे मिलकर स्पेनिश वैज्ञानिकों का सम्मान करना चाह रहे हैं जिन्होंने बता दिया कि गधा एक बुद्धिमान और समझदार प्राणी होता है अपने को तो लगता है अब कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा पालने की बजाय घर में एक गधा पाल लिया जाए कम से कम कहने को तो रहेगा कि घर में एक समझदार व्यक्ति है भले ही वह जानवर क्यों ना हो।

मंगल से पंगा मत लो

मशहूर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के आईपीओ फाइलिंग में लिखा है कि मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने का इरादा है और वो भी थोड़े बहुत नहीं बल्कि दस लाख के आसपास इंसान वहां बसाये जाएंगे । ज्योतिष के आधार पर तो मंगल काफी क्रोधी ग्रह माना जाता है जिन लड़के लड़कियों की कुंडली में मंगल होता है वे मांगलिक मानी जाती हैं उनकी शादी ब्याह में बड़ी दिक्कतें आती हैं बताया जाता है कि जिनकी कुंडली में मंगल होता है उनकी पहले किसी पेड़ या भगवान से शादी करवा दी जाती है ताकि मंगल का दोष खत्म हो जाए, मंगल का दोष खत्म करने के लिए हनुमान जी की प्रार्थना की जाती है, लोग मंगलवार का उपवास भी रखते हैं, ज्योतिषियों की सलाह पर उंगली में मूंगा भी धारण कर लेते हैं ताकि मंगल ग्रह शांत रहे ,अब ऐसे खतरनाक और गुस्सैल ग्रह पर दस लाख लोगों को बसाने की जो स्कीम मस्क साहब चला रहे हैं शायद वे जानते नहीं हैं कि मंगल से पंगा लेना ठीक नहीं है यदि मंगल नाराज हो गया तो सारा धंधा ठप्प हो जाएगा । अभी तक तो चांद पर लोगों को बसाने की बात चल रही थी अब यह चांद को छोड़कर मंगल तक पहुंच गए ।अरे भैया वहां लोगों को बसा दोगे तो वहां होटल खुल जाएंगे ,चाय के टपरे लग जाएंगे, चाट फुलकी के ठेले स्थापित हो जायेंगे फुटपाथों पर अतिक्रमण हो जाएगा, मंगल की सड़कों पर जाम लगने लगेगा, लोग बाग पान गुटखा खाकर इधर-उधर थूकने लगेंगे, कोई कहीं भी खड़ा होकर लघु शंका कर देगा इन सबसे मंगल महाराज नाराज नहीं होंगे तो क्या खुश होंगे? अभी भी वक्त है मस्क साहब दस बार सोचो और किसी शांत ग्रह में जाने की बात करो तो चल भी जाएगा मंगल से पंगा लेना बहुत महंगा पड़ेगा ये हम अभी से बता देते हैं फिर ना कहना कि पहले क्यों नहीं बताया था

सुपर हिट ऑफ द वीक

श्रीमान जी ने अपने बॉस से कहा सर कुछ दिनों की छुट्टी चाहिए.

छुट्टी एक शर्त पर मिलेगी. ये बताओ कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा?

सर हो सकता है बाहुबली ने कटप्पा को छुट्टी नहीं दी हो.श्रीमान जी ने उत्तर दिया

बताओ कितने दिन की छुट्टी चाहिए? बॉस ने घबरा कर कहा

-चैतन्य भट्ट

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्राय: दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्राय: देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

– योगेश कुमार गोयल

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.63 पर बंद हुआ इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर खुला। वहीं महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में कुछ गिरावट से निवेशकों को कुछ राहत मिली है। कारोबारियों के अनुसार आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी बाजार में गिरावट का माहौल है जिससे भी रुपया दबाव में रहा।

बाजार में बढ़ा नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार, नहीं पहचान पा रहे ग्राहक

नई दिल्ली। देश में चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों और निवेशकों की मजबूत मांग के बीच नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार तेजी से बढ़ा है। बाजार में बिक रही कई सिल्वर बार, सिक्के, आभूषण और पूजा सामग्री तय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतर रही है। इससे ग्राहकों को आर्थिक नुकसान का खतरा है, वहीं चांदी बाजार की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के महीनों में निवेशकों का रुझान सोने के साथ-साथ चांदी की ओर भी बढ़ा है। सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में लोग बड़ी मात्रा में सिल्वर बार, सिक्के और चांदी के बर्तन खरीद रहे हैं। इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी और अवैध निर्माता बाजार में कम गुणवत्ता वाली चांदी बेच रहे हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसी चांदी मौजूद है, जो 999 शुद्धता के मानक को पूरा नहीं करती है। विशेष चिंता की बात यह है कि कई उत्पादों में निकेल, कैडमियम और लेड जैसे हानिकारक तत्व भी पाए जा रहे हैं। ये धातुएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रैप सिल्वर से बने आभूषणों और अन्य वस्तुओं में इस तरह की मिलावट ज्यादा देखने को मिल रही है। इससे ग्राहकों की सुरक्षा और निवेश दोनों प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने सितंबर 2025 से चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया है, लेकिन उद्योग जगत का कहना है कि अभी भी बड़ी संख्या में ज्वेलर्स इसका पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों के लिए असली और नकली चांदी की पहचान करना कठिन है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह सोने के लिए सख्त हॉलमार्किंग और लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू है, उसी प्रकार चांदी के क्षेत्र में भी मजबूत निगरानी तंत्र जरूरी है। जानकारी के मुताबिक भारत में हर साल करीब 7,000 टन चांदी की खपत होती है, जबकि इसके लिए केवल 286 अस्सेइंग और हॉलमार्किंग सेंटर उपलब्ध हैं। इसके विपरीत सोने की खपत कम होने के बावजूद उसके लिए 1,500 से ज्यादा सेंटर मौजूद हैं। यही असंतुलन चांदी बाजार की सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है। जयपुर, आगरा, राजकोट, कोल्हापुर, सलेम और कटक जैसे शहर चांदी के आभूषण और धार्मिक वस्तुओं के बड़े उत्पादन केंद्र हैं। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि यहां बनने वाले कई उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली चांदी की गुणवत्ता संदिग्ध है। इस बीच रिफाइनरी कंपनियां सरकार से चांदी रिफाइनिंग यूनिट्स के लिए भी लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू करने की मांग कर रही हैं ताकि बाजार में पारदर्शिता बढ़ सके और ग्राहकों को प्रमाणित शुद्ध चांदी मिल सके।

ब्रिटानिया 'गुड डे' अब होगा महंगा! कंपनी फैमिली पैक्स के बढ़ा रही दाम

नई दिल्ली,। अगर आप भी सुबह या शाम की चाय के साथ ब्रिटानिया का 'गुड डे' बिस्किट खाते हैं तो अब इस शौक के लिए आपको ज्यादा पैसे चुकाना होगा। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 'गुड डे' बिस्किट के फैमिली पैक्स के दाम बढ़ा रही है। डिस्ट्रीब्यूटर सूत्रों के मुताबिक कंपनी इसके प्रमुख वैरिएंट्स की कीमतों में 10 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटानिया 5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में कोई बदलाव तो नहीं होगा लेकिन इसका वजन कंपनी कम कर सकती है यानी आपको पैसे तो उतने ही देने होंगे, लेकिन पैकेट में बिस्किट कम मिलेंगे। कंपनी ने अपनी अर्निंग्स कॉल में भी साफ कहा है कि 10 रुपए से महंगे पैक्स पर दाम बढ़ाए जाएंगे और छोटे पैक्स में वजन कम किया जाएगा। कंपनी कच्चे माल की कीमतों और पैकेजिंग मैटेरियल की बढ़ती कॉस्ट से परेशान है। इसी वजह से कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला लिया है।

बता दें ब्रिटानिया की कुल कमाई में बिस्किट कारोबार की हिस्सेदारी 70-75 फीसदी है, और अकेले 'गुड डे' ब्रांड से कंपनी को करीब 3,500 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलता है। कीमतें बढ़ाने का यह फैसला कंपनी के चौथी तिमाही के मिले-जुले नतीजों के बाद आया है। मार्च तिमाही में ब्रिटानिया का कुल रेवेन्यू 6.5फीसदी बढ़कर 4,719 करोड़ रुपए रहा। वहीं, कंपनी का शुद्ध लाभ भी उम्मीद से ज्यादा अच्दा प्रदर्शन करते हुए 21.1फीसदी की बढ़त के साथ 678 करोड़ पर पहुंच गया। हालांकि, विज्ञापनों और अन्य खर्चों में 17.5फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने के कारण कंपनी के ऑपरेटिंग मार्जिन पर दबाव देखा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2026 के शुरुआती महीनों में कंपनी का बिजनेस करीब 9फीसदी की रफ्तार से बढ़ा था, लेकिन मार्च आते-आते इस पर ब्रेक लग गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हुई। इसके कारण समुद्री मालभाड़ा और ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया, जिसने कंपनी की लागत को बढ़ा दिया। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने ब्रिटानिया के शेयर पर अपनी 'बाय' रेटिंग तो बरकरार रखी है, लेकिन टारगेट प्राइस 7,170 रुपए से घटाकर 6,360 रुपए कर दिया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद
सेंसेक्स 141, निफ्टी 7 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। इससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 141.90 अंकों की गिरावट के साथ ही 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 6.55 अंक फिसलकर 23,907.15 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बाजार में सबसे ज्यादा गिरावट वित्तीय और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में रही। निफ्टी के जिन शेयरों में गिरावट रही उनमें ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के शेयर रहे जबकि उर्जा और धातु क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन,और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही। टाटा स्टील, इंडिगो, मारुति सुजुकी, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर भी उछले हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों के बाद दोने में तनाव बढ़ा है जससे भी निवेशकों में घबराहट है और वह सतर्कता बरत रहे हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव बना हुआ है।

आज निफ्टी बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स क्षेत्र में शेयर गिरे जबकि .मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में तेज रही। छोटे और मझोले शेयरों में खरीदारी देखी!

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 136.38 अंक फिसलकर 75,873.32 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 29.95 अंक टूटकर 23,887.15 पर था।

गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव से भी बाजार गिरा है। इसका कारण ये है कि निवेशक अभी बाजार से दूरी बनाये हुए हैं।

8वें वेतन आयोग से रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में होगा इजाफा
आईआरटीएसए ने सरकार के सामने रखा 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला

नई दिल्ली। 8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों के बीच उत्सुकता है। खासतौर पर रेलवे कर्मचारियों की निगाहें इस पर टिकी हैं कि नए वेतन आयोग में उनकी सैलरी में कितना इजाफा होगा। इसी बीच रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के संगठन ने सरकार के सामने एक नया और अलग प्रस्ताव रखा है, जिससे रेलवे कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन ने 8वें वेतन आयोग के सामने रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के लिए अलग 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला लागू करने की मांग की है। अब तक सभी वेतन आयोगों में कर्मचारियों के लिए एक समान फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता रहा है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर कर्मचारियों की बेसिक सैलरी तय थी। हालांकि, संगठन का कहना है कि रेलवे तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां, कार्य का दबाव और जोखिम अन्य कर्मचारियों से अलग और चुनौतीपूर्ण है। इसलिए उनके लिए अलग वेतन व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रस्ताव के मुताबिक लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों के लिए 2.92 फिटमेंट फैक्टर, लेवल 6 से 8 तक के लिए 3.50, लेवल 9 से 12 तक के लिए 3.80, लेवल 13 से 16 तक के लिए 4.09 और लेवल 17 से 18 तक के कर्मचारियों के लिए 4.38 फिटमेंट फैक्टर लागू करने की सिफारिश की गई है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। यदि किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 45 हजार है और वह लेवल 6 से 8 के दायरे में आता है, तो 3.50 फिटमेंट फैक्टर लागू होने पर उसकी नई बेसिक सैलरी करीब 1.57 लाख रुपए हो जाएगी।

संगठन ने संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति योजना यानी एमएसीपी में भी बदलाव की मांग की गई है। प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को 30 साल की सेवा अवधि में पांच बार वित्तीय उन्नयन देने की सिफारिश की गई है। अब सभी की नजर सरकार और 8वें वेतन आयोग के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि इससे लाखों रेलवे कर्मचारियों की आय और सेवा शर्तों में बड़ा बदलाव हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आपका आत्मविश्वास और काम करने की क्षमता दोनों चरम पर रहेंगे। हर फैसला आप सोच-समझकर लेंगे, लेकिन किसी के दबाव में आकर लिया गया कदम बाद में परेशानी दे सकता है। मन में नई कमाई या साइड इनकम का विचार चल सकता है और अच्छी बात यह है कि उसमें सफलता मिलने के संकेत भी मजबूत हैं। जीवनसाथी की कोई उपलब्धि या प्रमोशन घर का माहौल खुशियों से भर देगा।

वृषभ राशि- आज का दिन धीरे-धीरे लेकिन पक्की सफलता देने वाला रहेगा। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छा परिणाम मिलने के योग हैं। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार मन में आएंगे। परिवार में किसी सदस्य के रिश्ते या विवाह की बात तय होने से घर में उत्सव जैसा माहौल बन सकता है। किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा।

मिथुन राशि- आज किस्मत अचानक आपका साथ देती नजर आएगी। लंबे समय से अटका या डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। बिजनेस में जो योजनाएं परेशानी बन रही थीं, वे अब धीरे-धीरे सही दिशा पकड़ सकती हैं। किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें। पिता की सलाह पारिवारिक बिजनेस में आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

कर्क राशि-आज प्रॉपर्टी और निवेश से जुड़े मामलों में किस्मत आपका साथ दे सकती है। नई संपत्ति खरीदने का विचार सफल हो सकता है। हालांकि अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह साबित हो सकता है, इसलिए निजी बातें किसी से साझा करने से बचें। परिवार का कोई नाराज सदस्य आज आपके प्यार और समझदारी से मान सकता है।

सिंह राशि-आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपको सही दिशा दिखाएगी। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे उम्मीदें लगाएंगे। संतान को नौकरी या करियर के कारण घर से दूर जाना पड़ सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से भागदौड़ बढ़ेगी, लेकिन आप उन्हें अच्छे से संभाल लेंगे। आज आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान को लेकर मन में खास सजगता रहेगी।

कन्या राशि-आज का दिन थोड़ा तनाव भरा रह सकता है। माता जी की सेहत को लेकर चिंता बढ़ सकती है। बिजनेस में किसी नुकसान या रुकावट के कारण भागदौड़ ज्यादा रहेगी। किसी अजनबी पर आंख मूंदकर भरोसा करना मुश्किलें बढ़ा सकता है। हालांकि कानूनी मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं और फैसला आपके पक्ष में जा सकता है।

तुला राशि-आज आपका मन मौज-मस्ती और खुशियों में डूबा रहेगा। संतान की तरक्की देखकर गर्व महसूस होगा। लंबे समय से अटका कोई काम आज पूरा हो सकता है, जिससे राहत मिलेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही करने से बचना होगा, वरना नुकसान हो सकता है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी चतुराई और समझदारी का सही इस्तेमाल करना होगा।

वृश्चिक राशि-आज रिश्तों में अपनापन और मजबूती बढ़ेगी। भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा और किसी पुराने मुद्दे का समाधान मिल-बैठकर निकल सकता है। परिवार के साथ बिताया गया समय आपके मन को सुकून देगा। नौकरी से जुड़ा कोई काम आपको यात्रा पर ले जा सकता है।

धनु राशि- आज आपका मान-सम्मान और लोकप्रियता दोनों बढ़ने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में अच्छे काम के लिए आपको सराहना या पुरस्कार मिल सकता है। नए लोगों से दोस्ती होगी और सामाजिक दायरा बढ़ेगा। मन बेहद प्रसन्न रहेगा और बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको भीतर से खुश कर देगा। पिता आज आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौंप सकते हैं।

मकर राशि-आज सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। काम के पीछे भागते-भागते आप खुद की देखभाल भूल सकते हैं, इसलिए थोड़ा संतुलन जरूरी है। संतान के लिए नया वाहन या कोई बड़ी चीज खरीदने का विचार बन सकता है। खान-पान में लापरवाही से बचें और अपनी वाणी को मधुर बनाए रखें। जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान करा सकता है।

कुंभ राशि- आज धन को लेकर समझदारी दिखाने की जरूरत है। कोई व्यक्ति आपको गलत निवेश या जोखिम भरी योजना में फंसाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। संतान के करियर या पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। जीवनसाथी को नई नौकरी या अच्छा अवसर मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मीन राशि-आज आपकी समझदारी और शांत स्वभाव हर काम को आसान बना देंगे। घर में किसी नए मेहमान के आगमन से खुशी और रौनक बढ़ सकती है। सरकारी मामलों से जुड़ी कोई चिंता खत्म होने के संकेत हैं। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर दोस्तों या करीबी लोगों से चर्चा हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को जल्दबाजी से बचना होगा और बॉस की बातों पर खास ध्यान देना होगा, क्योंकि आज आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्दजाल - 8272

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फ्रा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्दा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद.

शब्दजाल - 8271 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	ब	व	दी	खू	स	बि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	मि	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7216

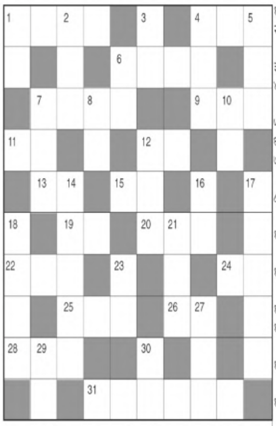

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7215

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			लु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	र		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		व		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8740

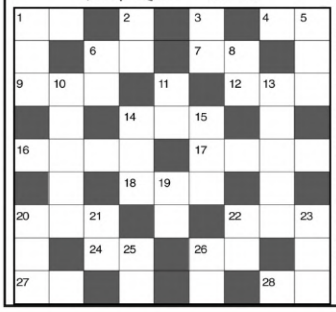

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8739 का हल

	क	हा	नी		प	ती	ला	
मा	ला		र		र		वा	दा
म			व	र	दा	न		ला
ला	य	क		न		म	न	न
		र	मी		गाँ	की		
सू	र	त		आ		न	श्व	र
री		ब	ह	का	ना			की
ला	ख		टा		ह		र	ब
	र	वा	ना		क	ल	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

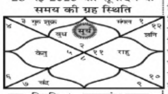

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.30 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	08.43 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.00 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.22 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.37 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.58 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.44 बजे से
राहुकाल		मीन	01.17 बजे से
1.30 से 3.00		मेष	02.48 बजे से
बजे तक		वृष	04.28 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 148 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 07.58 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 08.09 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 03.55 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 07.58 बजे तदनन्तर कौलव 20.52 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872723 **जूलियन दिन** 2461188.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः शिष्यों की परीक्षा

एक गुरु के दो शिष्य थे। दोनों गुरु के पास रहकर शास्त्रों की शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन गुरु ने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने एक शिष्य को बुलाकर पूछा, 'बताओ, यह जगत कैसा है?' शिष्य ने कहा, 'गुरुदेव, यह तो बहुत बुरा है। चारों तरफअंधकार ही अंधकार है। आप देखें, दिन एक होता है और रातें दो। पहले रात थी। अंधेरा ही अंधेरा छाया था। फिर दिन आया और उजाला हुआ। लेकिन पुनः रात आ गई अंधेरा छा गया। एक बार उजाला, दो बार अंधेरा। अंधेरा अधिक, प्रकाश कम। यह है जगत।' गुरु ने उस शिष्य की बात सुनने के बाद दूसरे शिष्य से भी यही प्रश्न पूछा। दूसरा शिष्य बोला, 'गुरुदेव, यह जगत बहुत ही अच्छा है। यहां चारों ओर प्रकाश ही प्रकाश है। रात बीती उजाला हुआ। सर्वत्र प्रकाश फैल गया। रोशनी आती है तो अंधकार दूर हो जाता है। वह सबकी मुंदी हुई आंखों को खोल देता है, यथार्थ को प्रकट कर देता है। कितना सुंदर और लुभावना है यह जगत कि जिसमें इतना प्रकाश है। देखता हूं, दिन आया, बीता। रात आई, बीती। फिर दिन आ गया। इस प्रकार दो दिनों के बीच एक रात। प्रकाश अधिक, अंधकार कम।' गुरु ने फिर दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'यह जगत अपने आप में कुछ नहीं है। यह वैसा ही दिखता है जैसा हम इसे देखते हैं।' उन्होंने पहले शिष्य को दूसरे शिष्य की बात बताई और कहा, 'अगर हम इसे सकारात्मक दृष्टि से देखेंगे तो यह हमें बहुत सुखद लगेगा। इसलिए तुम अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाओ।'

सूडोकु नवताल- 7525

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7524 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

नौतपा में तप रहा सड़क का सियासी ताप

खाट से अस्पताल तक का दर्द भूले नहीं ग्रामीण, अब सड़क के लिए चौंदाटोला चौक पर अनिश्चितकालीन धरना

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नौतपा की तपती दोपहर, माथे पर अंगार जैसी धूप और हाथों में तख्तियां.... चौंदाटोला चौक इन दिनों सिर्फ एक चौराहा नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित सड़क के खिलाफ उठती ग्रामीणों की आवाज़ बन गया है। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला से जूनेवानी तक बदहाल पड़ी सड़क को लेकर ग्रामीण मंगलवार 26 मई से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। ग्रामीणों का गुस्सा सिर्फ टूटी सड़क को लेकर नहीं हैए बल्कि उन वादों को लेकर भी है जो हर बार जल्द बनेगी सड़क' की सियासी चाशनी में लपेटकर परोसे गए। चौंदाटोला से ककोड़ी मेन रोड तक लगभग तीन किलोमीटर का यह मार्ग आज भी गड्ढों, कीचड़ और धूल की जिल्लत झेल रहा है। धरना स्थल पर जिला प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी हुई। ग्रामीणों ने साफ कहा कि अब आश्वासनों से पेट नहीं भरने वाला, सड़क चाहिए.... और वह भी जल्द।

आए दिन बना रहता है हादसों का खतरा

यह सड़क कई गांवों की जीवनरेखा मानी जाती है। रोजाना इसी रास्ते से स्कूली छात्र-छात्राएं, किसान, मरीज और आम नागरिक आवाजाही करते हैं। बरसात में यह मार्ग दलदल बन जाता है और गर्मियों में धूल का गुबार लोगों की सांसों तक में उतर जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़क के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। परंतु अब ग्रामीणों के सर से पानी ऊपर उठ चुका है और अब वह जब तक सड़क निर्माण की स्वीकृति पूरी तरह से धरातल पर नहीं उतरती तब तक अनिश्चितकालीन धरने की बात कहते हुए नारे लगा रहे हैं। वहीं धरना स्थल पर मौजूद ग्रामीण महिला मोतेश्वरी जामरे ने कहा की उक्त सड़क मार्ग के निर्माण के बदले आश्वासन ने उनके सब्र को पूरी तरह तोड़ दिया है। दो वर्ष पूर्व महिला के प्रसव पीड़ा के समय हुई घटना ने जिला ही नहीं पूरे प्रदेश में ग्राम की इस सड़क को चर्चा में ला दिया था बावजूद इसके अब तक सड़क निर्माण नहीं होना शासन-प्रशासन की लचर व्यवस्था को दर्शाता है।

दो साल पूर्व पूरे प्रदेश में चर्चित हो गई थी सड़क

इस सड़क का दर्द दो साल पहले तब पूरे प्रदेश ने देखा था, जब ग्राम जुनेवानी की एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान परिजनों को खाट पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ा था। बारिश में सड़क इतनी कीचड़मय हो चुकी थी कि एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। उस घटना के फ ोटो और वीडियो सोशल मीडिया से लेकर अखबारों तक सुर्खियां बने थे। उस समय क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि ने मौके पर पहुंचकर सड़क निर्माण का भरोसा दिया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि शायद अब हालात बदलेंगे, मगर दो वर्ष गुजर जाने के बाद भी सड़क जस की तस पड़ी है। यही वजह है कि अब ग्रामीणों का सब्र जवाब देने लगा है। धरना प्रदर्शन में में कविता महेश मात्रे, लक्ष्मण कावरे, गेंदलाल पंचाले, भक्तकुमार कावरे, ईश्वर नागफ ंसे, अमरदास कावरे, अरुण गेडाम, तिजलाल बाहें, श्यामलाल बाहें, मुरारीलाल कुम्भरे, संदीप पंद्रे, मोहन नागफ ंसे, जितेंद्र कावरे, दुर्गेश मात्रे, नेतलाल पांचें, खेमलाल मात्रे, गणपत मात्रे, गजेंद्र खरे, फूलचंद कावरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

इनका कहना है

ग्रामीण वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। उन्होंने कहा कि जब प्रसूता को खाट पर ले जाने की घटना हुई थी तब प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संवेदनाएं जताईं, निरीक्षण किए, मगर ज़मीन पर कुछ नहीं बदला। ग्रामीण अब थक चुके हैं। नौतपा की आग में बैठना किसी शौक का हिस्सा नहीं है। यह आंदोलन हमारी मजबूरी है। सड़क नहीं बनी तो आंदोलन और उग्र होगा।

महेश मात्रे
जपं सदस्य प्रतिनिधि

ग्रामीणों द्वारा आंदोलन की सूचना प्रशासन को दी गई थी। संबंधित अधिकारियों से चर्चा में जानकारी मिली है कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृ ति के लिए भोपाल भेजा गया है। प्रशासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया जारी है।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम लांजी

चौंदाटोला-जूनेवानी सड़क निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। मेरी ग्रामीणों से अपील है की यह क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क है और जल्द बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

राजकुमार करहि विधायक
लांजी-किरनापुर विस.

त्याग और बलिदान का त्योहार ईद- उल- अजहा आज

थाना परिसर में मुस्लिम समुदाय के साथ हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। त्याग और बलिदान का त्योहार ईद- उल- अजहा आज 28 मई गुरूवार को मनाया जा रहा है। इसको लेकर लांजी नगर के

बाजारों में खरीदारों की भीड़ दिखाई पड़ी । परिजनों को नए कपड़े दिलाने के साथ लोग टोपी, इत्र,सेवई आदि की खरीदारी करते भी दिखे । महिलाएं भी पर्व के लिए घरेलू उपयोग की सामग्री की खरीदारी करने के लिए बाजार पहुंच रही है। अरब और पश्चिमी देशों में जिस दिन ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाता है. ठीक उसके एक दिन बाद ही भारत में ये त्योहार बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है. इस दिन मुस्लिम समाज के लोग बकरे की कुर्बानी देते हैं. इसके बाद जानवर के गोश्त को गरीबों और रिश्तेदारों में बांटा जाता है। इस्लाम धर्म का त्योहार ईद-उल-अजहा या ईद-उल-जुहा यानी बकरीद सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है. दुनियाभर में मुस्लिमों के जरिए इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने जिल हिज की 10 तारीख को बकरीद मनाई जाती है. जिल हिज महीने की 8 तारीख से हज शुरू होता है और 13 तारीख को खत्म हो जाता है. इस बीच 10 तारीख को दुनियाभर में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से तारीख में हमेशा बदलाव देखने को मिलता रहता है। बतादे कि पर्व को लेकर लांजी पुलिस थाने में मुस्लिम समुदाय के लोगो के साथ तहसीलदार लांजी एवं थाना प्रभारी लांजी के द्वारा बैठक कर, क्षेत्र की सभी मस्जिदो में होने वाली नमाज सहित अन्य जानकारी ली गई। पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय के द्वारा आवश्यक जानकारियॉ अधिकारियों से साझा कि गई ताकि तदोनुसार बंदोबस्त लगाया जा सके। अधिकारियो ने ईद पर्व की शुभकामनाऐं प्रेषित कर बैठक समाप्त की।

महाराष्ट्र सीमा से लगे गांवों में अवैध रेत कारोबारियों का आतंक

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस अनुविभाग क्षेत्र में रोजाना अवैध रेत के कारोबार को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही है वहीं अनुभाग के बहेला थाना क्षेत्र में रोजाना डंपरो से अवैध रेत का कारोबार फल फुल रहा है। बतादे कि बहेला क्षेत्र जो कि महाराष्ट्र राज्य से लगा हुआ है यहां पर पास में ही महाराष्ट्र के गल्लाटोला से अंधियाटोला होते हुये रोजाना रेत से भरे डंपरो को देखा जा सकता है। थाना क्षेत्र के कुछ ग्रामो जिनमें प्रमुख रूप से रिसेवाड़ा सहित अन्य ग्राम में डंपरो से रेत सप्लाई कर डंप की जा रही है तथा डंप के उपरांत ट्रक्टरो से रेत का कारोबार किया जा रहा है। वहीं यह डंपर लोगों के घरो के पास से गुजर कर सामग्री को भी नुकसान पंहुचा रहे है।

महिला ने बहेला थाना में आवेदन देकर की शिकायत

बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम सावरीखुर्द आसोलीटोला निवासी हिरीयाबाई पति झनकलाल लिल्हारे एवं उनके पुत्र लोकेश लिल्हारे ने बहेला थाना में एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें लेख है कि 27 मई 2026 को सुबह 9 बजे एक रेत सें भरा डंपर क्रमांक एमएच 35 एजे 6777 के द्वारा मेरे घर के सामने जबरन डंपर वाहन को लेकर गये, हमारे द्वारा मना किये जाने के बाद भी डंपर चालक ने वाहन को नही रोका और घर के सामने बिछी पाईप लाईल को नुकसान पंहुचाया है। जबकि जिस स्थान से डंपर ले जाया जा रहा था वह हमारा निजी स्थान है कोई रोड नही है लेकिन डंपर चालक के द्वारा जबरन वाहन को ले जाया गया जिससे पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई है। वहीं महिला ने बताया कि रेत के डंपर ले जाने को लेकर कुछ लोगों के द्वारा हमारे साथ धक्का मुक्की भी की गई है। जिसकी शिकायत महिला एवं पुत्र ने बहेला थाना प्रभारी को की है। अब देखना है कि इस अवैध रूप से रेत के कारोबार को बहेला पुलिस प्रतिबंध लगा पाती है कि नही।

रेत डंप कर उंचे दामों में बेची जा रही रेत

महाराष्ट्र से डंपरो से रेत बहेला थाना क्षेत्र के ग्रामो में लाकर डंप की जा रही है तथा ट्रैक्टरो से रेत का कारोबार फल फुल रहा है। जिसके चलते गरीबो को अधिक दामों में रेत खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि क्षेत्र में अनेको निर्माण कार्य संचालित है जिन्हे वैध रूप से रेत नही मिल पा रही है तथा रेत माफियाओं के द्वारा इस मजबूरी का फायदा उठाकर अधिक दामों मे रेत बेची जा रही है। ग्रामीण जनता ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस अवैध रेत के कारोबार पर शिकंजा कसा जाये तथा वैध रूप से रेत का संचालन प्रारंभ किया जाये।

मेहरा तालाब के पास शराब दुकान की आशंका पर महिलाओं का उग्र विरोध, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जताया आक्रोश

वार्ड क्रमांक 13 और 14 की महिलाओं ने दिनभर दिया धरना, कहा- शांत क्षेत्र में शराब दुकान खुली तो बिगड़ेगा माहौल, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा पर पड़ेगा असर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में शराब दुकानों के स्थान परिवर्तन को लेकर चल रहा विरोध अब लगातार बढ़ता जा रहा है। वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान के संभावित स्थान परिवर्तन की खबर के बाद अब वार्ड क्रमांक 13 और 14 की महिलाओं ने भी मोर्चा खोल दिया है। महिलाओं को आशंका है कि वर्तमान में बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाकर मेहरा तालाब और रैन बसेरा के पास स्थापित किया जा सकता है। इसी विरोध में बुधवार को बड़ी संख्या में महिलाएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और बाद में मेहरा तालाब के पास धरना देकर प्रदर्शन किया। बीते कुछ दिनों से वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र की महिलाएं वहां संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं। इसी बीच वार्ड क्रमांक 13 की महिलाओं को सूचना मिली कि उक्त शराब दुकान को उनके क्षेत्र में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि मेहरा तालाब के किनारे और रैन बसेरा के पास निर्माण कार्य शुरू होते देख महिलाओं की आशंका और गहरी हो गई। महिलाओं का मानना है कि यह निर्माण संभावित शराब दुकान को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। सुबह से ही क्षेत्र में इस बात की चर्चा फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित होकर पहले कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। यहां महिलाओं ने प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर साफ शब्दों में कहा कि वे किसी भी हालत में अपने वार्ड में शराब दुकान नहीं खुलने देंगी। महिलाओं ने आरोप लगाया कि बिना स्थानीय लोगों की सहमति के रिहायशी और सार्वजनिक क्षेत्र में शराब दुकान लाने की तैयारी की जा रही है, जिसका वे पुरजोर विरोध करेंगी। कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के बाद महिलाएं सीधे मेहरा तालाब के पास पहुंचीं और वहां दिनभर धरने पर बैठ गईं। भीषण गर्मी के बावजूद महिलाएं हाथों में छाते लेकर प्रदर्शन करती रहीं। इस दौरान महिलाओं ने शराब दुकान के विरोध में नारेबाजी भी की। कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को भी साथ लेकर प्रदर्शन में पहुंची थीं। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान में रैन बसेरा और मेहरा तालाब क्षेत्र शांतिपूर्ण वातावरण वाला क्षेत्र है। यहां सुबह-शाम बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे घूमने और टहलने आते हैं। तालाब और गार्डन क्षेत्र में स्कूली छात्र-छात्राओं की भी आवाजाही रहती है। यदि यहां शराब दुकान खुलती है तो देर रात तक शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाएगा, जिससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण खराब होगा। महिलाओं का कहना था कि शराब दुकान खुलने के बाद क्षेत्र में महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा प्रभावित होगी। साथ ही आए दिन विवाद, झगड़े और असामाजिक गतिविधियां बढ़ने का खतरा रहेगा। महिलाओं ने कहा कि वे अपने वार्ड के शांत माहौल को खराब नहीं होने देंगी और जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कुछ महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन शराब दुकान को एक वार्ड से हटाकर दूसरे वार्ड में स्थापित कर केवल समस्या को स्थानांतरित कर रहा है, जबकि स्थानीय लोगों की भावनाओं और सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है। महिलाओं ने मांग की कि शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र और सार्वजनिक स्थलों से दूर स्थापित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को परेशानी न हो। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं में इस बात को लेकर भी नाराजगी देखने को मिली कि अभी तक प्रशासन की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। महिलाओं का कहना था कि यदि वास्तव में यहां शराब दुकान स्थापित करने की योजना नहीं है तो प्रशासन को सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी देनी चाहिए, ताकि लोगों में भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके। फिलहाल महिलाओं का विरोध लगातार जारी है और क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। महिलाओं ने साफ चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों को नजरअंदाज किया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

दहेज प्रताड़ना के चलते एक महिला से उसके पति और ससुर ने की मारपीट तो सास ने गला घोटने का किया प्रयास

किरनापुर थाने के ग्राम हिर्री की घटना, प्रीति के पति सास ससुर के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट। दहेज की मांग को लेकर दी जा रही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के चलते एक महिला से उसके पति सास ससुर ने जहा बेरहमी से मारपीट की तो वही सास ने रस्सी से गला घोटने का भी प्रयास किया। 24 मई को यह घटना किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हिर्री में घटित हुई । यह आरोप प्रीति मोहारे 27 वर्ष ने लगाते हुए किरनापुर पुलिस थाना में शिकायत की । किरनापुर पुलिस ने इस मामले में प्रीति मोहारे के पति प्रमोद मोहारे,सास ललिता मोहारे और ससुर कमल मोहारे के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट से की गई शिकायत के मुताबिक प्रीति का मायका ग्राम नेवरगांव का है। 14 जून 2020 को प्रीति का विवाह प्रमोद मोहारे के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुआ है। शादी के बाद से ही प्रीति अपने ससुराल में पति सास ससुर के साथ में रहने लगी थी विवाह लॉकडाउन के दौरान होने के कारण दान दहेज अधिक प्राप्त नहीं हुआ था। इसी बात को लेकर पति सास ससुर द्वारा कहा जाने लगा कि माता-पिता ने शादी के समय कम दहेज दिए हैं यह कहकर जहां प्रीति को ताने देने लगे थे वही दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे थे।पति शराब पीकर मारपीट करने लगा था और मायके से रुपए लाने के लिए परेशान करने लगा था। इस दौरान प्रीति ने एक पुत्र और पुत्री को जन्म दिये। बच्चों के जन्म होने के बाद भी पति और उसके साथ ससुर के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। प्रीति ने आप लगाई है कि शादी के समय उसके माता-पिता ने जो जेवर दिए थे। पति प्रमोद ने सभी जेवरों को बेच दिया और मायके से अपना हिस्सा के लिए परेशान करने लगा था इसी के साथ ही वह एक लाख रुपये और मोटरसाइकिल लाने के लिए प्रीति को परेशान करने लगा। प्रीति की छोटी बहन वसुंधरा की शादी उसके देवर से हुई है उसे भी प्रताड़ित करने लगे थे। बताया गया कि प्रीति के सास ससुर और पति कोई काम धंधा नहीं करते प्रीति मजदूरी करने जाती है तो मजदूरी की राशि उसका पति छीन लेता है और खाने पीने की कोई व्यवस्था नहीं करते। मारपीट करने की शिकायत किरनापुर पुलिस थाना में नहीं ली गई। इसके बाद प्रीति ने महिला पुलिस थाना बालाघाट में शिकायत की थी। किंतु अभी तक दर्ज नहीं की गई। 18 मार्च 20 26 और 23 मार्च 2026 को प्रीति से उसके पति ने 100000 रुपये और मोटरसाइकिल की मांग की गई ।किंतु प्रीति ने मना कर दिए ।उसके बाद पति सास ससुर के द्वारा उसके साथ मारपीट की गई और घर से निकाल दिए ।जिसकी रिपोर्ट करने प्रीति किरनापुर पुलिस थाना गई थी। किंतु उसके पहले ही पति और ससुर के द्वारा 181 में झूठी शिकायत करने की वजह से प्रीति की रिपोर्ट नहीं ली गई ।इसके बाद प्रीति ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को शिकायत की थी। किंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। इस प्रताड़ना के बाद भी प्रीति अपने ससुराल हिर्री भी में ही रह रही थीऔर वह अपने पति सास ससुर की प्रताड़ना का शिकार होते आ रही है

पति ससुर ने की मारपीट तो सास ने गला घोटने का किया प्रयास

किरनापुर पुलिस थाना में की गई शिकायत के मुताबिक 24 मई की सुबह 9ः00 बजे प्रीति जब घर में अपना घरेलू काम कर रही थी। उसी समय उसकी सास ललिता, प्रीति की मां और भाई को अश्लील गालियां गुप्तार कर रही थी। प्रीति ने उन्हें बोली की मेरे मायके वालों को क्यों गाली दे रही हो और उसने गालियां देने से मना की, तभी ललिता भड़क गई और उसने आवेश में आकर प्रीति को हाथबुक्के से मारपीट की यहां तक की मवेशी बांधने की रस्सी से उसका गला घोटने लगी। जिसका बचाव बहन वसुंधरा ने की। तब प्रीति को उसकी सास छोड़कर बाहर चली गई ।उसी समय प्रीति का पति प्रमोद वहां पर आया और उसने मां से लड़ाई झगड़ा करती है, कहकर प्रीति को हाथ बुक्के से मारपीट किया । तभी वहां प्रीति की सास ललिता और ससुर कमल आये जिन्होंने प्रीति को अश्लील गालियां देते हुए ससुर कमल ने प्रीति को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और हाथ बुक्के से बेरहमीपूर्वक मारपीट किया और जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी। बहन वसुंधरा ने बीच बचाव की थी ।प्रीति ने अपनी मां जयलता कुतराहे भाई विनय कुतराहे फोन करके बुलाई। जिनके साथ प्रीति रिपोर्ट करने किरनापुर थाना पहुंची। किरनापुर पुलिस ने मारपीट में घायल प्रीति का इलाज और मुलाहिजा वही के अस्पताल में करवा और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति प्रमोद ,सास ललिता और ससुर कमल के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया।